नई दिल्ली। मंगलवार, 20 अक्टूबर, 2026
आश्विन शुक्ल पक्ष दशमी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 12, अंक : 285/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12



दैनिक
विश्व केसरी
नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित
सिर्फ पत्रकारिता...



vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari

@ खेल कपिल परमार ने जूडो में ब्रॉन्ज मेडल जीता...
@ विचार रावण दहन से आत्ममंथन तक...
@ व्यापार सेंसेक्स 876 अंक फिसला...

शुभकामनाएं

दैनिक विश्व केसरी पत्र ने ब्यूरो चीफ, जिलाप्रतिनिधि, एवं सुधि पाठको को विजयादशमी पर्व के अवसर पर बधाईयां एवं शुभकामनाएं प्रेषित करता है।

अवकाश सूचना

दैनिक विश्व केसरी कार्यालय में दिनांक 20 अक्टूबर 2026 को विजयादशमी के पावन अवसर पर अवकाश रहेगा, पत्र का अगला अंक 22 अक्टूबर 2026 को प्रकाशित होगा।

प्रधान संपादक
सुजीत कुमार

छग के प्रमुख सचिव आईएएस सुबोध सिंह की फेक आईडी बनाने वाला हमीरपुर से गिरफ्तार



रायपुर। छत्तीसगढ़ पुलिस के ऑपरेशन साइबर शील्ड ने यूपी में बैठे साइबर ठगों के नेटवर्क पर बड़ा प्रहार किया है। साइबर सेल ने दो अलग-अलग मामलों में यूपी के दो शातिर ठगों को गिरफ्तार किया है। इनमें से एक ने मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव वरिष्ठ ब्रूस सुबोध कुमार सिंह की फेसबुक पर फर्जी आईडी बनाकर ठगी का जाल बुना था, तो दूसरे ने शेयर ट्रेडिंग में मोटे मुनाफे का लालच देकर एक महिला से 88 लाख रुपये ठग लिए थे।

भारतीय लोकतंत्र को कमजोर करने के प्रयासों पर 27 देशों से उठी आवाज

एजेंसी ■ नई दिल्ली



दुनिया के 27 देशों में रह रहे 400 से अधिक भारतीय मूल के छात्रों, शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और पूर्व छात्रों ने 'स्पेयर इंडिया फ्रॉम एनार्की' (भारत को अराजकता से बचाइए) शीर्षक से एक संयुक्त बयान जारी किया है। बयान में लोकतांत्रिक और संवैधानिक संस्थाओं पर अविश्वास पैदा करने के प्रयासों तथा लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को कमजोर करने के लिए सड़क आधारित आंदोलनों के इस्तेमाल पर चिंता व्यक्त की गई है।

बयान में कहा गया है कि भारतीय लोकतंत्र ने स्वतंत्रता के बाद से कई बार अपनी मजबूती और स्थिरता साबित की है। देश में संवैधानिक संस्थाएं लगातार मजबूत हुई हैं। नियंत्रण एवं संतुलन की व्यवस्था प्रभावी रही है और सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तांतरण भारतीय लोकतंत्र की प्रमुख पहचान रहा है।

छात्रों और शिक्षाविदों ने कहा कि हाल के वर्षों में चुनावी परिणामों को नकारने, संवैधानिक संस्थाओं पर लगातार सवाल उठाने और संसद की बजाय सड़क को प्राथमिकता देने की प्रवृत्ति कुछ वर्गों में बढ़ी है। बयान के अनुसार, प्रतिकूल चुनाव परिणामों के बाद चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए जाते हैं, जबकि न्यायालयों के प्रतिकूल फैसलों के बाद न्यायपालिका की स्वतंत्रता पर टिप्पणी की जाती है।

यह भी कहा गया कि देश की सबसे गैर-राजनीतिक संस्था मानी जाने वाली सशस्त्र सेनाओं को भी अनुचित तरीके से राजनीतिक विमर्श में घसीटा जा रहा है। छात्रों और शिक्षाविदों ने आरोप लगाया कि लोकतंत्र को बचाने के नाम पर भारतीय लोकतंत्र और उसकी संस्थाओं के प्रति संदेह पैदा करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लंबित न्यायिक मामलों का राजनीतिक इस्तेमाल किया जा रहा है और कुछ अराजकतावादी ताकतों के सहारे संवैधानिक व्यवस्था को कमजोर करने की कोशिश हो रही है। बयान में कहा गया कि दुनियाभर में भारतीय पहचान के साथ रहने वाले और भारत के भविष्य से जुड़े लोग होने के नाते वे इस स्थिति से चिंतित और व्यथित हैं। छात्रों और शिक्षाविदों ने भारतीय संविधान के निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने चेतावनी दी थी कि भारत को एक संवैधानिक गणतंत्र के रूप में बनाए रखने के लिए संवैधानिक तरीकों को अपनाना होगा और अराजकता की राह से बचना होगा। बयान में कहा गया कि असहमति लोकतंत्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, लेकिन लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने के प्रयासों को लोकतंत्र के नाम पर स्वीकार नहीं किया जा सकता।

संयुक्त बयान में सभी सामाजिक और राजनीतिक शक्तियों से मतभेदों को संवाद, बहस, चर्चा और संवैधानिक संस्थाओं के माध्यम से सुलझाने की अपील की गई है।

छात्रों और शिक्षाविदों ने कहा कि भारत को दुनिया के लोकतांत्रिक देशों के सामने सही कारणों से एक सकारात्मक उदाहरण पेश करना चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि सभी पक्ष विवेकपूर्ण मार्ग अपनाएंगे और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने की दिशा में काम करेंगे।

इस बयान पर हस्ताक्षर करने वाले छात्र, शोधकर्ता, शिक्षाविद और पूर्व छात्र अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी, फ्रांस, नीदरलैंड, आयरलैंड, इटली, स्पेन, स्वीडन, नॉर्वे, पोलैंड, यूक्रेन, रूस, दक्षिण कोरिया, जापान, सिंगापुर, मलेशिया, इजराइल, यूएई, कजाकिस्तान, जॉर्जिया और फिलीपींस समेत 27 देशों से जुड़े हैं।

टाइगर श्रॉफ के हमलावर तीनों शूटर राजस्थान के कोटा से गिरफ्तार

एजेंसी ■ मुंबई/कोटा



बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर हुई गोलीबारी की घटना के सिलसिले में राजस्थान के कोटा से तीन लोग हिरासत में लिए गए हैं। पुलिस ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों में दो हमलावर भी शामिल हैं। वहीं, एक आरोपी नाबालिग है।

मुंबई पुलिस ने बताया कि राजस्थान एजीटीएफ और कोटा सिटी पुलिस की संयुक्त टीम ने मुंबई पुलिस से मिले इनपुट के आधार पर तीनों शूटरों को दबोचा। जानकारी के मुताबिक, तीनों आरोपी पुणे-जयपुर एक्सप्रेस में सफर कर रहे थे। पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए उन्हें गिरफ्तार कर लिया। यह ट्रेन पुणे से उत्तर की ओर चलती है और मुंबई महानगर क्षेत्र से गुजरते हुए कल्याण जंक्शन और वसई रोड पर निर्धारित ठहराव करती है। इसके बाद यह गुजरात और मध्य प्रदेश से होते हुए राजस्थान में प्रवेश करती है। जयपुर की ओर बढ़ने से पहले ट्रेन कोटा जंक्शन पर रुकती है। मुंबई पुलिस ने बताया कि फायरिंग करने वाले मुंबई क्षेत्र से इस ट्रेन में सवार होकर भागने की कोशिश कर रहे थे। हालांकि, ट्रेन के कोटा स्टेशन पहुंचने पर कोटा पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया। बताया गया कि तीन लोगों में से दो वही हमलावर हैं, जिन्होंने रविवार शाम को टाइगर श्रॉफ की कार पर फायरिंग की थी। फिलहाल, तीनों लोगों से कोटा पुलिस पूछताछ कर रही है।

मुंबई पुलिस के अनुसार, दो आरोपी हरियाणा के सोनीपत जिले के रहने वाले हैं। इनमें से 17 वर्षीय फूल सिंह पुत्र नरेश, बड़ोदा थूथन का रहने वाला है, जबकि 18 वर्षीय रेहान पुत्र रिशुद्दीन अंसारी सोनीपत की ईदगाह कॉलोनी का निवासी है। इसके अलावा, तीसरा आरोपी बिहार के बेगूसराय जिले के पिपराई गांव का रहने वाला है। बता दें कि यह घटना 18 अक्टूबर की शाम करीब 7 बजे हुई, जब टाइगर श्रॉफ मुंबई के जुहू इलाके में फुटबॉल ग्राउंड से कार से वापस लौट रहे थे।

पुलिस ने बताया कि हमलावरों ने पिस्तौल से गाड़ी पर फायरिंग की, जिसमें ड्राइवर घायल हो गया। फायरिंग के दौरान वहां मौजूद एक अन्य व्यक्ति को भी गोली लगी। मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि शूटर जब फायरिंग कर रहे थे, उस समय अभिनेता टाइगर को थोड़ा समय मिला और वो आगे की तरफ झुक गए। इसी वजह से उन्हें गोली नहीं लगी। वहीं, उन्हें शीशे का टुकड़ा लगा था, जिस वजह से उन्हें चोट लगी।

सौरव दास और आशुतोष रांका की दो दिन बढ़ी न्यायिक हिरासत

एजेंसी ■ नई दिल्ली

जंतर-मंतर अतिक्रमण मामले में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेताओं सौरव दास और आशुतोष रांका की न्यायिक हिरासत दो दिन की और बढ़ा दी गई है। दिल्ली पुलिस सूत्रों के अनुसार, विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट (एसईएम) ने दोनों की न्यायिक हिरासत को दो दिन के लिए बढ़ाने का आदेश दिया है। इससे पहले सोमवार को सौरव दास और आशुतोष रांका को उनकी पांच दिन की न्यायिक हिरासत समाप्त होने के बाद एसईएम कोर्ट में पेश किया गया था। सुनवाई के दौरान सीजेपी की कानूनी मामलों की प्रमुख और अधिवक्ता रत्ना सिंह ने दोनों नेताओं की तत्काल रिहाई की मांग की थी। रत्ना सिंह ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा था कि न्यायिक हिरासत बढ़ाने का

प्रज्ञान ओझा बने चीफ सेलेक्टर, रमेश पवार सीनियर पुरुष चयन समिति में शामिल

एजेंसी ■ नई दिल्ली



भारत के पूर्व ऑफ स्पिनर रमेश पवार को सीनियर पुरुष चयन समिति में शामिल किया गया है, जबकि पूर्व बाएं हाथ के स्पिनर प्रज्ञान ओझा को नया चीफ सेलेक्टर नियुक्त किया गया।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोमवार को बताया कि ओझा को उनकी वरिष्ठता के आधार पर चयन पैनल का अध्यक्ष बनाया गया है। पैनल के पांच सदस्यों में ओझा ने सर्वाधिक 24 टेस्ट मैच खेले हैं।

अब इस चयन समिति में प्रज्ञान ओझा, रमेश पवार, शिव सुंदर दास, आरपी सिंह और अजय रात्रा शामिल हैं।

पवार के नाम की सिफारिश

आजादी के बाद पहली बार रावघाट तक पहुंचेगी रेल : सीएम साय

संवाददाता ■ रायपुर



छत्तीसगढ़ के रेल इतिहास में 20 अक्टूबर का दिन एक ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में दर्ज होने जा रहा है। आजादी के बाद पहली बार रावघाट तक रेल पहुँचेगी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में ताड़ोकी - रावघाट रेल लाइन एवं अभनपुर - कुरूद ब्रॉडगेज रेल लाइन का उद्घाटन किया जाएगा। इस अवसर पर रावघाट - रायपुर एवं रायपुर - कुरूद नई यात्री रेल सेवाओं का शुभारंभ तथा रायपुर में इलेक्ट्रिक रेल इंजन मेंटेनेंस फैसिलिटी का शिलान्यास भी होगा। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम में शामिल होंगे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए कहा कि रावघाट तक रेल पहुँचना केवल रेल नेटवर्क का विस्तार नहीं, बल्कि बस्तर और दक्षिण छत्तीसगढ़ के दूरस्थ क्षेत्रों को विकास की नई संभावनाओं से जोड़ने वाला महत्वपूर्ण कदम है। इससे शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, व्यापार और आवागमन की सुविधाओं का विस्तार होगा तथा क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में रेल अधोसंरचना का अभूतपूर्व विस्तार हो रहा है। डबल इंजन सरकार का संकल्प है कि प्रदेश के दूरस्थ और जनजातीय अंचलों तक भी आधुनिक परिवहन सुविधाएँ पहुँचें और विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक सुनिश्चित हो।

रावघाट तक रेल - बस्तर के विकास को नई रफ्तार

दल्लीराझरा से रावघाट के मध्य लगभग 1,628 करोड़ रुपए की लागत से 95 किलोमीटर लंबी नई रेल लाइन का कार्य पूर्ण किया गया है। ताड़ोकी से रावघाट के बीच 17.5 किलोमीटर रेल लाइन का निर्माण पूरा होने के साथ ही यह महत्वपूर्ण परियोजना पूर्ण हो गई है।

फ्रांस में हिंसा के बीच कई शहरों में कर्फ्यू

एजेंसी ■ नई दिल्ली



फ्रांस में महंगाई, बढ़ते खर्च और स्कूलों की बदहाल स्थिति के खिलाफ शुरू हुए विरोध प्रदर्शनों के हिंसक रूप लेने के बाद सरकार ने सख्त कदम उठाने का फैसला किया है। रायटर्स के अनुसार, कई शहरों में तोड़फोड़ और लूटपाट के बाद प्रधानमंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नु ने स्थानीय प्रशासन को जरूरत के मुताबिक सीमित क्षेत्रों में कर्फ्यू लगाने का निर्देश दिया है। उन्होंने आपातकाल लागू करने की संभावना से भी इनकार नहीं किया है। उधर, तमाम यूनियनों ने पांच नवंबर को राष्ट्रीय हड़ताल का आह्वान कर दिया है। यूरोपीय सरकारों ने फ्रांस समेत छह देशों में यात्रा को लेकर सलाह जारी की है। भीड़ वाली जगहों से नागरिकों को बचने को कहा गया है। सरकार ने देशभर में करीब 60 हजार सुरक्षाकर्मी तैनात किए हैं। हिंसा के सिलसिले में 2400 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि करीब एक हजार पुलिसकर्मी और सुरक्षाकर्मी घायल हुए हैं। मार्सेय में विरोध प्रदर्शनों या जमावड़े पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। कई शहरों में सरकारी इमारतों और दुकानों को निशाना बनाया गया। रिपोर्टों के मुताबिक, करीब तीन हजार दुकानों को नुकसान पहुंचा है। पेरिस और मार्सेय में बड़े पैमाने पर लूटपाट की घटनाएं सामने आई हैं।

खबर झरोखा

ब्लास्ट के दोषी मोहम्मद तनवीर की फांसी की सजा पर 'सुप्रीम' रोक



नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 2008 के अहमदाबाद सीरियल बम धमाकों में भूमिका के लिए आतंकी संगठन इंडियन मुजाहिदीन आइएम) के एक सदस्य को सुनाई गई मौत की सजा पर रोक लगा दी है। इन धमाकों में 56 लोगों की मौत हुई थी। मामले को 12 सप्ताह बाद सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया है। जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और अपरेश कुमार सिंह की पीठ ने दोषी मोहम्मद तनवीर की याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति जताई।



बस्तर दशहरा के ऐतिहासिक मुरिया दरबार में शामिल होंगी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

जगदलपुर ■ अर्जुन कुमार झा



छत्तीसगढ़ का विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा के अंतर्गत 23 अक्टूबर को जगदलपुर के ऐतिहासिक सिरहासार भवन में आयोजित होने वाले पारंपरिक मुरिया दरबार में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शामिल होंगी। राष्ट्रपति की उपस्थिति बस्तर की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, सदियों पुरानी परंपराओं और सामाजिक विरासत के लिए ऐतिहासिक एवं गौरवपूर्ण अवसर होगी। मुरिया दरबार में राष्ट्रपति की सहभागिता से बस्तर की अनूठी सांस्कृतिक पहचान और पारंपरिक संवाद व्यवस्था को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलेगी।

उल्लेखनीय है कि बस्तर का मांझी दल और बस्तर पंडुम के विजेता राष्ट्रपति से मुलाकात करने राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली पहुंचे थे। इस दौरान मांझी दल के प्रतिनिधियों और बस्तर के युवाओं ने राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू को विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा एवं पारंपरिक मुरिया दरबार में शामिल होने का आत्मीय आमंत्रण दिया था। राष्ट्रपति ने न केवल इस आमंत्रण को सहर्ष स्वीकार किया, बल्कि बस्तर से पहुंचे अतिथियों का आत्मीय स्वागत करते हुए अपने हाथों से उन्हें भोजन भी परोसा था। इस आत्मीय मुलाकात के दौरान बस्तर के युवाओं ने राष्ट्रपति से कहा था कि जिस आत्मीयता और सम्मान के साथ आपने राष्ट्रपति भवन में हमारा स्वागत किया है, उसी तरह हम भी नक्सलवाद खत्म होने के बाद नए बस्तर की ओर से अपनी संस्कृति और परंपराओं के अनुरूप बस्तर में आपका स्वागत करेंगे। अब राष्ट्रपति का मुरिया दरबार में शामिल होना उस आत्मीय आमंत्रण के साकार होने का विशेष अवसर होगा।

बस्तर की पारंपरिक संवाद व्यवस्था का महत्वपूर्ण प्रतीक है मुरिया दरबार

विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा केवल धार्मिक आस्था का पर्व नहीं, बल्कि जनजातीय संस्कृति, सामाजिक एकता और लोक परंपराओं का अनूठा संगम है। इसी आयोजन का महत्वपूर्ण हिस्सा मुरिया दरबार बस्तर की सदियों पुरानी पारंपरिक संवाद व्यवस्था का प्रतीक है। इसमें मांझी-चालकी और पारंपरिक प्रतिनिधियों की सहभागिता बस्तर की विशिष्ट सामाजिक एवं सांस्कृतिक व्यवस्था को अभिव्यक्त करती है।

छत्तीसगढ़ नगर में रामसीता लक्ष्मण की निकलेगी झांकी, तत्पश्चात होगा रावण का दहन

विश्व केसरी■



रायपुर। छत्तीसगढ़ नगर दशहरा उत्सव समिति के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने बताया कि छत्तीसगढ़ दशहरा मैदान में इस बार विशाल रावण दहन और भव्य आतिशबाजी किया जाएगा जिसमें सबसे पहले शाम 4 बजे से मर्यादा पुरुषोत्तम रामचन्द्र सीता माता और लक्ष्मण ,हनुमान को घोड़े के बग्घी में बैठा कर राउत नाचा की टीम से साथ पूरा आस पास के नगर का भ्रमण कराया जाएगा जिसके स्वागत के लिए हर घर के सामने रंगोली और आरती उतार कर स्वागत कर आशीर्वाद लेंगे तत्पश्चात दशहरा मैदान में पूरी मंडली की टीम पहुंचने पर मंच में अहंकारी रावण का वध कैसे किया गया इसका मंचन ग्राम सोनपैरी के पुष्पांजलि मानस मंडली की टीम द्वारा किया जाएगा उसके बाद 45 फिट रावण,35 -35 फ़ीट कुंभकर्ण,मेघनाथ के विशाल पुतले का दहन आधुनिक इलेक्ट्रिक रिमोट कंट्रोल से किया जाएगा जिसमे गगन चुंबी शॉट फटाको का कलकत्ता के आतिशबाजी टीम द्वारा दर्शकों को देखने मिलेगा जिसमे झरना,जय राम,विशाल वृक्ष,पहाड़ जैसे आकृति के आतिशबाजी देखने को मिलेगी!!

रावण दहन के बाद छत्तीसगढ़ी लोक कला मंच भूपेन्द्र साहू कृत रंग सरोवर की प्रस्तुति किया जाएगा जिसमे छत्तीसगढ़ी परम्परा को बढ़ावा देते हुए नाटक और संगीत के माध्यम से पूरा बारहमासी गीत की प्रस्तुति किया जाएगा!!

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल,अध्यक्षता रायपुर लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक सुनील सोनी,प्रमोद दुबे,कुमार शंकर मेनन, सुशील सन्नी अग्रवाल,बद्री गुप्ता,निशा देवेंद्र यादव सहित गणमान्य जनों की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न होगा!

राज्यपाल डेका ने दी विजयादशमी पर्व की शुभकामनाएं



विश्व केसरी■

रायपुर। रमेन डेका ने विजयादशमी (दशहरा) पर्व के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने प्रदेश के सुख और समृद्धि की कामना करते हुए कहा है कि यह पर्व अन्याय पर न्याय और असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक है।

यह उत्सव हमें सीख देता है कि कठिनाइयों के बावजूद हमें अपने आदर्शों और मूल्यों के प्रति दृढ़ रहना चाहिए और समाज में सद्भाव, एकता और शांति के लिए अपना योगदान देना चाहिए। राज्यपाल डेका ने कहा कि जो लोग सत्य, सदाचार और अच्छाई के रास्ते पर चलते हैं, उनकी सदैव जीत होती है।

टायर फैक्ट्री में लगी आग, मची हड़कंप

विश्व केसरी■



रायपुर। राजधानी रायपुर के उरला औद्योगिक क्षेत्र में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब टायर फैक्ट्री में आग लग गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने में जूट गई।

टायर लीक होने से आग लगने की आशंका

दरअसल, उरला थाना इलाके में स्थित Porwal Tyre Products फैक्ट्री में यह आग लगी है। फैक्ट्री में मजदूर काम कर रहे थे। इसी वक्त फैक्ट्री में आग लग गई, जिससे अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की दो गाड़ी मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने में जूट गई। आशंका जताई जा रही कि प्रोसेसिंग के समय टायर लीक होने से यह आग लगी। फिलहाल जांच जारी है।

बताया जा रहा है कि उरला औद्योगिक क्षेत्र स्थित Porwal Tyre Products फैक्ट्री में दूसरी बार आग लगने की घटना सामने आई है। करीब चार माह पहले आग से दो श्रमिक बुरी तरह झुलसे थे। बार-बार आग लगने की घटना के बाद फैक्ट्री की सुरक्षा व्यवस्था और मजदूरों की जान पर खतरे को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

आरोप लगाए जा रहे हैं कि पहली घटना के बाद भी सुरक्षा व्यवस्था में सुधार को लेकर ठोस कदम नहीं उठाए गए। वहीं, संबंधित विभागों की जांच और निगरानी को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। अब सवाल यह है कि फैक्ट्री में आग लगने की घटनाएं बार-बार क्यों हो रही हैं? क्या यहां सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम हैं? संबंधित विभाग मामले की जांच कर जिम्मेदारी तय करेंगे या नहीं?

भाजपा प्रदेश कार्यालय में किया गया कन्या भोज का आयोजन

विश्व केसरी■



रायपुर। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर आज कन्या पूजन व भोज का आयोजन किया गया। महिला मोर्चा द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में नौ कन्याओं का विधिवत पूजन कर उन्हें भोज कराया गया और आशीर्वाद लिया गया।

इस अवसर पर भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने कन्या पूजन कर प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली के लिए प्रार्थना की।

सिंह ने कहा कि नवरात्रि शक्ति की उपासना का पर्व है और हमारी संस्कृति में कन्याओं को देवी स्वरूप माना गया है। कन्या पूजन हमारी सनातन परंपरा का अभिन्न अंग है।

कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश महामंत्री डॉ. नवीन मार्कण्डेय, राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा, प्रदेश कोषाध्यक्ष राम गर्ग, प्रदेश कार्यालय मंत्री अशोक बजाज, सह कार्यालय मंत्री प्रीतेश गांधी, महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष विभा अवस्थी, प्रदेश प्रवक्ता शताब्दी पांडे, डॉ. किरण बघेल, महिला मोर्चा की प्रदेश महामंत्री शीतल नायक, महापौर अंबिकापुर मंजूषा भगत, महिला आयोग अध्यक्ष ममता साहू, हेमलता चंद्राकर, मीरा पतकी संगीता शर्मा, पुष्पलता चौहान , मिली बैनर्जी, तिलेश्वरी धुरंधर, विद्या पांडेय, वंदना राठौड़, नीतू सिंह, प्रीति परगनिया, शीलू साहू, नीतू कोठारी सहित बड़ी संख्या में महिला मोर्चा की पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहीं।

यंग इंडियंस रायपुर के दिव्योत्सव 4.0 में दिखी दिव्यांग बच्चों की प्रतिभा, आत्मविश्वास और स्वावलंबन की झलक

विश्व केसरी■



रायपुर। छत्तीसगढ़ यंग इंडियंस (Young Indians) रायपुर चैप्टर के एक्सेसिबिलिटी एवं सुगमता वर्टिकल द्वारा आयोजित दिव्योत्सव 4.0 समावेशिता, प्रतिभा और आत्मविश्वास का उत्सव बनकर सामने आया। कार्यक्रम का उद्देश्य विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए मंच प्रदान करना, उन्हें समान अवसर दिलाना और उनकी प्रतिभा को पूरे शहर में पहचान दिलाना है।

यंग इंडियंस रायपुर के चेयर पंकज सोमानी ने बताया कि दिव्योत्सव का यह चौथा संस्करण है। इस पहल के माध्यम से रायपुर के विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने, उन्हें हर क्षेत्र में समान अवसर एवं सम्मान दिलाने और उनकी क्षमताओं को पहचान दिलाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चे को अपनी प्रतिभा दिखाने और आगे बढ़ने का समान अवसर मिलना चाहिए।

कार्यक्रम में रायपुर के कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने यंग इंडियंस की पहल की सराहना करते हुए दिव्यांगजनों के सशक्तीकरण और सुगम्यता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने सरकारी योजनाओं, उपलब्ध सुविधाओं और दिव्यांगजनों के लिए जिला प्रशासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी भी साझा की।

प्रतिभा, रचनात्मकता और आत्मनिर्भरता का मंच

दिव्योत्सव 4.0 में 350 से अधिक बच्चों ने विभिन्न गतिविधियों, खेलों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और रैंप वॉक में भाग लिया। कोपलवानी गवर्नमेंट ब्लाइंड स्कूल, अर्पण दिव्यांग स्कूल, प्रेरणा ब्लाइंड स्कूल और आकांक्षा स्कूल सहित विभिन्न संस्थानों के बच्चों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम में बच्चों द्वारा बनाए गए हस्तनिर्मित उत्पादों के स्टॉल भी लगाए गए, जिससे उन्हें अपनी रचनात्मकता प्रदर्शित करने के साथ-साथ उद्यमिता और आर्थिक स्वावलंबन की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर मिला।

इलेक्ट्रिक कन्वर्टिबल व्हीलचेयर का वितरण

कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण पांच दिव्यांगजनों को इलेक्ट्रिक कन्वर्टिबल व्हीलचेयर प्रदान करना रहा। मुख्य अतिथि डॉ. गौरव कुमार सिंह ने महेश्वर पटले, कुलदीप मिंज, आनंद कुमार साहू, पिंटू राम साहू और विभीषण कुमार निषाद को व्हीलचेयर प्रदान कीं। यह पहल उनकी गतिशीलता, स्वतंत्रता और दैनिक जीवन को अधिक सुगम बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

रायपुर मंडल ने किया सांस्कृतिक प्रतियोगिता ' गंग - तरंग 2.0 ' का आयोजन



विश्व केसरी■

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर मंडल द्वारा रेलवे कर्मचारी एवं उनके आश्रितों की सांस्कृतिक प्रतिभाओं को निखारने के उद्देष्य से अंतरा मंडल सांस्कृतिक प्रतियोगिता 'गंग - तरंग 2.0' के अंर्तगत शास्त्रीय नृत्य, लोक नृत्य, फिल्मी नृत्य, लोक गायन, सुगम गायन, फिल्मी गायन प्रतियोगिता का आयोजन रेलवे इंस्टिट्यूट खारून रेल विहार, रेलवे कॉलोनी रायपुर तथा चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन सामूदायिक भवन डबल्यु आर.एस. कॉलोनी रायपुर में किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप मे जगराम मीना मुख्य लॉ अधिकारी, रायपुर उपस्थित थे। कार्यक्रम का प्रारंभ अतिथियों के स्वागत एवं सम्मान के साथ माँ सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन कर किया गया। अपने संबोधन मे मुख्य अतिथि महोदय ने सभी रेल कर्मचारियों एवं उनके आश्रितों को इस अवसर का भरपूर लाभ उठाने हेतु प्रेरित कर सभी प्रतियोगियों को अपनी शुभकामनांए दी। विभिन्न विधाओं की प्रतियोगिताओं मे कुल 85 कलाकारों ने अपनी भागीदारी दी। जहाँ एक ओर शास्त्रीय नृत्य, लोक नृत्य, फिल्मी नृत्य, के कलाकारों ने अपनी प्रतिभाओं से सभी को अतयंत मोहित किया तथा वही दूसरी ओर लोक गायन, सुगम गायन, फिल्मी गायन की प्रतियोगिता मे कलाकारो की गायिकी ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों को और अधिक रोचक बना दिया तथा चित्रकला प्रतियोगिता मे कलाकारों ने अपने मन के भाव को कागज़ पर बहुत ही खूबसूरती से उकेरा।

समापन समारोह मे उक्त प्रतियोगिता मे प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले कलाकारों को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया गया साथ ही सभी प्रतियोगियों को भी प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। उपरोक्त प्रतियोगिता के सफल संचालन एवं मार्गदर्शन में राहुल गर्ग, वरि.मंडल कार्मिक अधिकारी , रायपुर की महत्तवपूर्ण भूमिका रही।

भिलाई स्टील प्लांट के निजीकरण का कांग्रेस फैला रही भ्रम, कर्मचारियों को डरने की जरूरत नहीं : भाजपा



विश्व केसरी■

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी की राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा ने सोमवार को राजधानी रायपुर स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय (कुशाभाऊ ठाकरे परिसर) में एक पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते हुए कांग्रेस पार्टी और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर तीखा हमला बोला। वर्मा ने कहा कि कांग्रेस लगातार हार के डर और हताशा के चलते पहले संवैधानिक संस्थाओं और अब देश के प्रमुख आर्थिक संस्थानों पर अनर्गल आरोप लगाकर भ्रम फैलाने का काम कर रही है।

भाजपा सांसद वर्मा ने स्पष्ट किया कि स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड और भिलाई इस्पात संयंत्र के निजीकरण की केंद्र सरकार की कोई नीति या मंशा नहीं है। सेल प्रबंधन की ओर से भी इस बात का स्पष्टीकरण आ चुका है। बीएसपी कर्मचारियों और उनके परिवारों को आश्वस्त करते हुए वर्मा ने कहा कि वे किसी भी तरह के भ्रम या भय में न आएँ। बीएसपी छत्तीसगढ़ का गौरव और पहचान है तथा मिनी भारत का स्वरूप प्रस्तुत करता है। कर्मचारियों के हितों और उनकी सुविधाओं के साथ कोई समझौता नहीं होगा।

भाजपा सांसद वर्मा ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा सोशल मीडिया व बयानों के जरिए बीएसपी को लेकर उठाए गए सवालों पर पलटवार करते हुए कहा कि भिलाई में आगामी नगरीय निकाय चुनाव को देखते हुए कांग्रेस यह भ्रामक दुष्प्रचार कर रही है।

गरबा महोत्सव हमारी समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा और मातृशक्ति के सम्मान का प्रतीक : सीएम साय

विश्व केसरी■



रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय राजधानी रायपुर में आयोजित विभिन्न गरबा महोत्सवों और दुर्गा पूजा आयोजनों में शामिल हुए। उन्होंने प्रदेशवासियों को शारदीय नवरात्रि की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए मां आदिशक्ति से छत्तीसगढ़ की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि नवरात्रि शक्ति स्वरूपा मां दुर्गा की आराधना का महापर्व होने के साथ हमारी समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं, सामाजिक एकता और मातृशक्ति के सम्मान का उत्सव भी है। गरबा और दुर्गा पूजा जैसे आयोजन हमारी आस्था और परंपराओं को जीवंत रखते हुए समाज को प्रेम, सद्भाव और भाईचारे के सूत्र में जोड़ते हैं।

मुख्यमंत्री साय ने माना बाजार सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति तथा सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति द्वारा स्थापित दुर्गा पूजा पंडालों में पहुंचकर मां दुर्गा के दर्शन और पूजा-अर्चना की। उन्होंने मां के चरणों में शीश नवाकर प्रदेशवासियों के कल्याण और छत्तीसगढ़ की निरंतर प्रगति का आशीर्वाद मांगा।

इसके पश्चात मुख्यमंत्री साय हुकुम ललित महल में पूज्य छत्तीसगढ़ सिंधी पंचायत युवा विंग द्वारा आयोजित 'रास गरबा विथ भजन डांडिया', रामबाग में आयोजित रास गरबा, पचपेड़ी नाका स्थित राम मंगलम लॉन में दशा सोरठिया वाणिक समाज द्वारा आयोजित 'सोरठी रंग रंगीलो' नवरात्रि उत्सव तथा शंकर नगर स्थित बीटीआई मैदान में नवरात्रि एवं रास गरबा उत्सव समिति द्वारा आयोजित 'संकल्प गरबा' में शामिल हुए। विभिन्न आयोजनों में समाजजनों और श्रद्धालुओं ने मुख्यमंत्री साय का आत्मीय स्वागत किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नवरात्रि के पावन अवसर पर आज पूरे देश और छत्तीसगढ़ में भक्ति, आस्था और उल्लास का वातावरण है। गरबा मां दुर्गा के प्रति श्रद्धा और भक्ति को अभिव्यक्त करने का सुंदर माध्यम है। गुजरात की सांस्कृतिक परंपरा से निकला गरबा आज पूरे देश में लोकप्रिय होकर हमारी सांस्कृतिक एकता का भी प्रतीक बन गया है। उन्होंने कहा कि भारत की विशेषता उसकी विविधता में निहित एकता है। हमारे पर्व और उत्सव अलग-अलग समाजों, समुदायों और पीढ़ियों को एक साथ जोड़ते हैं तथा अपनी जड़ों और संस्कृति से जुड़े रहने की प्रेरणा देते हैं।

नवरात्रि मातृशक्ति के सम्मान और सामर्थ्य का पर्व

मुख्यमंत्री साय ने गरबा आयोजनों में बड़ी संख्या में उपस्थित माताओं, बहनों और बेटियों का अभिनंदन करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में नारी को सदैव शक्ति का स्वरूप माना गया है। नवरात्रि हमें मातृशक्ति के सम्मान, उनकी गरिमा और समाज निर्माण में उनके अमूल्य योगदान का स्मरण कराती है।

स्वदेशी तकनीक का 'स्वावलंबन' समुद्र में बढ़ाएगा नौसेना की ताकत

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना के लिए 3,500 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं की आवश्यकता को (एओएन) मंजूरी दी जा चुकी है। यह नवाचार पहल के तहत हुआ है। इसके अंतर्गत भारतीय नवप्रवर्तकों से 4,000 से अधिक प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इस प्रक्रिया में करीब 150 सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों और नवउद्यमों की भागीदारी रही है। सोमवार को नौसेना उप-प्रमुख, वाइस एडमिरल अजय कोचर ने यह जानकारी दी।



उन्होंने बताया कि 3,500 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की परियोजनाओं की आवश्यकता को स्वीकृति दी गई है। वहीं 1,900 करोड़ रुपए से अधिक के अनुबंध किए जा चुके हैं। दरअसल भारतीय नौसेना अपनी युद्धक क्षमता को मजबूत बनाने और देश में विकसित अत्याधुनिक तकनीकों को समुद्र में इस्तेमाल करने की दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रही है।

इसके तहत नौसेना का प्रमुख नवाचार और स्वदेशीकरण सम्मेलन 'स्वावलंबन 2026' का आयोजन 26 और 27 अक्टूबर को नई दिल्ली स्थित मानेकशॉ सेंटर में होगा। इस दो दिवसीय आयोजन में नौसेना, रक्षा उद्योग, स्टार्टअप, शिक्षण संस्थानों, शोधकर्ताओं और निवेशकों को एक मंच पर आने का अवसर मिलेगा।

नौसेना उप प्रमुख ने बताया कि सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य भारतीय प्रतिभाओं और देश में विकसित तकनीकों को नौसेना की वास्तविक परिचालन जरूरतों से जोड़ना है। इसके जरिए ऐसे स्वदेशी समाधान विकसित करने पर जोर दिया जाएगा, जिन्हें केवल प्रयोगशालाओं और परीक्षण केंद्रों तक सीमित रखने के बजाय समुद्र में तैनात किया जा सके।

नौसेना ने स्पष्ट किया कि बदलती युद्ध तकनीकों के दौर में केवल नई तकनीक विकसित करना पर्याप्त नहीं है। जरूरी यह भी है कि उसे तेजी से परखा जाए, नौसेना की जरूरतों के अनुरूप तैयार किया जाए और कम समय में इस्तेमाल के योग्य बनाया जाए।

स्वावलंबन सम्मेलन का दायरा पिछले कुछ वर्षों में लगातार बढ़ा है। इस वर्ष सम्मेलन में 100 से अधिक प्रदर्शनी स्टॉल लगाए जाने की उम्मीद है। इस बढ़ती भागीदारी को भारत के रक्षा नवाचार क्षेत्र में बढ़ती रुचि के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

एससीओ शासनाध्यक्षों की बैठक के लिए दुशांबे पहुंचे राजनाथ सिंह

विश्व केसरी



नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सोमवार की शाम को ताजिकिस्तान की राजधानी दुशांबे पहुंच गए हैं। वह दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर ताजिकिस्तान गए हैं। इस दौरान वह शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की शासनाध्यक्ष परिषद की बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन व रक्षा मंत्री की यात्रा का मुख्य उद्देश्य क्षेत्रीय सहयोग को मजबूती प्रदान करना है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह यहां एससीओ के सदस्य देशों के बीच आपसी संबंधों को आगे बढ़ाने से जुड़े मुद्दों पर भारत का पक्ष रखेंगे। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, 19 और 20 अक्टूबर को हो रही इस बैठक में सदस्य देशों के बीच व्यापार, अर्थव्यवस्था, निवेश, संपर्क व्यवस्था, नवाचार और सांस्कृतिक एवं मानवीय आदान-प्रदान को बढ़ावा देने पर संवाद किया जा रहा है। इसके साथ ही, संगठन के भीतर चल रही सहयोग संबंधी पहलों की प्रगति की समीक्षा की भी जाएगी। संगठन की वित्तीय व्यवस्था और संस्थागत कामकाज से जुड़े विषय भी बैठक के एजेंडे में शामिल हैं।

भारत एससीओ के विभिन्न मंचों पर सक्रिय भूमिका निभाता रहा है। स्टार्टअप, नवाचार, डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने जैसी पहलों के जरिए भारत क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत करने में लगातार योगदान दे रहा है। दुशांबे में हो रही यह बैठक भारत को अन्य सदस्य देशों के साथ विचारों के आदान-प्रदान और व्यावहारिक सहयोग को आगे बढ़ाने का अवसर माना जा रहा है। इससे साझा हितों के मुद्दों पर आपसी समझ बढ़ाने और क्षेत्रीय साझेदारी को मजबूत करने में मदद मिलने की उम्मीद है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सोमवार सुबह ही नई दिल्ली से ताजिकिस्तान की राजधानी दुशांबे के लिए रवाना हुए थे।

केन्या में इबोला का प्रकोप: भारत ने मेडिकल सामग्री की दूसरी खेप सौंपी

विश्व केसरी



नैरोबी। भारत ने इबोला का प्रकोप झेल रहे केन्या की तरफ मदद का हाथ बढ़ाया है। सोमवार को देश ने 11 टन मेडिकल सामग्री की दूसरी खेप उन्हें सौंपी।

केन्या में भारत के उच्चायुक्त, आदर्श स्वैका ने केन्या के सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग की प्रधान सचिव, मैरी मुथोनी मुरियुकी को चिकित्सा सहायता की दूसरी खेप सौंपी।

विदेश मंत्रालय (एमईए) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट में कहा, 'इबोला से निपटने की तैयारियों और प्रतिक्रिया को मजबूत करने के लिए, भारत ने केन्या को 11 टन चिकित्सा सहायता की दूसरी खेप सौंपी है।'

11 टन की इस खेप में पीपीई किट, पावर्ड एयर-प्यूरिफाइंग रेस्पिरेटर, बायोसेफ्टी कैबिनेट और कोल्ड-चेन रेफ्रिजरेटर शामिल हैं। इनका उद्देश्य फ्रंटलाइन स्वास्थ्य कर्मियों को प्रकोप से सुरक्षा प्रदान करना, प्रयोगशाला की सुरक्षा को मजबूत करना और सार्वजनिक स्वास्थ्य क्षमता को बढ़ाना है। केन्या में भारतीय उच्चायोग ने इबोला को नियंत्रित करने के प्रयासों में भारत की ओर से हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया है। केन्या में भारतीय उच्चायोग ने एक्स पर कहा, 'इस साल जुलाई में पहुंचाई मदद के बाद, उच्चायुक्त ने सोमवार को केन्या के सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग की प्रधान सचिव मैरी मुथोनी मुरियुकी को चिकित्सा सहायता की दूसरी खेप सौंपी, ताकि इबोला से निपटने की तैयारियों और उससे बचाव में मदद मिल सके। इसमें आगे कहा गया, '11 टन की इस खेप में पीपीई किट, पावर्ड एयर-प्यूरिफाइंग रेस्पिरेटर, बायोसेफ्टी कैबिनेट और कोल्ड-चेन रेफ्रिजरेटर शामिल हैं।

न्यूजीलैंड के निर्माण क्षेत्र में अब इस्तेमाल होंगी 'मेड इन इंडिया' जेसीबी मशीन : पीयूष गोयल

विश्व केसरी



नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) मंगलवार से लागू होने के साथ ही न्यूजीलैंड अब 'मेड इन इंडिया' जेसीबी मशीन से निर्माण कार्य करेगा।

केंद्रीय मंत्री ने महाराष्ट्र के पुणे में निर्मित जेसीबी मशीन की न्यूजीलैंड के लिए पहली निर्यात खेप को रवाना किया।

गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'भारत-न्यूजीलैंड एफटीए हमारे विनिर्माण क्षेत्र के लिए नए अवसर खोल रहा है। उन्होंने कहा, 'कल विजयादशमी के शुभ अवसर पर भारत और न्यूजीलैंड अपनी आर्थिक साझेदारी में एक नए अध्याय की शुरुआत करेंगे, क्योंकि एफटीए लागू हो जाएगा। यह वास्तव में दोनों देशों की 'विजय' है! न्यूजीलैंड में भारत के 100 प्रतिशत निर्यात को शुल्क-मुक्त पहुंच मिलने से यह एफटीए एमएसएमई, किसानों, महिलाओं, युवाओं और श्रम-प्रधान क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण अवसर खोलेगा।

गोयल ने कहा, 'यह समझौता भारत के मूल हितों की रक्षा करते हुए हमारे पेशेवरों के लिए भी नए रास्ते खोलता है। हमारे किसानों को फलों, सब्जियों, मसालों और अन्य कृषि उत्पादों के लिए व्यापक बाजार पहुंच मिलेगी। इसके साथ ही उत्पादकता बढ़ाने, आय में वृद्धि को समर्थन देने और आजीविका को मजबूत करने के लिए सहयोग भी किया जाएगा। डेयरी सहित संवेदनशील क्षेत्रों को संरक्षण दिया गया है, जिससे किसानों का कल्याण हमारी नीतियों के केंद्र में बना रहेगा। भारत में 20 अरब डॉलर के निवेश को सुगम बनाने की न्यूजीलैंड की प्रतिबद्धता में विनिर्माण, बुनियादी ढांचे, सेवा क्षेत्र और नवाचार को मजबूत करने की अपार संभावनाएं हैं। इससे उद्यमों और रोजगार को बढ़ावा मिलेगा।

भारतीय व्यापार संवर्धन परिषद (टीपीसीआई) के अनुसार, भारत-न्यूजीलैंड एफटीए भारतीय व्यापार नीति के लिए एक बड़ा बदलाव लाने वाला महत्वपूर्ण पड़ाव है।

उद्योग संगठन ने कहा कि सभी उत्पाद श्रेणियों में तत्काल 100 प्रतिशत शून्य-शुल्क पहुंच हासिल होने से भारतीय निर्यातकों, विशेषकर खाद्य प्रसंस्करण, कपड़ा और हल्के इंजीनियरिंग क्षेत्रों को ओशिनिया क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त मिलेगी।

पैरों में होता है सुई चुभने जैसा एहसास, कहीं ये हाई शुगर की वजह से तो नहीं?

विश्व केसरी



नई दिल्ली। डायबिटीज में पैरों की झनझनाहट अक्सर डायबिटिक न्यूरोपैथी के कारण होती है। लंबे समय तक बढ़ा हुआ ब्लड शुगर लेवल नसों को नुकसान पहुंचाता है। इसके कारण आपको पैरों में जलन, सुन्नपन और दर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं। शुगर कंट्रोल करना, नियमित जांच और पैरों की देखभाल डायबिटीज के मरीजों के लिए बहुत जरूरी है।

डायबिटीज की समस्या दुनियाभर में तेजी से बढ़ती हुई देखी जा रही है। बड़ी संख्या में लोग इसका शिकार देखे जा रहे हैं। आंकड़ों पर गौर करें तो पता चलता है कि दुनियाभर में 20 से 79 वर्ष की आयु के लगभग 58.9 करोड़ वयस्क मधुमेह के साथ जी रहे हैं। लगातार बढ़ी रहने वाली ब्लड शुगर की स्थिति धीरे-धीरे हार्ट, किडनी और आंखों सहित नसों को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाने वाली हो सकती है।

डायबिटीज के कई मरीजों को पैरों में झनझनाहट, जलन, सुन्नपन या सुई चुभने जैसा एहसास होता रहता है। क्या आप भी इस समस्या के शिकार हैं? इस समस्या को डायबिटिक पेरिफेरल न्यूरोपैथी कहा जाता है।

हालांकि, पैरों में झनझनाहट होने का कारण हमेशा डायबिटीज नहीं होता। कई अन्य स्थितियां और विटामिन्स की कमी के कारण भी लोगों को ये दिक्कत हो सकती है।

डायबिटीज में पैरों में झनझनाहट क्यों होती है?

डायबिटिक न्यूरोपैथी की समस्या डायबिटीज के मरीजों में पैरों में झनझनाहट का खतरा बढ़ाने वाली हो सकती है। लंबे समय तक ब्लड शुगर बढ़ा रहने से नसों को नुकसान पहुंच सकता है। इससे नसें सही तरीके से संकेत नहीं भेज पातीं और पैरों में जलन, दर्द या झनझनाहट महसूस होने लगती है।

इसके अलावा, हाई ब्लड प्रेशर, हाई कोलेस्ट्रॉल और धूम्रपान से भी नसों को नुकसान पहुंचता है, जिसके कारण दर्द, झनझनाहट और जलन जैसी समस्याएं होती हैं।

कुछ मरीजों में विटामिन बी12 की कमी भी इसकी वजह बनती है।

विरोध प्रदर्शनों और रैलियों के बीच इटली में भारतीय नागरिकों को सावधानी बरतने की सलाह

विश्व केसरी



रोम। इटली में भारतीय दूतावास ने सोमवार को देश में मौजूद भारतीय नागरिकों के लिए एक एडवाइजरी जारी की है। एडवाइजरी में नागरिकों से चल रहे विरोध प्रदर्शनों और रैलियों के बीच सावधानी बरतने और भीड़भाड़ वाले इलाकों से बचने का आग्रह किया गया।

दूतावास ने कहा कि पिछले सप्ताह इटली के कुछ शहरों में विरोध प्रदर्शन और रैलियां हुईं। हम भारतीय नागरिकों को सावधानी बरतने, भीड़भाड़ वाले इलाकों और उन स्थानों से बचने की सलाह देते हैं जहां प्रदर्शन हो रहे हैं और ऐसी घटनाओं के बारे में स्थानीय समाचारों का अनुसरण करने की सलाह देते हैं।

इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने रविवार को कहा कि कानून प्रवर्तन बलों को उन अपराधियों की हिंसा का सामना करना पड़ रहा है जो संगठित समूहों के माध्यम से प्रदर्शनों का फायदा उठा रहे हैं।

मेलोनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि एक बार फिर, कानून प्रवर्तन बलों के महिला और पुरुष कर्मियों को अपराधियों की हिंसा का सामना करना पड़ा है।

उन्होंने आगे कहा कि मैं उन सभी के प्रति पूरी एकजुटता और हार्दिक आभार व्यक्त करती हूं। क्योंकि वे नागरिकों, श्रमिकों, व्यापारियों और उन सभी लोगों की सुरक्षा के लिए वहां मौजूद थे, जिन्हें बिना किसी डर के अपने शहर में रहने और उसे गुंडों के गिरोहों द्वारा बर्बाद या जलाए जाने से बचाने का अधिकार है। हम आपके साथ हैं।

शनिवार को मेलोनी ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वाले प्रदर्शनकारियों के प्रति सम्मान व्यक्त किया और विपक्ष से हिंसा की घटनाओं की निंदा करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि आज शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वाले हजारों लोगों के प्रति मेरे मन में गहरा सम्मान है, जिनमें सीजीआईएल द्वारा बुलाए गए आंदोलन में भाग लेने वाले लोग भी शामिल हैं, जिसमें वामपंथी नेताओं ने भी हिस्सा लिया। प्रदर्शन चाहे किसी भी विचारधारा के लिए किया जाए, भागीदारी किसी भी स्वस्थ लोकतंत्र की नींव है।

तेलंगाना में बढ़ती मांग के बीच सरकारी दफ्तरों को बिजली बचाने के निर्देश, अल नीनो के प्रभाव से सरकार सतर्क

विश्व केसरी



हैदराबाद। तेलंगाना में बिजली की बढ़ती मांग और अल नीनो के प्रभाव से उत्पादन में आई कमी को देखते हुए राज्य सरकार ने सरकारी कार्यालयों से बिजली का किफायती उपयोग करने को कहा है।

मुख्य सचिव संजय जाजू ने सोमवार को बताया कि सभी सरकारी कार्यालयों को निर्देश जारी किए गए हैं कि दिन के समय एयर कंडीशनर (एसी) को केवल आवश्यकता पड़ने पर ही 25 डिग्री सेल्सियस के तापमान पर चलाया जाए, जबकि शाम 6 बजे के बाद इनका उपयोग काफी कम कर दिया जाए। उन्होंने कहा कि हालांकि राज्य में बिजली उत्पादन संतोषजनक नहीं रहा है, फिर भी सरकार कृषि और घरेलू जरूरतों के लिए बिजली की आपूर्ति जारी रखे हुए है। राज्य में उद्योगों पर बिजली कटौती लागू नहीं की जा रही है और औद्योगिक प्रबंधन को बिजली आपूर्ति के बारे में चिंता करने की आवश्यकता नहीं है।

उन्होंने अधिकारियों को राज्य के सभी ताप विद्युत केंद्रों में अधिकतम बिजली उत्पादन सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक उपाय करने का निर्देश दिया। उन्होंने यदाद्री ताप विद्युत केंद्र में विशेष रूप से तैनात पांच विशेष अधिकारियों को भी निर्देश दिया कि वे संयंत्र में बिजली उत्पादन को अधिकतम करने के लिए समर्पित उपाय करें।

मुख्य सचिव ने अधिकारियों को अल नीनो के प्रभावों के कारण पेयजल और बिजली की कमी को रोकने के लिए सूक्ष्म स्तर की आपातकालीन योजनाएं तैयार करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने सरकार द्वारा पूर्व जिलों में स्थिति की निगरानी के लिए नियुक्त वरिष्ठ अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस की और अल नीनो के मद्देनजर मौजूदा स्थितियों की समीक्षा की।

बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने बताया कि राज्य सरकार ने अल नीनो के कारण उत्पन्न होने वाली गंभीर परिस्थितियों से निपटने के लिए विभागवार आपातकालीन योजनाएं तैयार कर ली हैं और समय-समय पर उचित निर्देश जारी कर रही है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जमीनी स्तर पर भी इसी तरह की योजनाएं तैयार की जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि अल नीनो के प्रभाव को समझाने के लिए जल्द ही एक सर्वदलीय बैठक आयोजित की जाएगी। कैबिनेट उप-समिति की बैठक भी शीघ्र ही बुलाई जाएगी।

मणिपुर में अलग-अलग घटनाओं में तीन की मौत, कई घायल

विश्व केसरी



इंफाल। मणिपुर के इंफाल पूर्व और थौबल जिलों में अलग-अलग घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई, कई अन्य घायल हो गए और तीन लापता बताए जा रहे हैं।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि सोमवार को इंफाल पूर्व में लकड़ी इकट्ठा करने वालों के एक समूह पर अज्ञात आतंकवादियों ने गोलीबारी की, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। पुलिस अधिकारी के अनुसार, लगभग 10 लोग सुबह नोंगशम के पास पहाड़ी वन क्षेत्रों में लकड़ी इकट्ठा करने गए थे। जब वे लकड़ी इकट्ठा कर रहे थे, तभी संदिग्ध आतंकवादियों ने उन पर घात लगाकर हमला कर दिया, जिसमें दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए।

घटना के बाद से तीन और लोग लापता हैं।

पीड़ितों के शवों को निकालने के प्रयास जारी हैं। अतिरिक्त सुरक्षा बल इलाकों में पहुंच गए हैं और लापता लोगों का पता लगाने और हमलावरों को पकड़ने के लिए एक व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया है। एक अलग घटना में, थौबल जिले में दो समुदायों के सदस्यों के बीच हुई झड़पों में एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए, जिसके चलते अधिकारियों को दो प्रभावित क्षेत्रों में निषेधाज्ञा लागू करनी पड़ी।

इम्फाल के एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि रविवार रात को इम्फाल से लगभग 25 किलोमीटर दक्षिण में स्थित थौबल पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आने वाले खंगाबोक गांव में हिंसा भड़क उठी, जब कुछ लोगों ने कथित तौर पर उस मैदान पर पत्थर फेंके जहां एक संगीत कार्यक्रम चल रहा था।

संपादकीय

राष्ट्र सेवा के संकल्प के साथ संघ की शताब्दी यात्रा



आचार्य ललित मुनि

किसी भी राष्ट्र के जीवन में एक सदी का कालखंड केवल समय का एक पड़ाव नहीं होता, बल्कि वह उस समाज के सामूहिक संस्कारों, वैचारिक दृढ़ता और निरंतर तपस्या का जीवंत दस्तावेज होता है। वर्ष 1925 की विजयादशमी के पावन दिन नागपुर की धरती पर डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा बोया गया बीज आज सौ वर्षों की लंबी और देदीप्यमान यात्रा पूरी कर चुका है। आज राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) अपनी स्थापना के सौ वर्ष पूरे कर चुका है। यह यात्रा केवल एक संगठन के विस्तार की कहानी नहीं है, बल्कि यह एक ऐसे सांस्कृतिक संकल्प का इतिहास है जिसने करोड़ों दिलों में 'राष्ट्र प्रथम' की भावना को प्रज्वलित किया है।

जब संघ की स्थापना हुई थी, तब देश विदेशी शासन की परतंत्रता की जंजीरों में जकड़ा हुआ था और समाज विभिन्न कुप्रथाओं, जातियों और संकीर्णताओं में बंटा हुआ था। ऐसे नाज़ुक दौर में डॉ. हेडगेवार ने यह गहराई से महसूस किया कि केवल राजनीतिक स्वतंत्रता से समाज की वास्तविक मुक्ति संभव नहीं है। जब तक देश का नागरिक मानसिक रूप से सशक्त, अनुशासित और राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत नहीं होगा, तब तक स्वतंत्रता सुरक्षित नहीं रह सकती।

यहीं से 'व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण' का वह मौलिक विचार जन्मा, जिसने संघ की पूरी कार्यपद्धति को गढ़ा। नागपुर की एक छोटी सी शाखा से शुरू हुआ यह सफर आज दुनिया के सबसे बड़ा सांस्कृतिक और सामाजिक संगठन बन चुका है। शाखा का वह मैदान कोई साधारण खेल का मैदान नहीं, बल्कि एक ऐसी प्रयोगशाला है जहाँ 'मैं से हम' की यात्रा तय होती है। वहाँ न कोई छोटा होता है, न बड़ा; सब भगवा ध्वज के समक्ष समान भाव से खड़े होकर देश के लिए समर्पण का संकल्प लेते हैं।

संघ की सौ साल की यह यात्रा इस बात की साक्षी है कि जब भी देश पर कोई प्राकृतिक आपदा या राष्ट्रीय संकट आया, स्वयंसेवक सबसे पहले कतार में खड़े मिले। चाहे बाढ़, सूखा, भूकंप जैसी महाविपत्तियां हों या देश के विभाजन का वह दर्दनाक और खौफनाक दौर, स्वयंसेवकों ने बिना किसी स्वार्थ या प्रचार की इच्छा के राहत और बचाव कार्य में अपनी पूरी ताकत झोंक दी।

इतिहास के पन्नों में यह बात दर्ज है कि आपातकाल के काले दिनों में लोकतंत्र की रक्षा के लिए जिन्होंने सबसे कड़ा संघर्ष किया, उनमें भी संघ के स्वयंसेवक अग्रणी रहे। इसके अलावा, सामाजिक सद्भाव और मानवीय संवेदनाओं का परिचय देते हुए कठिन परिस्थितियों में हर पीड़ित के आंसू पोछने का काम संघ की कार्यसंस्कृति का अहम हिस्सा रहा है। यह सेवा भाव किसी दिखावे के लिए नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति के उस मूल मंत्र पर आधारित है जो 'वसुधैव कुटुंबकम्' और 'नरा: नारायण:' की सीख देता है।

जब संघ ने अपनी यात्रा के सौ वर्ष पूरे किए, तो यह केवल उत्सव मनाने का समय नहीं था, बल्कि भविष्य के भारत की रूपरेखा तय करने का अवसर था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस ऐतिहासिक अवसर पर संघ के शताब्दी समारोहों से जुड़ते हुए इसके राष्ट्रव्यापी योगदान को न केवल सराहा, बल्कि सौ साल के इस सफर को अनुशासन और राष्ट्रसेवा की मिसाल बताया। इस अवसर पर देश भर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन हुआ और समाज को जोड़ने के नए आयाम रचे गए।

शताब्दी के इस पड़ाव पर संघ ने समाज के सामने कुछ ऐसे महत्वपूर्ण लक्ष्य रखे हैं जिन्हें 'पंच परिवर्तन' कहा गया है:

1-सामाजिक समरसता: समाज से छुआछूत, ऊंच-नीच और वैमनस्य को पूरी तरह मिटाकर एक समतावादी और एकजुट समाज की स्थापना करना।

2-कुटुंब प्रबोधन: आज के आधुनिक और यंत्रवत दौर में टूटते जा रहे पारिवारिक मूल्यों को बचाना, बच्चों में संस्कार सींचना और परिवार को एक मजबूत भावनात्मक केंद्र बनाना।

3-पर्यावरण संरक्षण: प्रकृति के दोहन के बजाय उसका संवर्धन करना, जल संरक्षण, पौधे लगाना और प्लास्टिक मुक्त जीवनशैली अपनाना ताकि आने वाली पीढ़ियों को एक स्वस्थ धरती मिल सके।

4-स्वदेशी आचरण: अपनी स्थानीय कलाओं, उत्पादों और कारीगरों का सम्मान करते हुए आर्थिक स्वावलंबन की ओर बढ़ना।

5-नागरिक कर्तव्य: अधिकारों की मांग के साथ-साथ देश के प्रति अपने कर्तव्यों का निष्ठा से पालन करना, जैसे यातायात नियमों का पालन, स्वच्छता और देश के कानूनों का सम्मान।

आज भारत एक स्वतंत्र राष्ट्र है, लेकिन वैचारिक रूप से अभी भी कई मायनों में औपनिवेशिक मानसिकता की जंजीरें पूरी तरह टूटी नहीं हैं। संघ का शताब्दी वर्ष इस बात पर विशेष जोर देता है कि हमें अपनी भाषा, अपनी वेशभूषा, अपने इतिहास और अपनी जीवनशैली पर गर्व करना चाहिए। जब तक हम अपनी जड़ों से नहीं जुड़ेंगे, तब तक एक आत्मनिर्भर और शक्तिशाली भारत का सपना पूरा नहीं हो सकता।

संस्कृति केवल इतिहास के पन्नों में दर्ज कोई प्राचीन वस्तु नहीं है, बल्कि यह वह जीवंत ऊर्जा है जो वर्तमान को दिशा देती है और भविष्य का मार्ग प्रशस्त करती है। संघ ने इन सौ वर्षों में इसी सांस्कृतिक चेतना को जन-जन तक पहुँचाने का ऐतिहासिक कार्य किया है।

विजयादशमी विशेष

रावण दहन से आत्ममंथन तक



महेन्द्र तिवारी

भारतीय संस्कृति मूलत: उत्सवधर्मिता, आध्यात्मिक चेतना और उदात्त जीवन मूल्यों का ऐसा संगम है, जहाँ प्रत्येक पर्व केवल आनंद मनाने का अवसर नहीं, बल्कि आत्मनिरीक्षण, आत्मशुद्धि और नैतिक पुनर्जागरण की प्रेरणा भी देता है। आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मनाया जाने वाला विजयादशमी अथवा दशहरा ऐसा ही महत्त्वपूर्ण पर्व है। यह उत्सव सदियों से मनुष्य को संदेश देता आया है कि अधर्म, अन्याय, असत्य और अहंकार की शक्ति कितनी भी विशाल क्यों न दिखाई दे, उसकी आयु सीमित होती है। सत्य, न्याय और सदाचार के मार्ग पर चलने वाले व्यक्ति को कठिनाइयों का सामना अवश्य करना पड़ सकता है, किंतु उसका संघर्ष समाज में आशा और विश्वास का संचार करता है। विजयादशमी इसी शाश्वत विश्वास का प्रतीक है कि नैतिक मूल्यों की रक्षा के लिए किया गया प्रयास कभी व्यर्थ नहीं जाता।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इसी दिन भगवान श्रीराम ने लंका के राजा रावण का वध करके माता सीता को उसकी कैद से मुक्त कराया था। राम और रावण का युद्ध केवल दो शक्तिशाली व्यक्तियों के बीच संघर्ष नहीं, बल्कि दो परस्पर विरोधी जीवन दृष्टियों का प्रतीक माना जाता है। एक ओर मर्यादा, सत्य, त्याग और कर्तव्य के प्रति समर्पण है, तो दूसरी ओर अहंकार, अनियंत्रित इच्छाओं और शक्ति के दुरुपयोग का भाव। रावण अत्यंत विद्वान, पराक्रमी और शिवभक्त था। उसके पास अपार ज्ञान और वैभव था, किंतु उसका अहंकार तथा परस्त्री का हरण करने जैसा अनुचित कृत्य उसके पतन का कारण बना। इसके विपरीत श्रीराम ने विपरीत परिस्थितियों में भी मर्यादा और कर्तव्य का पालन किया। इस प्रसंग का संदेश स्पष्ट है कि ज्ञान, सामर्थ्य और संपत्ति तभी सार्थक हैं, जब उनका उपयोग विवेक, न्याय और लोककल्याण के लिए किया जाए।

इसी विजय की स्मृति में देश के अनेक नगरों और गाँवों में नवरात्र के दिनों में रामलीला का आयोजन किया जाता है। कलाकार रामायण के प्रसंगों को मंच पर जीवंत करते हैं और दर्शकों को धर्म, त्याग, भ्रातृप्रेम तथा कर्तव्यनिष्ठा के आदर्शों से परिचित कराते हैं। दशहरे के दिन रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतलों का दहन किया जाता है। आतिशबाजी और उत्सव के बीच उमड़ती भीड़ इस परंपरा को आकर्षक बनाती है। किंतु इस आयोजन का वास्तविक महत्त्व तभी है, जब पुतलों के साथ मनुष्य अपने भीतर पल रहे दुर्गुणों को समाप्त करने का संकल्प भी ले। यदि रावण का पुतला जलाने के बाद भी हमारे व्यवहार में छल, कपट, क्रूरता और अहंकार बने रहें, तो उत्सव का मूल उद्देश्य अधूरा रह जाता है।

विजयादशमी का संबंध केवल भगवान श्रीराम की विजय से नहीं है। भारतीय धार्मिक परंपरा में यह देवी दुर्गा द्वारा महिषासुर के संहार की स्मृति से भी जुड़ा हुआ है। मान्यता है कि महिषासुर के अत्याचारों से देवता और पृथ्वी के प्राणी त्रस्त थे। तब देवताओं की सम्मिलित शक्ति से देवी दुर्गा का प्राकट्य हुआ और उन्होंने युद्ध करके महिषासुर का अंत किया। शारदीय नवरात्र के नौ दिनों तक देवी के विभिन्न स्वरूपों की आराधना के बाद दसवें दिन उनकी विजय का उत्सव मनाया जाता है। इस कथा में नारी शक्ति, साहस और अन्याय के प्रतिरोध का महत्त्वपूर्ण संदेश निहित है। यह हमें बताती है कि जब अत्याचार अपनी सीमाएँ पार करने लगता है, तब उसके विरुद्ध संगठित प्रतिरोध आवश्यक हो जाता है। समाज में महिलाओं की सुरक्षा, समानता और सम्मान सुनिश्चित करना भी इसी चेतना का व्यावहारिक रूप है।

भारत की सांस्कृतिक विविधता दशहरे को अनेक रंग और रूप प्रदान करती है। पश्चिम बंगाल में दुर्गा पूजा का समापन विजयादशमी के अवसर पर प्रतिमा विसर्जन तथा सिंदूर खेला जैसी परंपराओं के साथ होता है। मैसूर का दशहरा राजसी शोभायात्रा, सुसज्जित हाथियों और चामुंडेश्वरी देवी की आराधना के लिए प्रसिद्ध है। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में दशहरे के दौरान भगवान रघुनाथ की रथयात्रा और विभिन्न देवी-देवताओं के आगमन से विशिष्ट लोक उत्सव का वातावरण बनता है। इन परंपराओं में धार्मिक आस्था के साथ स्थानीय इतिहास, लोककला और सामुदायिक सहभागिता भी जुड़ी हुई है।



छत्तीसगढ़ के बस्तर का दशहरा भारतीय सांस्कृतिक विविधता का विशेष उदाहरण है। भारत सरकार के पर्यटन पोर्टल के अनुसार, यह उत्सव लगभग 75 दिनों तक चलता है और इसकी प्रमुख विशेषता यह है कि यहाँ रावण का पुतला नहीं जलाया जाता। इस परंपरा का केंद्र माँ दंतेश्वरी की आराधना, स्थानीय देवी-देवताओं का सम्मान और आदिवासी समाज की सांस्कृतिक विरासत है। विशाल काष्ठ रथ, पारंपरिक अनुष्ठान और सामुदायिक सहभागिता इस उत्सव को विशिष्ट बनाते हैं।

बस्तर की यह परंपरा स्पष्ट करती है कि दशहरे का अर्थ केवल रावण दहन तक सीमित नहीं है। विभिन्न समुदाय अपनी आस्था, इतिहास और सांस्कृतिक अनुभवों के आधार पर इस पर्व को अलग-अलग रूपों में जीवंत रखते हैं। यही विविधता भारतीय संस्कृति की वास्तविक शक्ति है।

इस दिन शमी वृक्ष और देवी अपराजिता की पूजा, अस्त्र-शस्त्रों का पूजन तथा सीमोल्लंघन की परंपराएँ भी प्रचलित हैं। पुराने समय में राजा और योद्धा इस अवसर पर विजय अभियान के लिए प्रस्थान करते थे। आज लोग अपने व्यवसाय, कार्यस्थल, वाहनों और जीविका के साधनों की पूजा करके परिश्रम तथा सफलता के प्रति सम्मान व्यक्त करते हैं। इन परंपराओं का व्यापक संदेश यही है कि मनुष्य अपने कर्तव्यों के प्रति सजग रहे और अपने साधनों का सदुपयोग करे।

समकालीन जीवन में विजयादशमी का नैतिक संदेश और भी महत्त्वपूर्ण हो गया है। आज मनुष्य विज्ञान, तकनीक और भौतिक संसाधनों के क्षेत्र में निरंतर प्रगति कर रहा है, लेकिन इस प्रगति के साथ अनेक सामाजिक चुनौतियाँ भी बनी हुई हैं। भ्रष्टाचार, आर्थिक लालच, महिलाओं के प्रति हिंसा, कमजोर वर्गों का शोषण, पर्यावरण का विनाश और सामाजिक वैमनस्य हमारे सामने गंभीर प्रश्न उपस्थित करते हैं। इन समस्याओं को केवल कानून या व्यवस्था के सहारे पूरी तरह समाप्त नहीं किया जा सकता। इनके समाधान के लिए व्यक्तिगत चरित्र, सामाजिक उत्तरदायित्व और नैतिक साहस भी आवश्यक हैं। जब कोई व्यक्ति अपने पद का दुरुपयोग करता है, किसी जरूरतमंद का अधिकार छीनता है अथवा निजी लाभ के लिए दूसरों को हानि पहुँचाता है, तब वह अपने भीतर के रावण को ही शक्ति प्रदान करता है।

इसलिए दशहरे का सबसे बड़ा संदेश आत्ममंथन है। हमें दूसरों की कमियाँ देखने से पहले अपने आचरण का मूल्यांकन करना चाहिए। क्या हम अपने परिवार में सभी के साथ समान व्यवहार करते हैं? क्या हम महिलाओं के सम्मान और बच्चों की सुरक्षा के प्रति संवेदनशील हैं? क्या हम अपने कार्यक्षेत्र में ईमानदारी से दायित्व निभाते हैं? क्या हम जाति, भाषा, धर्म और आर्थिक स्थिति के आधार पर किसी व्यक्ति के प्रति भेदभाव करते हैं? ऐसे प्रश्नों के उत्तर ही हमारे नैतिक जीवन की वास्तविक परीक्षा हैं। केवल उपदेश देना पर्याप्त नहीं है।

आस्था के सैलाब में कब तक गुम होती रहेगी जिंदगियां?

ललित गर्ग

कोलकाता में दुर्गापूजा के दौरान चोरबागान के सार्वजनिक पूजा पंडाल में हुई भगदड़ और उसमें 19 लोगों की मौत तथा 25 से अधिक लोगों के घायल होने की खबर ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया। यह केवल एक हादसा नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक संवेदनहीनता, प्रशासनिक लापरवाही और धार्मिक आयोजनों के प्रति गैर-जिम्मेदार दृष्टिकोण पर लगा एक गंभीर प्रश्नचिह्न है। जिन पंडालों में लोग श्रद्धा, भक्ति, उल्लास और आध्यात्मिक शांति की तलाश में पहुंचते हैं, वहां यदि उन्हें जीवन की सुरक्षा का भरोसा भी न मिले, तो इससे बड़ी विडंबना क्या होगी? मां दुर्गा की आराधना शक्ति, साहस और अन्याय के विनाश का प्रतीक है, लेकिन उसी आराधना के बीच निर्दोष लोगों की सांसें थम जाएं, तो हमें अपने आयोजन, अपनी व्यवस्थाओं और अपनी प्राथमिकताओं पर गंभीरता से विचार करना ही होगा। आखिर आस्था के इस सैलाब में इंसानी जिंदगियां कब तक बहती रहेंगी? सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं कि हादसा कैसे हुआ, बल्कि यह है कि हादसे होने ही क्यों दिए जाते हैं? देश में धार्मिक मेलों, मंदिरों, तीर्थस्थलों, उत्सवों और राजनीतिक रैलियों में भगदड़ की घटनाएं बार-बार सामने आती रही हैं। हर बार कुछ परिवारों के घरों के चिराग बुझ जाते हैं, बच्चों के



सिर से माता-पिता का साया उठ जाता है, किसी मां की गोद सूनी हो जाती है और किसी जीवनसाथी का संसार उजड़ जाता है। कुछ समय तक शोक, संवेदना, मुआवजे और जांच की खबरें सुर्खियों में रहती हैं, फिर सब कुछ सामान्य होने लगता है। व्यवस्थाएं जस की तस बनी रहती हैं और अगली त्रासदी का इंतजार शुरू हो जाता है। क्या हमारी व्यवस्था की संवेदनशीलता केवल हादसे के बाद जागने तक सीमित रह गई है? क्या मानवीय जीवन का मूल्य किसी आर्थिक सहायता या सरकारी घोषणा से चुकाया जा सकता है? आखिर सनातन की गौरवमय संस्कृति को धुंधलाने की इन त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण घटनाओं के लेकर हम कब चेतेंगे?

किसी भी हादसे में मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहायता देना आवश्यक है। संकट की घड़ी में सरकार का सहयोग प्रभावित परिवारों को संबल देता है, लेकिन मुआवजा किसी की जिंदगी वापस नहीं ला सकता। एक परिवार की आर्थिक क्षति की भरपाई संभवत: धन से हो जाए, मगर उस मां के आंसुओं का मूल्य कौन चुकाएगा, जिसने अपने जवान बेटे को खो दिया? उस बच्चे के भय और खालीपन को कौन भरेगा, जिसने भीड़ में अपने माता-पिता को हमेशा के लिए खो दिया? इसलिए सरकारों की जिम्मेदारी केवल राहत राशि घोषित करना नहीं, बल्कि ऐसी परिस्थितियां पैदा होने से पहले रोकना है, जिनमें नागरिकों को अपनी जान गंवानी पड़े। मृत्यु के बाद मुआवजा देना शासन का मानवीय दायित्व है, लेकिन मृत्यु से पहले सुरक्षा सुनिश्चित करना उसका अनिवार्य कर्तव्य है। धार्मिक आयोजनों की भव्यता और लोकप्रियता के साथ एक अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा भी बढ़ती दिखाई देती है। विशाल पंडाल, आकर्षक सजावट, भव्य प्रतिमाएं, रोशनी, प्रचार और अधिकाधिक श्रद्धालुओं की उपस्थिति को आयोजन की सफलता का पैमाना मान लिया जाता है।

बोध कथा

कवि का स्वाभिमान

एक दिन राजा मान सिंह प्रसिद्ध कवि कुंभनदास के दर्शन के लिए वेश बदलकर उनके घर पहुंचे। उस समय कुंभनदास अपनी बेटी को आवाज लगाते हुए कह रहे थे, 'बेटी, जरा दर्पण तो लाना, मुझे तिलक लगाना है।' बेटी जब दर्पण लाने लगी तो वह नीचे गिरकर टूट गया। यह देखकर कुंभनदास बोले, 'कोई बात नहीं, किसी बर्तन में जल भर लाओ।' राजा कुंभनदास के पास बैठकर बातें करने लगे और बेटी एक टूटे हुए घड़े में पानी भरकर ले आई। जल की छाया में अपना चेहरा देखकर कुंभनदास ने तिलक लगा लिया।

यह देखकर राजा दंग रह गए। वह कुंभनदास से अत्यंत प्रभावित हुए। राजा यह सोचकर प्रसन्न थे कि कवि कुंभनदास उन्हें पहचान नहीं पाए हैं। राजा वहां से चले गए। अगले दिन वह एक स्वर्ण जड़ित दर्पण लेकर कवि के पास पहुंचे और बोले, 'कविराज, आपकी सेवा में यह तुच्छ भेंट अर्पित है। कृपया इसे स्वीकार कीजिए।' कुंभनदास विनम्रतापूर्वक बोले, 'महाराज आप! अच्छा तो कल वेश बदलकर आप ही हम से मिलने आए थे। कोई बात नहीं। हमें आपसे मिलकर बहुत अच्छा लगा। पर एक विनती है।'

राजा ने पूछा, 'क्या कविराज?' कुंभनदास बोले, 'आप मेरे घर अवश्य आइए लेकिन खाली हाथ। यदि आप अपने साथ ऐसी ही वस्तुएं लेकर आते रहे तो बेकार की वस्तुओं से मेरा घर भर जाएगा। मुझे व्यर्थ की वस्तुओं से कोई मोह नहीं। मुझे बस मां सरस्वती की कृपा की आवश्कता है।' कवि के इस स्वाभिमानी रूप को देखकर राजा आश्चर्यचकित रह गए। वह समझ गए कि कवि कुंभनदास की निर्धनता उनकी विवशता नहीं है, बल्कि इसी तरह का जीवन उन्हें संतुष्टि देता है। वह लोभ, मोह, माया आदि से बहुत ऊपर उठ चुके हैं। उस दिन से कुंभनदास राजा के प्रिय हो गए। राजा के लिए यह गर्व का विषय था कि उनके राज्य में कुंभनदास जैसे लोग रहते हैं।

कविता

रावण नहीं, रावणत्व जलाएँ...



दिलीप आचार्य 'सोमेश्वर'

परंपरागत ढाँचे में,
यथार्थ से परे,
रावण को जलाने का
स्वांग भर आएँ।
रावण जो दशानन है,
पुतले जलते रहे हर बार
पर जीवित कहीं रावण-मेघनाद
मेले में हो रहा आर्तनाद
पात्र बदले स्थिति वही है
षड्यंत्रों की गति वही है
आओ दशहरा
मनाएँ,
फिर रावण जला
आएँ।
समूचा नहीं—
एक प्रतिरूप उसका,
हर बार की तरह
भाषावाद, अलगाववाद, भ्रष्टाचार,
असुरक्षित, बेबस मानव लाचार।
हिंसा की मनोवृत्ति,
कट्टरता का जुनून,
हर मोड़ खड़े हवस भरे
शूर्पणखा से नाखून।
आतंक की ताड़का,
युद्ध की विभीषिका,
सुरसा-सी बढ़ती महँगाई,
भूख-गरीबी की गहरी खाई
सत्ता का कंचन-मृग,
कुर्सी मारीच-सी ठग,
सियासी खर-दूषण ,कालनेमी
जनता को भरमाते हैं
मंथराओं के विषैले बोल
जातियों को लड़वाते हैं

व्यंग्य केसरी

टेंशन फ्री रावण के सिर!



सतीश उपाध्याय

दशहरे का मैदान खचाखच भरा था। लाउडस्पीकर पर त्रेतायुग की वीरता का बखान हो रहा था और साठ फीट ऊंचे पुतले के दस सिर बांस-बल्लियों के सहारे हवा में झूल रहे थे। नीचे खड़े लोग चाट-पकौड़ी चबाते हुए अपनी-अपनी जेबें संभाल रहे थे और पटाखों से ठूंसे गए रावण के भीतर एक गंभीर आपातकालीन बैठक चल रही थी।

?नौ सिरों के चेहरे पर हवाइयां उड़ रही थीं। भ्रष्टाचार का मुंह पीला पड़ा था, महंगाई हांफ रही थी, साम्प्रदायिकता का हलक सूखा हुआ था। जातिवाद और छुआछूत अपनी पुरानी धोती समेटते हुए कांप रहे थे। बाजारवाद बार-बार डिजिटल घड़ी देखकर चीख रहा था, 'अरे भाई, टाइम हो गया! वो देखो, वीआईपी जी ने तीर कमान पर चढ़ा लिया है। अब हमारा क्या होगा?'

हिंसा ने अपनी तलवार फेंकते हुए कहा, 'बस कुछ पलों की बात है, बारूद जलेगा और हम राख हो जाएंगे। सदियों की कमाई मिट्टी में मिल जाएगी!'

तभी बीच में बैठा हुआ सबसे बड़ा और दसवां सिर—'पाखंड'—ठहाका मार कर हंस पड़ा। उसकी हंसी की गूंज से पुतले का पूरा ढांचा थरथरा गया।

'शांत हो जाओ, मूर्खों!' दसवां सिर बोला, उसकी आंखों में दुनियादारी की चमचमाती चमक थी। 'तुम सब नए जमाने के कलेवर ओढ़े बैठे हो, पर तुम्हारी समझ अब भी सतयुग में अटकी है। घबरा किस बात से रहे हो? नीचे उस भीड़ को देखो। जो आदमी अभी भ्रष्टाचार के जलने पर ताली पीटने के लिए हाथ उठा रहा है, वही सुबह दफ्तर में फाइल आगे बढ़ाने के नाम पर पांच सौ रुपये दबाकर आया है।'

उसने उंगली उठाकर सामने बैठे 'साम्प्रदायिकता' की पीठ थपथपाई, 'अरे तू क्यों रो रहा है भाई? सामने वाली पंक्ति में बैठे वही दोनों सज्जन थोड़ी देर बाद सोशल मीडिया पर एक-दूसरे के धर्म को गालियां बकते हुए लाइव डिबेट करेंगे। तू तो इनकी रगों में ऑक्सीजन बनकर दौड़ रहा है, तुझे कौन जलाएगा?'

महंगाई ने डरते-डरते पूछा, 'पर वो आग का तीर... उसका क्या?'

दसवां सिर फिर मुस्कुराया, 'वह सिर्फ एक सालाना औपचारिकता है, एक इवेंट मैनेजमेंट! इस देश में हर साल दशहरा आता है और यह धंधा सदियों से बदस्तूर जारी है। यह आत्ममुग्धता का त्योहार है!'

उसने बाजारवाद की तरफ देखकर चुटकी ली, 'और तू तो चुप ही रह! तेरे बनाए पटाखों से हमें जलाया जा रहा है, तेरी बनाई ऑनलाइन सेल में लोग रावण दहन का चश्मा खरीद रहे हैं। तू मरेगा तो देश की जीडीपी गिर जाएगी!'

नीचे से एक जलता हुआ तीर सनसनाने की आवाज आई। पुतले के पैरों में सुतली बम फटने लगे। धुएं का काला गुबार उठा और एक-एक करके सिरों में आग लग गई। नीचे खड़ी लाखों की भीड़ ने एक सुर में जयकारा लगाया, सीटियां बजाईं, बच्चों ने गुब्बारे उड़ाए और लोगों ने जले हुए रावण के साथ मुस्कुराते हुए अपनी-अपनी 'विक्ट्री सेल्फी' ली।

इतिहास

20 अक्टूबर का इतिहास भारत और दुनिया के लिए कई महत्वपूर्ण घटनाओं, जन्म और निधन से जुड़ा हुआ है।

प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएँ (भारत और विश्व)

1774: कोलकाता (तत्कालीन कलकत्ता) को आधिकारिक रूप से भारत की राजधानी बनाया गया।

1818: संयुक्त राज्य अमेरिका और ब्रिटेन के बीच एक संधि पर हस्ताक्षर हुए, जिसके तहत 49वीं समानांतर रेखा को अमेरिका और कनाडा की सीमा तय किया गया।

1946: वियतनाम की सरकार ने 20 अक्टूबर को 'वियतनाम महिला दिवस' के रूप में घोषित किया।

1947: अमेरिका और पाकिस्तान के बीच पहली बार राजनयिक संबंध स्थापित हुए।

1962: चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी ने लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश (तत्कालीन नेफा) की सीमा पर अचानक हमला कर दिया।

वर्षों के इंतजार पर लगा विकास का कदम, कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने किया बांकी नदी पुल का भूमिपूजन

10 से 12 हजार ग्रामीणों को मिलेगा आवागमन का लाभ

विश्व केसरी■

बलरामपुर (आफताब आलम)। रामानुजगंज विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीणों के लिए आवागमन की सुविधा को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। ग्राम पंचायत बानापाती में बानापाती-धमनी मार्ग पर बांकी नदी के ऊपर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण किया जाएगा। कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने पुल निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन कर क्षेत्रवासियों को इस महत्वपूर्ण परियोजना की सौगात दी। इस पुल के निर्माण के लिए 255.60 लाख रुपये यानी लगभग 2.56 करोड़ रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

लंबे समय से इस पुल की आवश्यकता महसूस कर रहे ग्रामीणों को अब बेहतर संपर्क सुविधा मिलने की उम्मीद है। पुल बन जाने से बानापाती और धमनी के बीच की दूरी लगभग 8 किलोमीटर कम हो जाएगी। इससे आसपास के 6 से 8 गांवों के करीब 10 से 12 हजार ग्रामीण प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित होंगे। यह परियोजना क्षेत्र में आवागमन को आसान बनाने के साथ ग्रामीण जीवन को अधिक सुविधाजनक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।



पुल केवल निर्माण नहीं, गांवों को जोड़ने वाली विकास की जीवनरेखा

भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि बांकी नदी पर पुल निर्माण का सपना क्षेत्र के लोग वर्षों से संजोए हुए थे। आज इस सपने को साकार करने की दिशा में पहला कदम उठाया गया है। उन्होंने कहा कि सड़क और पुल केवल ईंट-पत्थर के ढांचे नहीं होते, बल्कि गांवों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने वाली जीवनरेखा होते हैं।

उन्होंने कहा कि बेहतर सड़क और पुल संपर्क से ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिलती है। साथ ही व्यापार, रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलती है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार वनांचल और दूरस्थ क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार करने को प्राथमिकता दे रही है, ताकि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सके।

60 मीटर लंबा होगा उच्चस्तरीय पुल

लोक निर्माण विभाग के सेतु संभाग, अंबिकापुर द्वारा इस पुल का निर्माण कराया जाएगा। परियोजना के तहत बांकी नदी पर 60 मीटर लंबा उच्चस्तरीय पुल बनाया जाएगा। इसमें 15-15 मीटर के चार स्पान होंगे। पुल के दोनों ओर संपर्क सुविधा उपलब्ध कराने के लिए कुल 280 मीटर पहुंच मार्ग का भी निर्माण किया जाएगा।

इसमें बानापाती की ओर 94 मीटर तथा धमनी की ओर 186 मीटर पहुंच मार्ग शामिल है। पुल और पहुंच मार्ग के निर्माण से दोनों गांवों के बीच संपर्क अधिक सुगम होने के साथ आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों को भी आवागमन का बेहतर विकल्प मिलेगा।

समय पर और गुणवत्तापूर्ण निर्माण पर जोर

कृषि मंत्री नेताम ने निर्माण एजेंसी और विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता न किया जाए तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर काम पूरा किया जाए। उन्होंने ग्रामीणों से भी निर्माण कार्य की निगरानी में सहभागी बनने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह पुल क्षेत्र के लोगों की अपनी संपत्ति है, इसलिए इसके निर्माण की गुणवत्ता और उपयोगिता को लेकर सभी की भागीदारी महत्वपूर्ण है।

अजय ने पारंपरिक खेती से आगे बढ़कर ऑयल पाम की खेती

उद्यानिकी विभाग के मार्गदर्शन से लहलहा रहे ऑयल पाम के पौधे

विश्व केसरी■

बिलासपुर (शैलेन्द्र केशरवानी)। खेती में नई तकनीकों और फसल विविधीकरण को अपनाकर किसान अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। जिले के ग्राम घोंघाडीह, गनियारी निवासी किसान अजय कुमार गुप्ता ने भी पारंपरिक खेती के साथ ऑयल पाम की खेती अपनाकर बेहतर भविष्य की ओर कदम बढ़ाया है। उद्यानिकी विभाग के तकनीकी मार्गदर्शन और राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन-ऑयल पाम योजना के सहयोग से उन्होंने अपने खेत में वैज्ञानिक पद्धति से ऑयल पाम के पौधे लगाए हैं। उनके इस प्रयास से क्षेत्र के अन्य किसानों को भी खेती में नवाचार अपनाने की प्रेरणा मिल रही है।



गुप्ता ने बताया कि भविष्य में आय के नए स्रोत विकसित करने के उद्देश्य से उन्होंने ऑयल पाम की खेती शुरू की। इसके लिए उद्यानिकी विभाग से आवश्यक तकनीकी जानकारी और मार्गदर्शन प्राप्त किया। पौधारोपण से पहले खेत की समुचित तैयारी की गई। पौधों की बेहतर वृद्धि के लिए टपक सिंचाई, नियमित उर्वरक प्रबंधन और पौध संरक्षण के उपाय अपनाए गए।

विभागीय अधिकारियों एवं विशेषज्ञों ने समय-समय पर खेत का निरीक्षण कर आवश्यक सलाह दी, जिससे पौधों का विकास संतोषजनक रहा है। आज गुप्ता के खेत में ऑयल पाम के पौधे अच्छी तरह विकसित हो रहे हैं। सुव्यवस्थित खेती और वैज्ञानिक तकनीकों के उपयोग से उन्हें भविष्य में बेहतर उत्पादन की उम्मीद है। उनका लक्ष्य आने वाले वर्षों में ऑयल पाम से अच्छी उपज प्राप्त कर अपनी आय में वृद्धि करना है। उनके इस प्रयास से आसपास के किसानों में भी ऑयल पाम की खेती के प्रति रुचि बढ़ रही है।

गुप्ता का कहना है कि पर्याप्त सिंचाई, वैज्ञानिक तकनीक और विभागीय मार्गदर्शन के साथ ऑयल पाम की खेती किसानों के लिए दीर्घकालीन आय का अच्छा माध्यम बन सकती है। उन्होंने खेती में नई संभावनाओं को तलाशने के लिए किसानों को आधुनिक तकनीकों और शासन की योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन-ऑयल पाम योजना के माध्यम से किसानों को परंपरागत खेती के साथ वैकल्पिक फसलों की ओर प्रोत्साहित किया जा रहा है। गुप्ता की पहल इस बात का उदाहरण है कि उचित मार्गदर्शन और आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाकर किसान भविष्य में अपनी आय बढ़ाने की दिशा में सार्थक प्रयास कर सकते हैं।

महामाया मंदिर सक्ती से उल्दा तक निकली प्रथम पदयात्रा, बड़ी संख्या में श्रद्धालु हुए शामिल



विश्व केसरी■

सक्ती (ईश्वर लोधी)। महामाया पदयात्रा सेवा समिति सक्ती के तत्वावधान में महामाया मंदिर सक्ती से उल्दा तक 16 किलोमीटर की प्रथम पदयात्रा निकाली गई। इस धार्मिक पदयात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पैदल शामिल होकर अपनी आस्था और श्रद्धा का परिचय दिया। पदयात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए जगह-जगह आवश्यक व्यवस्थाएं की गई थीं। वहीं पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को लेकर चाक-चौबंद इंतजाम किए गए, जिससे पदयात्रा सुचारु रूप से संपन्न हुई। पदयात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए नगर पालिका अध्यक्ष श्याम सुंदर अग्रवाल के नेतृत्व में पेयजल की व्यवस्था की गई। इस दौरान राहुल अग्रवाल, कालू रघुनाथ, मनोज वकील, सोनू एवं मोहित ने सहयोग प्रदान किया। सभी ने पदयात्रियों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने में अपनी सहभागिता निभाई।

शिवरीनारायण में दशहरा उत्सव की तैयारियां तेज, 61 फीट ऊंचे रावण का होगा दहन

विश्व केसरी■

शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। नगर में विजयादशमी पर्व को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। महानदी किनारे चौपाटी के पास स्थित मेला ग्राउंड में इस वर्ष 61 फीट ऊंचे रावण का पुतला तैयार किया जा रहा है। नगर पंचायत द्वारा मेला परिसर की साफ-सफाई कराई गई है तथा उत्सव को आकर्षक बनाने के लिए लाइटिंग की व्यवस्था की जा रही है। मंगलवार, 20 अक्टूबर की शाम यहां रावण दहन का कार्यक्रम आयोजित होगा।

दशहरा के अवसर पर मेन रोड स्थित बॉम्बे मार्केट की मारवाड़ी धर्मशाला से भगवान श्रीराम, लक्ष्मण, हनुमान एवं वानर सेना की भव्य झांकी निकाली जाएगी। फूल-मालाओं से सजे रथ में भगवान श्रीरामचंद्र विराजमान होंगे। गाजे-बाजे के साथ निकलने वाली यह झांकी नगर भ्रमण करते हुए मेला ग्राउंड पहुंचेगी। भगवान श्रीराम की झांकी के आगमन के बाद विधिवत रावण दहन किया जाएगा। आतिशबाजी के साथ होने वाला यह आयोजन श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र रहेगा।



20 दिनों की मेहनत से तैयार हो रहा रावण का पुतला

रावण का पुतला तैयार करने वाले कटौद निवासी कारीगर आत्माराम साहू ने बताया कि उन्होंने हीरालाल कश्यप, नरेश कश्यप, शिवशंकर कश्यप, प्रेम कश्यप और भुरू भैना के साथ मिलकर लगभग 20 दिनों की मेहनत से 61 फीट ऊंचा पुतला तैयार किया है। इसके निर्माण में बांस, रस्सी, तार, बोरा, कपड़ा, कागज, कार्टून, बांस की चटाई, साइकिल की रिंग, पैरा और रंग सहित विभिन्न सामग्रियों का उपयोग किया गया है। रावण दहन को आकर्षक बनाने के लिए पटाखों की भी व्यवस्था की जा रही है।

बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है दशहरा

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, विजयादशमी के दिन भगवान श्रीराम ने लंकापति रावण का वध कर माता सीता को उसकी कैद से मुक्त कराया था। यह पर्व अधर्म पर धर्म, असत्य पर सत्य और बुराई पर अच्छाई की विजय का संदेश देता है। इसी परंपरा के तहत हर वर्ष दशहरा पर रावण के पुतले का दहन किया जाता है। शिवरीनारायण में भी इस आयोजन को लेकर नगरवासियों में उत्साह का माहौल है।

गादी महोत्सव सहित अनेक कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे राजेश्री महन्त रामसुंदर दास

विश्व केसरी■

शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। पूर्व विधायक, महामंडलेश्वर महन्त रामसुन्दर दास महाराज का दशहरा महोत्सव के अवसर पर निर्धारित कार्यक्रम की जानकारी प्राप्त हुई है, मिली जानकारी के अनुसार राजेश्री मंगलवार को सुबह 9:00 बजे से 11:30 बजे तक पुरानी बस्ती जैतू साव मठ में शस्त्र एवं हवन पूजन के कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। दोपहर 12 बजे से 2:30 बजे तक दूधाधारी मठ में शस्त्र, हवन, अश्व एवं वाहन पूजन के कार्यक्रम में शामिल होंगे, तत्पश्चात वे यहां से रवाना होकर शाम 5:00 बजे श्री शिवरीनारायण मठ पहुंचेंगे। यहां भव्य शोभा यात्रा के साथ अस्त्र, शमी तथा जनकपुर में विराजित श्री हनुमान जी महाराज की विशेष पूजा अर्चना के कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। शाम 6:30 बजे गद्दी महोत्सव प्रारंभ होगा, इसमें हवन पूजन, देव दर्शन के पश्चात नगर एवं बाहर से आए हुए



श्रद्धालुओं से भेंट - मुलाकात करेंगे। रात्रि विश्राम शिवरीनारायण मठ में होगा। बुधवार, दिनांक 21 अक्टूबर को सुबह 10:00 बजे शिवरीनारायण मठ से प्रस्थान होंगे, दोपहर 12:30 बजे उनका आगमन श्री दूधाधारी मठ रायपुर होगा। उल्लेखनीय है कि राजेश्री महन्त महाराज का प्रत्येक वर्ष विजयादशमी के अवसर पर मिनट- टू -मिनट अत्यधिक व्यस्ततम कार्यक्रम रहता ही है, जिसका निर्वाह वे निरंतर करते आ रहे हैं।

संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा महापुराण का दिव्य आयोजन 22 अक्टूबर से

विश्व केसरी■

चांपा (नीरज शर्मा)। श्रीकृष्ण की असीम अनुकम्पा और बांकेबिहारी कृष्ण मुरारी जगत पालनकर्ता राधा रमण भगवान की असीम प्रेरणा और कृपा से चांपा नगर की पावन पुनीत धरा में शांति , समृद्धि एवं सर्वजन कल्याण के प्रयोजनार्थ एक भव्य धार्मिक आयोजन होने जा रहा हैं ।

नगर के वरिष्ठ चिकित्सक दंपत्ति डॉक्टर शरद बिरथरे एवं डॉक्टर विश्वनाथ बिरथरे के वैवाहिक जीवन की 50 वी वर्षगांठ एवं डॉ. शरद बिरथरे के जन्म दिवस पर शरदोत्सव के उपलक्ष्य में संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा महापुराण ज्ञान यज्ञ का पावन आयोजन किया जा रहा हैं । इस अवसर पर व्यासपीठ पर अंचल की सुप्रसिद्ध कथा वाचिका तथा विदुषी सविता गोस्वामी दीदीजी , वृंदावन धाम वाली अपनी मुखारविंद से अमृतमयी वाणी में कथा का रसपान करायेंगी । कथा



का सीधा प्रसारण यू ट्यूब लाईव दीदी सविता गोस्वामी पर किया जायेगा।

भागवत कथा आयोजन विवरण

कथा स्थल - द माडर्न विलेज, महात्मा गांधी भवन के पास, चौपाटी के सामने द माडर्न विलेज प्रांगण चांपा में हैं। कथा का समय - प्रतिदिन सायंकाल 04 बजे से 07 बजे तक होगा ।

धार्मिक कथा के आयोजक - डॉ शरद बिरथरे और डां विश्वनाथ बिरथरे , बिरथरे नर्सिंग होम, चांपा जिला जांजगीर-चांपा छत्तीसगढ़ ।

आठ दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा क्रम

अष्ठ दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ दिनांक 22 अक्टूबर, 2026 दिन गुरुवार से कलश यात्रा निकाल कर की जायेगी,जो नगर निमंत्रण देते हुए द माडर्न विलेज पर आकर वेदी पूजन ,भागवत महात्म्य पुराण का प्रथम दिन वाचन और पूजन होगा। इसी तरह दिनांक 28 अक्टूबर,2026 बुधवार को सुदामा चरित्र , वदोहो एवं कथा विश्राम होगा। 29 अक्टूबर गुरुवार को तुलसी वर्षा , हवन, सहस्त्रधारा और ब्राह्मण भोज के साथ समापन होगा ।

भागवत कथा की वर्तमान समय में महत्ता

प्रिंट मीडिया के शशिभूषण सोनी ने बताया कि श्रीमद्भागवत कथा महापुराण सभी धर्म शास्त्रों और पुराणों का सार तत्व माना जाता हैं ।

जनपद पंचायत जैजैपुर में कलेक्टर जयश्री जैन ने पीवी ऐप सर्वे कार्य का लिया समीक्षा बैठक

विश्व केसरी■

सक्ती (ईश्वर लोधी)। कलेक्टर जयश्री जैन द्वारा आज जनपद पंचायत जैजैपुर के सभा कक्ष में पीवी ऐप के माध्यम से किए जा रहे डिजिटल क्रॉप सर्वे कार्यों की समीक्षा बैठक ली गई। बैठक में कलेक्टर जैन द्वारा जनपद क्षेत्र अंतर्गत अब तक हुए पीवी ऐप सर्वे कार्यों के अद्यतन स्थिति की जानकारी ली गई तथा आवश्यक निर्देश दिए गए।

कलेक्टर द्वारा फिजिकल वेरिफिकेशन करने के लिए सभी ग्रामों का केएमएल फाइल तैयार कर संबंधित सर्वरों को उपलब्ध कराने के लिए निर्देशित किया गया । साथ ही जिन गांवों में सर्वे पूर्ण नहीं हुए है उन ग्रामों में सर्वे समय सीमा के भीतर पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया गया। कलेक्टर ने बैठक में उपस्थित राजस्व विभाग, कृषि



विभाग, जनपद पंचायत सहकारिता विभाग एवं अन्य संबंधित अधिकारियों को डिजिटल क्रॉप सर्वे का कार्य पूरी सावधानी एवं सटीकता के साथ त्रुटिरहित ढंग से संपन्न कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सर्वे कार्य के दौरान किसी भी किसान का रकबा अथवा खसरा छूटने नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि सर्वे के दौरान सभी आवश्यक जानकारियों का सही-सही संकलन सुनिश्चित किया जाए, ताकि डिजिटल क्रॉप सर्वे का कार्य निर्धारित मापदंडों के अनुरूप पूर्ण हो सके। इसके साथ ही कलेक्टर द्वारा ग्राम जाजन्ग मे पीवी एप के कार्यों का निरीक्षण करते हुए गुणवत्तापूर्ण व त्रुटि रहित कार्य किए जाने के निर्देश दिए गए। बैठक मे जनपद पंचायत जैजैपुर मुख्य कार्यपालन अधिकारी संदीप कश्यप, तहसीलदार विद्या भूषण साव, तहसीलदार गरिमा मनहर, अधीक्षक भू अभिलेख एस एल कंवर सहित कृषि विभाग, सहकारिता विभाग व अन्य सभी संबंधित विभागों के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

पीवी ऐप सर्वे कार्यों को त्रुटि रहित और गुणवत्तापूर्ण करने लगातार दिए जा रहे निर्देश - कलेक्टर जयश्री जैन द्वारा जिले में चल रहे पीवी ऐप सर्वे कार्यों को त्रुटि रहित और गुणवत्तापूर्ण करने के लिए राजस्व विभाग, कृषि विभाग, पंचायत विभाग, सहकारिता विभाग एवं अन्य संबंधित अधिकारियों को लगातार निर्देश दिए जा रहे है।

शिवरीनारायण के वीडियो चौक दुर्गा मंदिर में अष्टमी पर माता रानी को चढ़ाई गई हल्दी, हवन से भक्तिमय हुआ वातावरण

विश्व केसरी■

शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। नवरात्रि पर्व की अष्टमी तिथि पर नगर के वीडियो चौक स्थित दुर्गा मंदिर में माता रानी की विशेष पूजा-अर्चना की गई। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से माता दुर्गा को हल्दी अर्पित की तथा वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन संपन्न कराया। धार्मिक अनुष्ठान में श्रद्धालुओं ने शामिल होकर परिवार, समाज और नगर की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

हल्दी अर्पित करने की परंपरा का विशेष महत्व

हिंदू धार्मिक मान्यताओं में हल्दी को शुभता, पवित्रता और सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। माता रानी को हल्दी अर्पित करना श्रद्धा और मंगलकामना से जुड़ी परंपरा है। मान्यता के अनुसार, हल्दी अर्पित करने से जीवन में सुख-समृद्धि और सकारात्मकता आती है। इसी आस्था के साथ श्रद्धालुओं ने माता रानी को हल्दी चढ़ाकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।



हवन से शुद्धता और सकारात्मकता का संदेश - पूजा-अर्चना के पश्चात दुर्गा मंदिर परिसर में विधि-विधान से हवन कराया गया। श्रद्धालुओं ने अग्नि में आहुतियां अर्पित कर विश्व कल्याण, सुख-शांति और समृद्धि की प्रार्थना की। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, हवन आध्यात्मिक शुद्धता और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है। हवन के दौरान मंत्रोच्चार से मंदिर परिसर भक्तिमय हो उठा।

नवरात्रि की अष्टमी पर वीडियो चौक स्थित दुर्गा मंदिर में हुए इस धार्मिक आयोजन से पूरे क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बना रहा। श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा के चरणों में शीश नवाकर सभी के जीवन में सुख, शांति और खुशहाली की कामना की।

नवरात्रि पर्व पर नव कन्याओं को कराया गया भोज, विधि-विधान से की गई पूजा-अर्चना

विश्व केसरी■

शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। नवरात्रि पर्व के पावन अवसर पर नगर में श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मां दुर्गा की पूजा-अर्चना की गई। इस दौरान नव कन्याओं को देवी स्वरूप मानकर उनका पूजन किया गया तथा उन्हें श्रद्धापूर्वक भोजन कराया गया। धार्मिक परंपरा के अनुसार कन्या भोज को नवरात्रि पर्व का विशेष महत्व माना जाता है।

मान्यता है कि नवरात्रि के दौरान छोटी कन्याओं में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों का वास माना जाता है। इसी आस्था के साथ श्रद्धालुओं ने कन्याओं के चरण पूजन कर उन्हें तिलक लगाया और भोजन कराया।



इसके पश्चात कन्याओं को दक्षिणा एवं उपहार भेंट कर उनका आशीर्वाद लिया गया। नवरात्रि पर्व पर आयोजित कन्या भोज के माध्यम से श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा के प्रति अपनी आस्था प्रकट की तथा परिवार और समाज में सुख, शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस धार्मिक आयोजन से क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बना रहा।

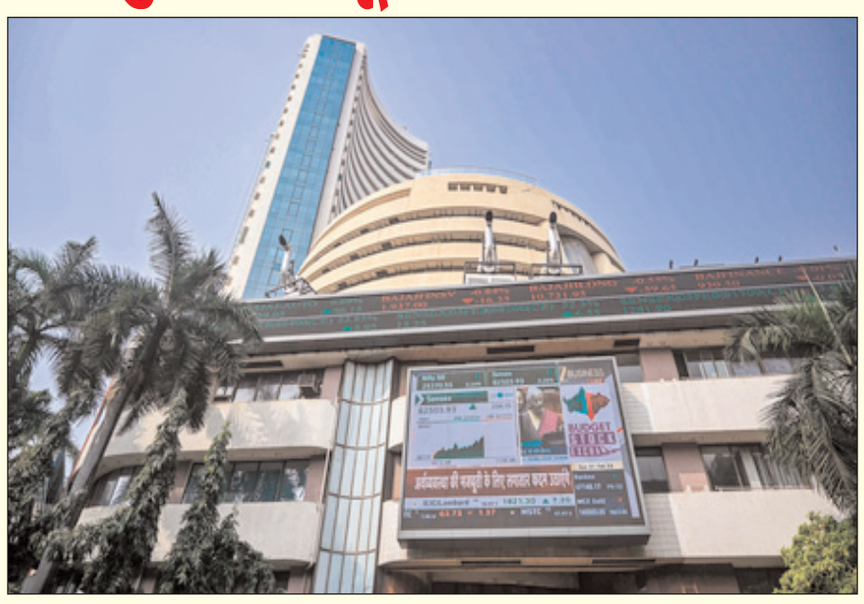
शेयर बाजार में मुनाफावसूली, सेंसेक्स 876 अंक फिसला

विश्व केसरी

मुंबई। कमजोर वैश्विक संकेतों के चलते भारतीय शेयर बाजार में सोमवार को मुनाफावसूली देखने को मिली। दिन के अंत में सेंसेक्स 876.37 अंक या 1.17 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 73,852.90 और निफ्टी 257.20 अंक या 1.11 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,888.95 पर था।

बाजार में चौतरफा बिकवाली देखने को मिली। सूचकांकों में निफ्टी प्राइवेट बैंक (1.85 प्रतिशत), निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज (1.58 प्रतिशत), निफ्टी एफएमसीजी (1.44 प्रतिशत), निफ्टी आईटी (1.28 प्रतिशत, निफ्टी सर्विसेज (1.25 प्रतिशत), निफ्टी रियल्टी (1.20 प्रतिशत), निफ्टी कंजप्शन (1.05 प्रतिशत) और निफ्टी इंडिया डिफेंस (0.94 प्रतिशत) की कमजोरी के साथ बंद हुआ।

सूचकांकों में केवल निफ्टी पीएसयू बैंक 2.46 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। लार्जकैप



के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी कमजोरी देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 641.80 अंक या 1.09 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 58,487.95 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 194.05 अंक या 1.01 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 18,935.75 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स पैक में एसबीआई, अदाणी पोर्ट्स, एलएंडटी और इंडिगो गेनर्स थे। एक्सिस बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, ट्रेंट, एनटीपीसी, एचडीएफसी बैंक, एचयूएल, बजाज फिनसर्व, भारती एयरटेल, इटरनल, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा स्टील, सन फार्मा, कोटक महिंद्रा बैंक, आईटीसी, टाइटन, टेक महिंद्रा, एमएंडएम और पावर ग्रिड लूजर्स थे।

जानकारों ने कहा कि भारतीय इक्विटी बाजारों में बिकवाली की वजह कमजोर वैश्विक संकेत, प्राइवेट बैंकों और आईटी शेयरों में दबाव था। तिमाही नतीजों और मार्जिन ट्रेंड को लेकर चिंताओं के चलते प्राइवेट बैंक दबाव में रहे, जबकि पीएसयू बैंकों ने इस व्यापक कमजोरी के विपरीत बेहतर प्रदर्शन किया। उन्हें मार्जिन और एसेट क्वालिटी के स्थिर बने रहने की उम्मीदों से सहारा मिला।

उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका द्वारा रूस से जुड़े प्रमुख प्रतिबंधों में ढील दिए जाने के बाद कच्चे तेल की कीमतों में कुछ नरमी आई, जिससे वैश्विक बाजार में रूसी ईंधन की आपूर्ति बढ़ने की उम्मीद जगी। हालांकि, भू-राजनीतिक तनावों के कारण कच्चे तेल की कीमतें अभी भी ऊंचे स्तर पर बनी रहीं। हालांकि, निफ्टी 23,000 के मनोवैज्ञानिक रूप से महत्वपूर्ण स्तर से नीचे फिसल गया। वहीं, व्यापक बाजार का रुझान भी कमजोर रहा, जो नतीजों से जुड़ी अस्थिरता और अनिश्चित वैश्विक संकेतों के बीच निवेशकों की सतर्कता को दर्शाता है।

वैश्विक संकेतों से कीमती धातुओं में लौटी चमक, सोना 1.48 लाख रुपए के पार

विश्व केसरी

नई दिल्ली। वैश्विक बाजारों से मिले मजबूत संकेतों और अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी की आशंकाओं में कमी आने के बाद सोमवार को शुरुआती कारोबार में सोने और चांदी की कीमतों में तेजी देखी गई।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दिसंबर डिलीवरी वाला सोना वायदा 461 रुपए यानी 0.31 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,48,379 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। पिछले कारोबारी सत्र में यह 1,47,918 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

कारोबार के दौरान सोना 581 रुपए यानी 0.4 प्रतिशत उछलकर 1,48,499 रुपए प्रति 10 ग्राम के इंट्रा-डे उच्च स्तर तक पहुंच गया। वहीं इसका इंट्रा-डे निचला स्तर 1,48,120 रुपए रहा, जो पिछले बंद स्तर से 200 रुपए या 0.13 प्रतिशत अधिक था। इसी तरह दिसंबर डिलीवरी वाली चांदी वायदा 826 रुपए या 0.39 प्रतिशत की तेजी के



साथ 2,12,013 रुपए प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रही थी। पिछले सत्र में यह 2,11,187 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। कारोबार के दौरान चांदी 1,563 रुपए या 0.74 प्रतिशत बढ़कर 2,12,750 रुपए प्रति किलोग्राम के इंट्राडे उच्च स्तर तक पहुंची। वहीं इसका निचला स्तर 2,11,634 रुपए प्रति किलोग्राम दर्ज किया गया।

दिन की शुरुआत में सोना और चांदी के वायदा कॉन्ट्रैक्ट क्रमश: 1,48,397 रुपए और 2,12,319 रुपए के स्तर पर खुले थे। कमोडिटी बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, शुक्रवार को फेड चेयर केविन वॉर्श की बैंकॉक में की गई टिप्पणियों के बाद अक्टूबर में ब्याज दर बढ़ाए जाने की संभावना 20 प्रतिशत से नीचे आ गई, जिससे बाजार को राहत मिली और कीमती धातुओं को समर्थन मिला। हालांकि, उन्होंने कहा कि महंगाई के मजबूत आंकड़े, खासकर पिछले साढ़े चार वर्षों में उत्पादक मूल्य सूचकांक (पीपीआई) में सबसे तेज मासिक बढ़ोतरी, दिसंबर में ब्याज दर बढ़ाने की संभावना को अभी भी जीवित रखे हुए हैं।

एलन मस्क का बड़ा ऐलान, अगले साल अमेरिका के हर बच्चे को मिलेगा 'स्पेसएक्स' का एक शेयर

विश्व केसरी

नई दिल्ली। अरबपति कारोबारी एलन मस्क ने सोमवार को कहा कि वह अगले साल अमेरिका के हर बच्चे को स्पेसएक्स का एक शेयर देंगे। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में स्पेसएक्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) ने इस कदम को अपने प्रकार की पहली पहल बताया।

मस्क ने लिखा, 'अगले साल, मैं अमेरिका के हर बच्चे को अपने स्पेसएक्स का एक शेयर दूंगा। यह अपने प्रकार पहली पहल होगी।'

यह घोषणा ऐसे समय में हुई है, जब मस्क निजी एयरोस्पेस और सैटेलाइट कंपनी स्पेसएक्स के सबसे बड़े शेयरधारक बने हुए हैं। हाल ही में नियामकीय दस्तावेज में दी गई जानकारी के अनुसार, 30 जून तक स्पेसएक्स में मस्क की 48.4 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। दस्तावेज के अनुसार, स्पेसएक्स में मस्क के पास लगभग 6.42 अरब



शेयर हैं। उनकी हिस्सेदारी में 84.95 करोड़ क्लास ए शेयर और ट्रस्ट के माध्यम से रखे गए 3.92 अरब क्लास बी शेयर शामिल हैं, जिनमें वह ट्रस्टी के रूप में कार्य करते हैं।

इसके अलावा, मस्क के पास सीधे तौर पर लगभग 1.30 अरब प्रतिबंधित क्लास बी शेयर हैं। साथ ही, उनके पास स्टॉक ऑप्शन से जुड़े अधिकार भी हैं, जिनके तहत 35 करोड़ अन्य क्लास बी शेयर शामिल हैं।

मस्क ने प्रस्तावित शेयर वितरण को लागू करने के तरीके के बारे में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी। इसमें पात्रता के मानदंड, समयसीमा, नियामकीय मंजूरी और शेयर सीधे लाभार्थियों को हस्तांतरित किए जाएंगे या ट्रस्ट के माध्यम से दिए जाएंगे, जैसे पहलू शामिल हैं।

स्पेसएक्स दुनिया की सबसे मूल्यवान निजी कंपनियों में से एक है। इसका कारोबार वाणिज्यिक रॉकेट प्रक्षेपण सेवाओं, स्टारलिंक के जरिए सैटेलाइट इंटरनेट और मानव अंतरिक्ष उड़ान अभियानों तक फैला हुआ है।

इस बीच, पिछले सप्ताह मस्क ने अपनी रोडस्टर स्पोर्ट्स कार का नया वर्जन पेश किया। इसमें कार टेक्सास स्थित स्पेसएक्स के एक सेंटर में दौड़ने के दौरान कुछ समय के लिए जमीन से ऊपर उठ गई

मस्क द्वारा एक्स पर साझा की गई एक सोशल मीडिया पोस्ट में इसे दिखाया गया। इसमें कार एक ऊंचे, घुमावदार ट्रैक पर आगे बढ़ने के बाद थोड़ी दूरी तक हवा में उड़ा और फिर सुरक्षित रूप से जमीन पर उतर गया। इस प्रदर्शन की तुलना उड़ने वाली कार से की गई।

यूनियन बैंक का मुनाफा दूसरी तिमाही में 32 प्रतिशत बढ़ा, एनपीए घटा

विश्व केसरी

मुंबई। सरकारी क्षेत्र के यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने सोमवार को वित्त वर्ष 27 के दूसरी तिमाही के नतीजे जारी किए। बैंक का कंसोलिडेटेड मुनाफा सालाना आधार पर 32 प्रतिशत बढ़कर 5,781 करोड़ रुपए हो गया है, जो कि पिछले साल की समान अवधि में 4,425 करोड़ रुपए था।

सितंबर तिमाही में बैंक की शुद्ध ब्याज से आय (एनआईआई) सालाना आधार पर 20 प्रतिशत बढ़कर 10,582 करोड़ रुपए हो गई है, जो कि पिछले साल की समान अवधि में 8,813 करोड़ रुपए थी।

बैंक का कंसोलिडेटेड परिचालन से मुनाफा चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर अवधि में सालाना आधार पर करीब 19 प्रतिशत बढ़कर 8,150 करोड़ रुपए हो गया है, जो कि पिछले साल की समान अवधि में 6,844 करोड़



रुपए था। वित्त वर्ष 27 की दूसरी तिमाही में बैंक की एसेट क्वालिटी में बड़ा सुधार देखने को मिला है। बैंक का ग्रॉस एनपीए कम होकर 2.42 प्रतिशत हो गया है, जो कि पिछली तिमाही में 2.65 प्रतिशत और एक साल पहले समान अवधि में 3.29 प्रतिशत था।

इस दौरान नेट एनपीए में भी गिरावट देखने को मिली है। बैंक का नेट एनपीए घटकर 0.42 प्रतिशत हो गया है, जो कि पिछली तिमाही में 0.47 प्रतिशत और एक साल पहले समान अवधि में 0.55 प्रतिशत था।

बैंक के कैपिटल एडिक्वेसी रेशियो सितंबर तिमाही में 18.61 प्रतिशत रहा है, जो कि पिछली साल की समान अवधि में 17.70 प्रतिशत था। हालांकि, इसमें तिमाही आधार पर कमी देखने को मिली है और यह जून तिमाही में 19.15 प्रतिशत पर था।

बैंक की नेटवर्थ में भी सितंबर तिमाही में उछाल देखने को मिला है और यह सालाना आधार पर 14.57 प्रतिशत बढ़कर 1,34,105 करोड़ रुपए हो गई है। जून तिमाही में यह 1,28,928 करोड़ रुपए पर थी। वहीं, पिछले साल की समान अवधि में यह 1,17,044 करोड़ रुपए पर थी। नतीजों के बाद यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के शेयर में उछाल दर्ज किया गया और यह दोपहर 1:50 पर 5.39 प्रतिशत की तेजी के साथ 180.75 रुपए पर था। बीते एक महीने में शेयर ने करीब 2 प्रतिशत, इस साल की शुरुआत से अब तक 17 प्रतिशत, बीते एक साल में करीब 32 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

दक्षिण कोरिया की प्रमुख कॉफी चेन हॉलीज पर साइबर हमले से 27.6 लाख ग्राहकों की निजी जानकारी लीक



विश्व केसरी

सोल। दक्षिण कोरिया की प्रमुख कॉफी चेन हॉलीज के ग्राहक डेटा को साइबर हमले के जरिए लीक कर दिया गया है। कंपनी ने सोमवार को इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि उसके सदस्यता कार्यक्रम (मेंबरशिप प्रोग्राम) से जुड़ी जानकारी हैकरों के हाथ लग गई। यह हाल के महीनों में दक्षिण कोरिया की कंपनियों पर हुए साइबर हमलों की श्रृंखला की ताजा घटना है।

कंपनी की वेबसाइट पर जारी नोटिस के अनुसार, 3 सितंबर से 7 अक्टूबर के बीच हैकरों ने अनधिकृत रूप से सिस्टम में प्रवेश किया और लगभग 27.6 लाख ग्राहकों की व्यक्तिगत जानकारी चुरा ली। लीक हुए डेटा में ग्राहकों की जन्मतिथि, मोबाइल नंबर, पते और ईमेल आईडी जैसी जानकारियां शामिल हैं।

कंपनी ने कहा, 'हमारी समझ के अनुसार लीक हुआ डेटा वर्तमान में उपयोग किए जा रहे ग्राहक डेटाबेस का नहीं, बल्कि सदस्यता सेवा में पहले किए गए बदलाव के दौरान इस्तेमाल की गई अस्थायी डेटा फाइलों का हिस्सा है।' कंपनी ने यह भी कहा कि घटना की वास्तविक सीमा का पता लगाने के लिए जांच अभी जारी है।

नोटिस में कहा गया, 'इस घटना से ग्राहकों की चिंता बढ़ी है, जिसके लिए हम ईमानदारी से क्षमा चाहते हैं। हम ग्राहक डेटा की सुरक्षा और इस डेटा लीक से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।'

हॉलीज में हुई यह साइबर सुरक्षा घटना ऐसे समय में सामने आई है, जब इसी महीने दक्षिण कोरिया की कई वित्तीय संस्थाओं में भी ग्राहकों की जानकारी लीक होने की घटनाएं सामने आई हैं।

वित्तीय नियामकों के अनुसार, शुक्रवार तक 16 वित्तीय संस्थानों में करीब एक लाख मामलों में व्यक्तिगत जानकारी लीक होने की आशंका जताई गई है।

दक्षिण कोरिया में करीब 530 आउटलेट्स संचालित करने वाली हॉलीज का स्वामित्व केजी ग्रुप के पास है, जिसका कारोबार इस्पात निर्माण, ऑटोमोबाइल निर्माण और लॉजिस्टिक्स सेवाओं सहित कई क्षेत्रों में फैला हुआ है।

पिछले सप्ताह भी वित्तीय नियामक ने बताया था कि हालिया हैकिंग घटनाओं में ईमेल आईडी, नाम और फोन नंबर जैसी व्यक्तिगत जानकारियों के करीब एक लाख मामले प्रभावित हो सकते हैं।

इस महीने की शुरुआत में केबी कूकमिन बैंक, शिनहान बैंक समेत कई वित्तीय संस्थानों में ग्राहकों और अन्य संवेदनशील सूचनाओं के लीक होने की घटनाएं सामने आई थीं।

वित्तीय सेवा आयोग (एफएससी) ने कहा है कि प्रभावित संस्थान यह जांच कर रहे हैं कि कहीं डेटा लीक के और मामले तो नहीं हुए हैं। हालांकि आयोग ने स्पष्ट किया कि बैंक खाता संख्या, क्रेडिट कार्ड नंबर और अन्य अत्यधिक संवेदनशील वित्तीय जानकारी लीक नहीं हुई है।

भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौता आज से होगा लागू, व्यापार और निवेश को मिलेगा बड़ा बढ़ावा: वाणिज्य सचिव

विश्व केसरी

नई दिल्ली। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने सोमवार को कहा कि भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) 20 अक्टूबर से लागू हो जाएगा, जिससे दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को मजबूत करने, नियामकीय सहयोग को तेज करने और निवेश प्रवाह बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त होगा।

समझौते के महत्व पर प्रकाश डालते हुए वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि एफटीए केवल शुल्कों में कटौती तक सीमित नहीं होते, बल्कि वे व्यापार, निवेश और आपूर्ति श्रृंखला एकीकरण को बढ़ावा देने वाली गहरी और दीर्घकालिक आर्थिक साझेदारियां विकसित करने का माध्यम होते हैं। उन्होंने कहा, 'एफटीए का उद्देश्य गहरी आर्थिक साझेदारी तैयार करना है।'

वाणिज्य सचिव ने कहा कि ऐसे समझौते नियामकीय मंजूरियों की प्रक्रिया को तेज करने और साझेदार देशों के बीच कारोबार सुगमता बढ़ाने में भी मदद करते हैं। उन्होंने बताया कि भारत मजबूत और लचीली वैश्विक आपूर्ति



श्रृंखलाएं विकसित करने तथा भारतीय कंपनियों के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच बढ़ाने की व्यापक रणनीति के तहत कई मुक्त व्यापार समझौतों पर काम कर रहा है। अग्रवाल ने कहा कि भारत-न्यूजीलैंड एफटीए दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को नई मजबूती देगा और सरकार आने वाले वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य लेकर चल रही है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अनुसार, यह समझौता निवेश के क्षेत्र में भी बड़े अवसर खोलने वाला माना जा रहा है। एफटीए के जरिए कृषि, विनिर्माण, बुनियादी ढांचे और स्टार्टअप्स समेत विभिन्न क्षेत्रों में न्यूजीलैंड से भारत में 20 अरब डॉलर तक के निवेश का रास्ता खुल सकता है। भारत के सेवा क्षेत्र को भी इस समझौते से व्यापक लाभ मिलने की उम्मीद है। सूचना प्रौद्योगिकी, पेशेवर सेवाएं, निर्माण, पर्यटन और ऑडियो-विजुअल सेवाओं जैसे क्षेत्रों को न्यूजीलैंड के बाजार में अधिक पहुंच मिलेगी। समझौते के तहत भारतीय पेशेवरों के लिए विशेष वीजा कोटा की व्यवस्था की गई है। साथ ही भारतीय छात्रों के लिए पढ़ाई पूरी करने के बाद काम करने के अधिकारों का विस्तार किया गया है, जिससे रोजगार के नए अवसर उपलब्ध होंगे।

रायपुर के सरोना में खुला विश्वप्रसिद्ध याकोहामा क्लब नेटवर्क स्टोर

विश्व केसरी

रायपुर (संवाददाता)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के वाहन स्वामियों और कार प्रेमियों के लिए के सरोना क्षेत्र में अपने बेहद भव्य और आधुनिक याकोहामा क्लब नेटवर्क स्टोर का आधिकारिक शुभारंभ किया। इस हाई-टेक स्टोर की शुरुआत योकोहामा के विश्वसनीय पार्टनर सद्गुरु ऑटोमोबाइल्स द्वारा की गई है। जो कि रायपुर शहर में उनका दूसरा सबसे बड़ा और भव्य आउटलेट है। अपने विशाल आकर्षण का केंद्र बन गया है।

इस भव्य उद्घाटन समारोह के विशेष अवसर पर सिद्धार्थ गवेल मुख्य अतिथि शोरूम परिसर, अत्याधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और प्रीमियम लुक के कारण यह स्टोर खुलते ही क्षेत्र में चर्चा और के रूप में उपस्थित रहे। जिनकी गरिमामयी मौजदगी में फीता काटकर इस शोरूम को आम जनता और ग्राहकों की सेवा में समर्पित किया गया।



इस नए और विशाल स्टोर को खोलने का मुख्य उद्देश्य रायपुर सहित पूरे छत्तीसगढ़ के ग्राहकों को एक ही छत के नीचे विश्वस्तरीय टायर तकनीक, प्रीमियम उत्पाद और उत्कृष्ट कस्टमर सर्विस प्रदान करना है। उल्लेखनीय है कि योकोहामा ब्रांड अपनी उन्नत जापानी तकनीक, बेजोड़ गुणवत्ता, मजबूती और नवाचार के लिए पूरी दुनिया में जाना जाता है। सरोना स्थित इस आधुनिक स्टोर की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यहाँ ग्राहकों को उनकी गाड़ियों के मॉडल और उनकी ड्राइविंग प्राथमिकताओं के अनुसार सही टायर चुनने के लिए विशेषज्ञों का विशेष मार्गदर्शन मिलेगा। इस शोरूम में पैसेंजर कारों से लेकर एसयूवी गाड़ियों तक के प्रीमियम टायर्स की पूरी श्रृंखला प्रदर्शित की गई है, जिससे ग्राहकों को चुनाव करने में काफी आसानी होगी। इसके साथ ही, स्टोर में गाड़ियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए व्हील अलाइनमेंट और व्हील बैलेंसिंग के लिए दुनिया की सबसे एडवांस और हाई-टेक मशीनें भी लगाई गई हैं। इस महत्वपूर्ण अवसर पर अपनी खुशी व्यक्त करते हुए सद्गुरु ऑटोमोबाइल्स के प्रतिनिधि ने मीडिया को बताया कि यह नया आउटलेट हमारी विस्तार यात्रा में एक अत्यंत महत्वपूर्ण उपलब्धि है। रायपुर के ग्राहकों ने हमेशा गुणवत्ता, सुरक्षा और भरोसे को प्राथमिकता दी है, और हमारा लक्ष्य इस नए स्टोर के माध्यम से उन्हें न सिर्फ बेहतरीन उत्पाद देना है, बल्कि टायर खरीदी और गाड़ियों के मेंटेनेंस का एक वर्ल्ड-क्लास अनुभव प्रदान करना है। उन्होंने आगे कहा कि हमें पूरा विश्वास है कि यह आउटलेट रायपुर के प्रीमियम टायर बाजार को एक बिल्कुल नई, आधुनिक और बेहद मजबूत पहचान देगा।

टाइगर श्रॉफ की तरह ऐसे बनाएं मस्कुलर बॉडी, नोट कर लें इनकी वर्कआउट रूटीन



टाइगर श्रॉफ की तरह मस्कुलर बॉडी बनाना चाहते हैं? जानिए उनके वर्कआउट रूटीन में कार्डियो, किकबॉक्सिंग और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग की क्या भूमिका है और फिटनेस के लिए किन बातों का ध्यान रखना चाहिए.

बीते रात बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ को 3 बाइक सवारों ने गोली मारने की कोशिश की, जिसमें उनके ड्राइवर और फैंस घायल हुए हैं. इस पूरे मामले की जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली है. टाइगर श्रॉफ अपनी फिटनेस, मस्कुलर बॉडी और शानदार एक्शन के लिए जाने जाते हैं. उनकी फिटनेस के पीछे नियमित वर्कआउट, कार्डियो, मार्शल आर्ट्स और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग जैसी गतिविधियों का अहम योगदान है. टाइगर की ट्रेनिंग का फोकस सिर्फ मसल्स बनाने पर नहीं, बल्कि शरीर की ताकत, फुर्ती, स्टैमिना और लचीलापन बनाए रखने पर भी रहता है. अगर आप भी फिट और मजबूत शरीर बनाना चाहते हैं, तो उनके वर्कआउट रूटीन से कुछ बातें सीख सकते हैं.

टाइगर श्रॉफ का वर्कआउट रूटीन कैसा है?

Esquire India से बातचीत में टाइगर श्रॉफ ने दिन के अलग-अलग समय में Physical Activity करने के बारे में बताया है. एनडीटीवी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, उनकी दिनचर्या में सुबह करीब 45 मिनट कार्डियो करना शामिल है. इसके बाद वह किकबॉक्सिंग या डांस जैसी गतिविधियों के जरिए अपनी फिटनेस और मूवमेंट पर काम करते हैं. आराम करने के बाद वह दिन के दूसरे हिस्से में वेट ट्रेनिंग भी करते हैं. इसके अलावा फुटबॉल, क्रिकेट और बास्केटबॉल जैसे खेल भी उनकी फिटनेस दिनचर्या का हिस्सा रहे हैं.

बीते रात बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ को 3 बाइक सवारों ने गोली मारने की कोशिश की, जिसमें उनके ड्राइवर और फैंस घायल हुए हैं. इस पूरे मामले की जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली है. टाइगर श्रॉफ अपनी फिटनेस, मस्कुलर बॉडी और शानदार एक्शन के लिए जाने जाते हैं. उनकी फिटनेस के पीछे नियमित वर्कआउट, कार्डियो, मार्शल आर्ट्स और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग जैसी गतिविधियों का अहम योगदान है. टाइगर की ट्रेनिंग का फोकस सिर्फ मसल्स बनाने पर नहीं, बल्कि शरीर की ताकत, फुर्ती, स्टैमिना और लचीलापन बनाए रखने पर भी रहता है. अगर आप भी फिट और मजबूत शरीर बनाना चाहते हैं, तो उनके वर्कआउट रूटीन से कुछ बातें सीख सकते हैं.

टाइगर श्रॉफ का वर्कआउट रूटीन कैसा है?

Esquire India से बातचीत में टाइगर श्रॉफ ने दिन के अलग-अलग समय में Physical Activity करने के बारे में बताया है. एनडीटीवी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, उनकी दिनचर्या में सुबह करीब 45 मिनट कार्डियो करना शामिल है. इसके बाद वह किकबॉक्सिंग या डांस जैसी गतिविधियों के जरिए अपनी फिटनेस और मूवमेंट पर काम करते हैं. आराम करने के बाद वह दिन के दूसरे हिस्से में वेट ट्रेनिंग भी करते हैं. इसके अलावा फुटबॉल, क्रिकेट और बास्केटबॉल जैसे खेल भी उनकी फिटनेस दिनचर्या का हिस्सा रहे हैं।

भोजपुर की फेमस शुद्ध खोए की बर्फी, 1982 में 2 किलो से शुरू किया, अब रोज 40 किलो बिक्री



जिले में आरा शहर से लगभग 40 किलोमीटर दूर पिरो अनुमंडल मुख्यालय के समीप स्थित मलौर गांव अपनी खास और स्वादिष्ट बर्फी के लिए जाना जाता है. बिहार के भोजपुर जिले का मलौर गांव अपनी शुद्ध खोए की बर्फी के लिए पूरे क्षेत्र में प्रसिद्ध हो गया है. स्वाद और गुणवत्ता के दम पर इस मिठाई ने दुकान संचालक अशोक कुमार को नई पहचान दी है.

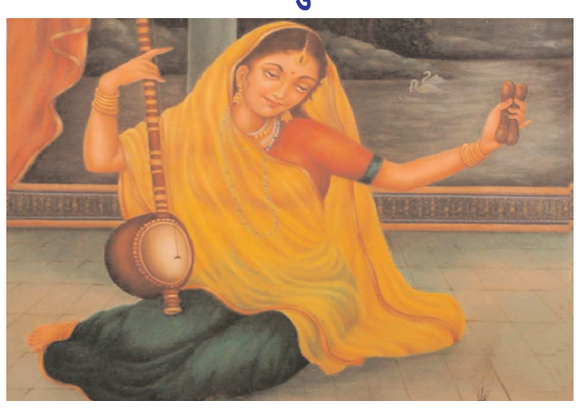
अब इसे रेलवे स्टेशन पर भी उपलब्ध कराने की तैयारी है. आरा-पिरो मुख्य मार्ग पर स्थित साधु मिष्ठान भंडार के संस्थापक अशोक कुमार ने वर्ष 1982 में इस दुकान की शुरुआत की थी, जो आज इस गांव की पहचान बन चुकी है.

अशोक कुमार बताते हैं कि जब उन्होंने दुकान शुरू की थी. तब रोजाना मुश्किल से 2 या 3 किलो बर्फी ही बिक पाती थी. समय के साथ बर्फी के स्वाद और शुद्धता ने लोगों का दिल जीत लिया और आज यहां रोजाना लगभग 40 किलो बर्फी तैयार की जाती है.

वर्तमान में दुकान पर हर दिन करीब 15000 रुपये की बर्फी व पेड़े की बिक्री होती है. बाजार में इस प्रसिद्ध बर्फी की कीमत 350 रुपये प्रति किलोग्राम है. जिसे लोग इसकी शुद्धता के कारण पसंद करते हैं। बर्फी के लाजवाब स्वाद के कारण पहले मलौर गांव प्रसिद्ध हुआ. फिर अशोक कुमार को पूरे पंचायत में खास पहचान मिली. उनकी इस पहचान और ग्रामीणों के भरोसे के कारण स्थानीय लोगों ने उन्हें अपने पंचायत का मुखिया चुन लिया.

मलौर की इस प्रसिद्ध बर्फी की मांग और लोकप्रियता को देखते हुए अब इसे बड़े स्तर पर बढ़ावा दिया जा रहा है. भारतीय रेलवे की एक स्टेशन एक उत्पाद योजना के तहत इस बर्फी को पिरो रेलवे स्टेशन पर बेचने और इसका आउटलेट लगाने की तैयारी की जा रही है, ताकि यात्री भी इसका स्वाद ले सकें।

माउंट आबू की इस झोपड़ी में 12 साल रहीं मीराबाई, पर्यटकों के लिए बन चुकी है खास पहचान



राजस्थान के सिरोही जिले में स्थित माउंट आबू के अचलगढ़ क्षेत्र का मीराबाई से जुड़ा एक ऐसा स्थान है, जहां भक्ति और वैराग्य की लोककथाएं आज भी प्रचलित हैं. मान्यता है कि अचलगढ़ किले के पास पहाड़ी पर बनी एक झोपड़ी में भक्त शिरोमणि मीराबाई ने 12 वर्षों तक भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति और तपस्या की थी. स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, महाराणा कुंभा के महल का वैभव छोड़कर उन्होंने एकांत में भक्ति का मार्ग चुना. झोपड़ी के पास स्थित सावन-भादो कुंड को लेकर भी लोककथा प्रचलित है कि इसका निर्माण कृष्ण विरह में मीराबाई के आंसुओं से हुआ था. आज भी यह स्थान मीराबाई की झोपड़ी के नाम से पहचाना जाता है. यहां मीराबाई की मूर्ति के साथ अचलगढ़ किले के अवशेष और प्राचीन धार्मिक स्थल भी मौजूद हैं.

भगवान श्री कृष्ण की अनन्य भक्त और मारवाड़ की मीराबाई का सिरोही के हिल स्टेशन आबूराज (माउंट आबू) से भी नाता है. यहां एक पहाड़ी पर बनी झोपड़ी में रहकर उन्होंने कई वर्षों तक तपस्या कर भगवान कृष्ण की भक्ति की थी. राजस्थान के प्रसिद्ध पर्वतीय पर्यटन स्थल आबूराज से करीब 7 किलोमीटर दूर स्थित अचलगढ क्षेत्र में पहाड़ी पर बने अचलगढ़ के किले के पास ही एक झोपड़ी बनी हुई है.

माना जाता है कि इसी स्थान पर भक्त शिरोमणि मीराबाई ने 12 वर्षों तक भक्ति की थी. स्थानीय रहवासी दिलीप भाई ने बताया कि पास में ही महाराणा कुम्भा का महल होने और कुम्भा के पड़पोते से ही मीराबाई का विवाह हुआ था. इसके बावजूद यहां उन्होंने महल का वैभव छोड़कर एक झोपड़ी में रहकर भगवान की भक्ति की. इस वजह से आज भी इस स्थान को मीराबाई की झोपड़ी के नाम से पहचाना जाता है।

कहीं व्रत में आप भी तो नहीं खा रहे खराब कुट्टू का आटा? खरीदते समय इन बातों का रखें ध्यान



त्योहारों और व्रत के सीजन में कुट्टू का आटा खरीदते समय थोड़ी सी लापरवाही सेहत पर भारी पड़ सकती है. बलिया में मडुआ का आटा खाने से 50 से अधिक महिलाओं की तबीयत बिगड़ने के बाद खाद्य सुरक्षा विभाग अलर्ट हो गया है. विभाग ने कुट्टू के आटे और अन्य फलाहारी उत्पादों की जांच के लिए सैंपल लेने शुरू कर दिए हैं. वहीं, विशेषज्ञों ने ग्राहकों को आटे की गंध, रंग, पैकेजिंग और एक्सपायरी डेट जांचने की सलाह दी है. जानिए, कुट्टू का आटा खरीदते समय किन बातों का ध्यान रखें और मिलावट की आशंका होने पर कैसे सतर्क रहें.

व्रत के लिए कुट्टू का आटा खरीद रहे हैं, तो उसकी गुणवत्ता जांचना न भूलें. त्योहारों के सीजन में फलाहार की मांग बढ़ने के साथ पुराना या खराब आटा बिकने की आशंका भी रहती है. ऐसे में आटे की गंध, रंग और पैकेट पर लिखी जानकारी पर ध्यान देना जरूरी है. खराब आटा खाने से सेहत बिगड़ सकती है, इसलिए खरीदारी करते समय थोड़ी सावधानी बरतना जरूरी है.

हाल ही में बलिया जिले में जीवित्पुत्रिका व्रत के दौरान मडुआ का आटा खाने से 50 से अधिक महिलाओं की तबीयत बिगड़ गई थी. इस घटना के बाद जिला प्रशासन और खाद्य एवं औषधि विभाग अलर्ट हो गए हैं. खाद्य सुरक्षा विभाग ने शहर के अलग-अलग गोदामों में जांच अभियान शुरू किया है और कुट्टू के आटे समेत दूसरे फलाहारी उत्पादों के सैंपल लिए जा रहे हैं.

गंध और रंग से ऐसे पहचानें खराब कुट्टू का आटा

बलिया के रहने वाले शिवकुमार सिंह कौशिकेय के मुताबिक, कुट्टू का आटा व्रत में फलाहार के रूप में खाया जाता है. यह लंबे समय तक पेट भरा रखने में मदद करता है. हालांकि, पिछले व्रत का बचा हुआ पुराना या खराब आटा इस सीजन में बेचा जाए, तो इससे सेहत से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं. कुट्टू का आटा खरीदते समय उसके रंग और गंध पर ध्यान दें. ताजा आटा आमतौर पर हल्का भूरा और दानेदार होता है. उसमें से प्राकृतिक गंध आती है, जबकि बासी या खराब आटे में तीखी या खट्टी गंध आ सकती है. इसलिए आटा खरीदते समय उसकी गंध जरूर जांचें. अगर आटे में असामान्य गंध आए या उसमें नमी और फफूंद दिखाई दे, तो उसे न खरीदें.

कुट्टू के आटे की गुणवत्ता जांचने में न करें ये गलती

शिवकुमार सिंह कौशिकेय ने बताया कि असली कुट्टू का आटा छूने में हल्का दानेदार, मुलायम और थोड़ा चिपचिपा हो सकता है. उन्होंने आटे को पानी में डालकर देखने की बात भी कही है. हालांकि, सिर्फ पानी में आटे के नीचे बैठने या ऊपर तैरने से उसकी शुद्धता का पक्का पता नहीं लगाया जा सकता. इसी तरह, घरेलू जांच के आधार पर भी आटे को पूरी तरह सुरक्षित नहीं माना जा सकता।

आंवले का अचार या मुरब्बा नहीं, इस बार ट्राई करें झन्नाटेदार चटपटी चटनी, खाने का बढ़ जाएगा स्वाद



खाने के साथ कुछ खट्टा-तीखा मिल जाए, तो स्वाद और बढ़ जाता है. ऐसे में आंवले की चटनी एक अच्छा विकल्प है, जिसे घर पर आसानी से तैयार किया जा सकता है. गोंडा की संजू मिश्रा ने आंवले की चटनी बनाने का आसान तरीका बताया है. इसे बनाने के लिए आंवला, हरा धनिया, हरी मिर्च, लहसुन, अदरक और कुछ मसालों की जरूरत पड़ती है. सभी सामग्री को सिलबट्टे या मिक्सर में पीसकर चटनी तैयार की जा सकती है. इसे रोटी, पराठे और दाल-चावल के साथ खा सकते हैं. जानिए, आंवले की चटनी बनाने के लिए किन चीजों की जरूरत होगी और इसे बनाने का सही तरीका क्या है.

अगर आप रोजाना के खाने में कुछ चटपटा और स्वादिष्ट खाना चाहते हैं, तो आंवले की खट्टी-तीखी चटनी बना सकते हैं. यह रोटी, पराठे और दाल-चावल के साथ खाने का स्वाद बढ़ा देती है. इसे घर पर आसानी से बनाया जा सकता है और इसके लिए ज्यादा सामग्री की जरूरत भी नहीं पड़ती.

लोकल 18 से बातचीत के दौरान संजू मिश्रा बताती हैं कि आंवले की चटनी बनाने के लिए घर में मौजूद सामान्य सामग्री का इस्तेमाल किया जा सकता है. इसमें आंवले के साथ हरा धनिया, हरी मिर्च, लहसुन और कुछ मसाले डाले जाते हैं. इन सभी चीजों को पीसकर आप घर पर स्वादिष्ट चटनी तैयार कर सकते हैं.

आंवले की चटनी बनाने के लिए सामग्री

आंवले की चटनी बनाने के लिए 4 से 5 आंवले, एक कटोरी हरा धनिया, 2 से 3 हरी मिर्च, 5 से 6 लहसुन की कलियां, आधा चम्मच जीरा, आधा चम्मच सौंफ, कुछ करी पत्ते, अदरक का एक छोटा टुकड़ा और स्वादानुसार नमक लें।

लुई विटॉन से डायर तक, फ्रांस में लूटे गए लग्जरी ब्रांड्स के बैग-कपड़े, कीमत जानकर रह जाएंगे हैरान



फ्रांस में 17 अक्टूबर 2026 को महंगाई और लाइफस्टाइल की चीजों की बढ़ती कीमतों के खिलाफ हुए प्रदर्शनों के दौरान कई शहरों में हिंसा, तोड़फोड़ और दुकानों में लूटपाट की घटनाएं सामने आईं. फ्रांस के होम मिनिस्ट्री के अनुसार, लगभग 1500 दुकानों में लूट हुई है. इनमें लुई वितों, डायर, बर्बेरी, सेलीन, केन्जो और लैकोस्ट जैसे बड़े ब्रांड्स की दुकानें भी शामिल हैं.

फैशन की दुनिया में लुई वितों, डायर, बर्बेरी, सेलीन, केन्जो और लैकोस्ट जैसे ब्रांड्स की पहचान उनके महंगे कपड़ों, डिजाइनर बैग, जूतों और एक्सेसरीज के लिए है. इनके कई प्रोडक्ट्स की कीमत हजारों से लेकर लाखों रुपये तक होती है. आइए जानते हैं इनके प्रोडक्ट्स की बाजार में अनुमानित कीमत कितनी है.

फ्रांस के मशहूर लग्जरी ब्रांड लुई वितों की दुकानों को भी नुकसान पहुंचाया गया. ये फ्रांस का एक मशहूर लग्जरी फैशन ब्रांड है, जिसकी शुरुआत साल 1854 में पेरिस में हुई थी. अक्टूबर 2026 तक ये ब्रांड लगभग 172 साल पुराना हो चुका है. आज ये अपने महंगे हैंडबैग, डिजाइनर कपड़ों, जूतों, घड़ियों और एक्सेसरीज के लिए दुनिया भर में मशहूर है. शुरुआत में Louis Vuitton यात्रा के दौरान सामान रखने के लिए मजबूत और हल्के ट्रंक बनाता था. Louis Vuitton के एक लेदर बैग को तैयार करने के लगभग 250 प्रोसेस से गुजारा जाता है. इसके बैग की कीमत आमतौर पर लगभग 2 लाख रुपये से शुरू होकर कई लाख रुपये तक जा होती है.

Dior फ्रांस का एक मशहूर लग्जरी फैशन ब्रांड है, जिसकी स्थापना 1946 में डिजाइनर क्रिश्चियन डायर ने की थी. इसके पहले फैशन कलेक्शन को 12 फरवरी 1947 को पेश किया गया था. इस कलेक्शन ने महिलाओं के फैशन को एक नई पहचान दी, जिसे न्यू लुक (New Look) के नाम से जाना गया. Dior का Lady Dior बैग दुनिया के पॉप्युलर डिजाइनर बैग में शामिल है. 1990 के दशक में प्रिंसेस डायना ने भी इस बैग को यूज किया था. Dior आज लग्जरी कपड़ों, हैंडबैग, जूतों, ज्वेलरी, घड़ियों, परफ्यूम और मेकअप के लिए जाना जाता है. इसके डिजाइनर बैग की कीमत लगभग 3 लाख रुपये से लेकर 6 लाख रुपये या इससे अधिक होती है. वहीं, परफ्यूम की कीमत 14000 से शुरू होती है.

बर्बेरी (Burberry)- ब्रिटिश फैशन ब्रांड बर्बेरी की दुकान भी जनता के गुस्सा का निशाना बनी. इसकी पहचान खास चेक पैटर्न वाले स्कार्फ, ट्रेंच कोट और लग्जरी कपड़ों से है.170 साल पुराना ब्रांड Burberry की शुरुआत 1856 में इंग्लैंड के बेसिंगस्टोक में थॉमस बर्बेरी ने की थी. Burberry का बेज, काला, लाल और सफेद चेक पैटर्न 1920 के दशक में रेनकोट की लाइनिंग के रूप में आया था. बाद में यही पैटर्न स्कार्फ और अन्य एक्सेसरीज की पहचान बन गया. बर्बेरी के स्कार्फ की कीमत लगभग 40 हजार से 1 लाख रुपये तक आती है, जबकि इसके कोट की कीमत इससे काफी ज्यादा होती है.

सेलीन (Celine)- पेरिस के एवेन्यू मोंटेन में सेलीन के स्टोर में लूटपाट की खबर सामने आई है. ये ब्रांड अपने मिनिमलिस्ट डिजाइन, लग्जरी हैंडबैग और प्रीमियम कपड़ों के लिए जाना जाता है. इसके कई डिजाइनर बैग की कीमत लगभग 1.5 लाख से 4 लाख रुपये से शुरू होती है.

केन्जो (Kenzo)- केन्जो के स्टोर की खिड़कियां तोड़कर सामान लूटे जाने की खबर भी सामने आई. ये ब्रांड अपने रंगीन प्रिंट, लोगो वाली स्वेटशर्ट और स्ट्रीटवियर के लिए जाना जाता है. इसकी स्वेटशर्ट और जैकेट की कीमत मॉडल के अनुसार लगभग 20 हजार से 70 हजार रुपये तक होती है।



मॉम-टू-बी सामंथा की छोटे पर्दे पर वापसी, 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ तमिल' करेंगी होस्ट

मुंबई । अभिनेत्री सामंथा रूथ प्रभु तमिल कुर्किंग रियलिटी शो 'सेलिब्रिंटी मास्टरशेफ तमिल' की होस्ट के रूप में छोटे पर्दे पर वापसी कर रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि वह बचपन में अपनी मां के साथ 'मास्टरशेफ' देखा करती थीं।



"मां के साथ 'मास्टरशेफ' देखना हमारा खास बॉन्डिंग टाइम था"

अभिनेत्री ने यह भी माना कि वह हमेशा इस शो का हिस्सा बनना चाहती थीं। उन्होंने कहा, "शो का हिस्सा होना वाकई में मेरे लिए खास है, क्योंकि जब मैं छोटी थी, तो 'मास्टरशेफ' हमारे परिवार के लिए फैमिली शो हुआ करता था। मैं और मॉम हमेशा साथ में 'मास्टरशेफ' देखते थे और वही हमारा बॉन्डिंग टाइम होता था। कई सालों बाद 'सेलिब्रिंटी मास्टरशेफ तमिल' में सेलिब्रिंटी जज बनना कुछ ऐसा है, जो मैंने कभी सोचा भी नहीं था। मैंने कभी नहीं सोचा था कि ऐसा होगा। इसलिए यह मेरे लिए बेहद खास है।"

उन्होंने आगे कहा, "मैं हमेशा से ऐसे शो का हिस्सा बनना चाहती थी, जो टीवी पर पूरे परिवार के साथ देखा जा सके और यह मेरे लिए बिल्कुल परफेक्ट शो है। इसका हिस्सा बनकर मैं बेहद खुश हूं।"

होस्ट और जजेस की दमदार टीम

'सेलिब्रिंटी मास्टरशेफ तमिल' में अभिनेत्री सामंथा रूथ प्रभु होस्ट और शो रनर के रूप में लीड कर रही हैं। उनके साथ आरजे विजय भी होस्ट के तौर पर नजर आएंगे। शो में खाने का जायका परखने और फैसला करने के लिए शेफ वेंकटेश भट, शेफ शशि चेलिया और शेफ श्रेया अडका जजों के रूप में होंगे। वहीं, कंटेस्टेंट्स की लिस्ट में अभि, बालाजी मुरुगादॉस, बीना, जननी अशोक, मारिया जूलियाना, मांघिर्वियम बाला, रवि मार्सिया, रेशमी मेनन, आरजे दीपक, शियारा, सिद्धार्थ और विनोथिनी शामिल हैं।

सोनी विझा और सोनी लिव पर होगा प्रीमियर

'सेलिब्रिंटी मास्टरशेफ तर्मिल' शो का निर्माण 'बनिंजय एशिया' ने किया हैं। इसका प्रीमियर सोमवार को रात 8 बजे सोनी विझा और सोनी लिंव पर होगा।

मातृत्व के नए दौर में हैं सामंथा

अभिनेत्री सामंथा रूथ प्रभु इस समय अपनी प्रेग्नेंसी और मातृत्व के नए खूबसूरत दौर में हैं। उन्होंने जून 2026 में अपनी प्रेग्नेंसी की आधिकारिक पुष्टि की थी। अभिनेत्री और पति फिल्मकार राज निर्दिमोरू अपने पहले बच्चे का स्वागत करने वाले हैं।
सामंथा ने यह खबर अपनी फिल्म 'मा इंन्टी बंगाराम' की सफलता के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में साझा की थी। इसके साथ ही उन्होंने यह भी बताया था कि वह कुछ समय के लिए अभिनय से दूरी बनाएंगी और मातृत्व अवकाश लेंगी।

'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' के 14 साल, धर्मा प्रोडक्शन ने यूं मनाया जश्न



विश्व केसरी ■

मुंबई। निर्देशक करण जौहर की आइकॉनिक लव ट्रायंगल फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' ने रिलीज के 14 साल पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर मेकर्स ने फिल्म से जुड़ी पुरानी यादों को फिर से दोहराया।

धर्मा प्रोडक्शन ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें फिल्म से जुड़ी झलकियां हैं। पोस्ट कर उन्होंने लिखा, 'उन नए चेहरों, शानदार गानों, एक आइकॉनिक लव ट्रायंगल और उस कहानी को जिसने हमें इश्क वाला प्यार करना सिखाया, सेलिब्रेट कर रहे हैं। फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' ने अपनी रिलीज के 14 साल पूरे कर लिए हैं। यह फिल्म अब नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध है।'

2012 में रिलीज हुई इस फिल्म के जरिए आलिया भट्ट, वरुण धवन और सिद्धार्थ मल्होत्रा को बॉलीवुड में लॉन्च किया गया था। करण जौहर और पुनित मल्होत्रा के निर्देशन में बनी यह फिल्म न केवल युवाओं की पसंद बनी, बल्कि साल 2012 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक रही।

फिल्म की कहानी कॉलेज लाइफ, प्यार, दोस्ती और प्रतिद्वंद्विता के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे दर्शकों द्वारा काफी पसंद किया गया था।

'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' में आलिया भट्ट ने शनाया, वरुण धवन ने रोहन और सिद्धार्थ मल्होत्रा ने अभिमन्यु का किरदार निभाया था। कहानी में रोहन और अभिमन्यु गहरे दोस्त हैं, लेकिन 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' ट्रॉफी के लिए उनकी प्रतियोगिता दोस्ती में दरार ला देती है। मामला तब और उलझता है, जब अभिमन्यु को रोहन की गर्लफ्रेंड शनाया से प्यार हो जाता है। इस लव ट्राइएंगल ने दर्शकों का ध्यान खूब खींचा।

फिल्म में ऋषि कपूर, रोनित रॉय, राम कपूर, फरीदा जलाल, सना सईद और कायोज ईरानी जैसे सितारों ने भी अहम भूमिकाएं निभाई थीं। इसके गाने, जैसे 'इश्क वाला लव' और 'राधा', आज भी फैंस के बीच बेहद लोकप्रिय हैं। करण जौहर की यह फिल्म अपने रंगीन सेट्स, स्टाइलिश किरदारों और कहानी के लिए जानी जाती है। रिलीज के इतने साल बाद भी यह फिल्म दर्शकों के दिलों में बसी हुई है। मेकर्स ने एक बार फिर फैंस को फिर से इस फिल्म की यादें ताजा करने का मौका दिया।

मॉम-टू-बी सामंथा की छोटे पर्दे पर वापसी, 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ तमिल' को करेंगी होस्ट

विश्व केसरी ■

मुंबई। अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु तमिल कुकिंग रियलिटी शो 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ तमिल' की होस्ट के रूप में छोटे पर्दे पर वापसी कर रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि वह बचपन में अपनी मां के साथ 'मास्टरशेफ' देखा करती थीं।

अभिनेत्री ने यह भी माना कि वह हमेशा इस शो का हिस्सा बनना चाहती थीं। उन्होंने कहा, 'शो का हिस्सा होना वाकई में मेरे लिए खास है, क्योंकि जब मैं छोटी थी, तो 'मास्टरशेफ' हमारे परिवार के लिए फैमिली शो हुआ करता था। मैं और मॉम हमेशा साथ में 'मास्टरशेफ' देखते थे और वही हमारा बॉन्डिंग टाइम होता था। कई सालों बाद 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ तमिल' में सेलिब्रिटी जज बनना कुछ ऐसा है, जो मैंने कभी सोचा भी नहीं था। मैंने कभी नहीं सोचा था कि ऐसा होगा। इसलिए यह मेरे लिए बेहद खास है।'

उन्होंने आगे कहा, 'मैं हमेशा से ऐसे शो का हिस्सा बनना चाहती थी, जो टीवी पर पूरे परिवार के साथ देखा जा सके और यह मेरे लिए बिल्कुल परफेक्ट शो है। इसका हिस्सा बनकर मैं बेहद खुश हूं।' कुकिंग रियलिटी शो 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ तमिल' में अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु होस्ट और शो रनर के रूप में लीड कर रही हैं। उनके साथ इस शो में आरजे विजय भी होस्ट के तौर पर नजर आएंगे। शो में खाने का जायका परखने और फैसला करने के लिए शेफ वेंकटेश भट, शेफ शशि चेलिया और शेफ श्रेया अडका जजों के तौर पर होंगे। वहीं, कंटेस्टेंट्स की लिस्ट में अभि, बालाजी मुरुगादॉस, धीना, जननी अशोक, मारिया जूलियाना, माथिचियम बाला, रवि मारिया, रेशमी मेनन, आरजे दीपक, शियारा, सिद्धार्थ और विनोथिनी शामिल हैं।

काम न मिलने के कारण किरण कुमार को करना पड़ा था गुजराती सिनेमा का रुख, राकेश रोशन ने कराई बॉलीवुड में वापसी

विश्व केसरी ■



मुंबई। किरण कुमार फिल्म इंडस्ट्री के एक ऐसे नायाब अभिनेता हैं जो किसी भी तरह के किरदार को पर्दे पर शानदार तरीके से निभाते हैं। 20 अक्टूबर 1953 को जन्मे किरण कुमार अभी भी सक्रिय हैं। एक वक्त में किरण कुमार विलेन की छवि के लिए मशहूर थे लेकिन उसके बाद उन्होंने कई ऐसी फिल्मों में भी काम किया जिसमें उन्होंने संजीदा किरदार निभाया। उनकी एक्टिंग पर्दे पर काफी शानदार नजर आती है।

किरण कुमार का जन्म 1953 में मुंबई में हुआ था। किरण कुमार एक कुलीन हिंदू कश्मीरी पंडित परिवार से आते हैं, उनके परदादा एक रईस थे जिन्होंने कश्मीर की रियासत की संप्रभुता के तहत गिलगित एजेंसी पर वजीर-ए-वजारत (मुख्यमंत्री) के रूप में शासन किया। पिता ओंकारनाथ धर हिंदी सिनेमा के प्रसिद्ध अभिनेता जीवन थे। किरण कुमार ने इंदौर के एक बोर्डिंग स्कूल, डेली कॉलेज में पढ़ाई की। मुंबई के बांद्रा स्थित आरडी नेशनल कॉलेज से स्नातक करने के बाद पुणे स्थित फिल्म और टेलीविजन संस्थान (एफटीआईआई) में शामिल हो गए।

किरण कुमार ने 1960 में फिल्म 'लव इन शिमला' में एक छोटी भूमिका निभाकर अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। हालांकि, मुख्य अभिनेता के रूप में उनकी पहली फिल्म 1974 में 'आजाद मोहब्बत' थी। किरण कुमार ने टेलीविजन श्रृंखलाओं में से एक सिनेविस्टास (सुनील मेहता, प्रेम किशन) के साथ भी शुरुआत की थी। तब से उन्होंने जिंदगी, घुटन, साहिल, मंजिल, गृहस्ती और कथा सागर जैसी श्रृंखलाओं में भारतीय टेलीविजन उद्योग में एक स्टार के रूप में अपनी पहचान बनाई। उन्होंने हिंदी, भोजपुरी और गुजराती टेलीविजन और फिल्म निर्माण में 300 से अधिक फिल्मों में काम किया है।

'जंगल में मंगल' जैसी फिल्मों की रिलीज के बाद किरण कुमार के करियर में गिरावट आई और उन्होंने इस मंदी के बाद गुजराती फिल्मों में काम करना चुना। उन्होंने गुजराती फिल्म उद्योग में जल्दी ही प्रसिद्धि हासिल कर ली और उन्हें 'गुजराती सिनेमा का बच्चन' कहा जाने लगा। राकेश रोशन अपनी फिल्म 'खुदगर्ज' के साथ उन्हें हिंदी सिनेमा में वापस लाए, जिसके बाद उन्होंने 'तेजाब' और 'खुदा गवाह' जैसी फिल्मों में नकारात्मक भूमिकाएं निभाईं। नकारात्मक भूमिकाओं में उनके अभिनय ने उन्हें कई पुरस्कार दिलाए।

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने विजय देवरकोंडा के स्कूल का किया दौरा, बोलीं-मेरे दिल को बहुत सुकून मिला



विश्व केसरी ■

मुंबई। अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने हाल ही में पुट्टपर्थी के एक स्कूल का दौरा किया। इस स्कूल में अभिनेता विजय देवरकोंडा ने अपने स्कूल के कुछ वर्ष बिताए थे। उन्होंने इस अनुभव को शांतिपूर्ण, सुंदर और दिव्य बताया।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर 'एनिमल' फिल्म की अभिनेत्री ने अपनी इस यात्रा के बारे में एक दिल छू लेने वाला नोट साझा किया। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ सालों में उन्होंने विजय के बचपन, स्कूली दिनों और दोस्तों के बारे में कई किस्से सुने थे लेकिन खुद उस जगह पर जाना अभी बाकी था।

कई तस्वीरें साझा करते हुए रश्मिका ने लिखा, 'दोस्तों, मैं आप सभी के साथ अपना एक अनुभव साझा करना चाहती हूं। इतने वर्षों से मैंने विजय के बचपन, उनकी पढ़ाई और स्कूली दिनों के बारे में बहुत सी बातें सुनी हैं, उनके सभी दोस्त स्कूल के समय के हैं और उन्होंने पुट्टपर्थी में पढ़ाई की है। इसलिए मैं हमेशा उन्हें 'पर्थी बॉयज एंड गर्ल्स' कहकर बुलाती हूं और अब वे मेरे भी बहुत अच्छे दोस्त बन गए हैं।'

उन्होंने कहा, 'मुझे हमेशा लगता था कि जैसे कोई पहेली अधूरी रह गई हो, क्योंकि यह एक ऐसी जगह थी जिसे मैंने कभी देखा नहीं था या जहां मैं कभी गई नहीं थी, लेकिन इसके बारे में बहुत कुछ सुना था। आखिरकार, मुझे पुट्टपर्थी जाने का एक बहुत ही सुंदर मौका मिला। मैंने वह स्कूल देखा जहां उन्होंने पढ़ाई की थी, उनके क्लासरूम और हॉस्टल देखे। वहां मुझे कई प्यारे लोगों से मिलने का मौका मिला, जिनमें एचएम आंटी भी शामिल हैं, वो सच में बहुत ही प्यारी इंसान हैं! वहां जाकर मुझे जो शांति मिली, उसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। उस जगह में कुछ तो ऐसा था जिसने मेरे दिल को बहुत सुकून दिया... सब कुछ बहुत ही सुंदर और दिव्य लग रहा था।'

मंदाना ने आगे कहा, 'मैं हमेशा सोचती थी कि विजय, आनंद और पुट्टपर्थी के उन सभी दोस्तों में इतनी एक जैसी अच्छी बातें कैसे हैं और उनके परिवार के बाकी सदस्यों में भी! उनका स्वभाव, लोगों के साथ उनका (बर्ताव, प्यार और दयालुता में उनका विश्वास) जब मैं उनके स्कूल गई, तो मुझे समझ आया कि ये सब गुण कहां से आते हैं। बचपन में हम जिन जगहों पर बड़े होते हैं, जिन लोगों के साथ समय बिताते हैं और हमारे माता-पिता व शिक्षक हमें जो सीख देते हैं, वे सब हमारे व्यक्तित्व का एक बहुत बड़ा हिस्सा बन जाते हैं। उन छोटे-छोटे बच्चों को इतनी श्रद्धा के साथ वेद और भजन गाते हुए देखना, उनके श्लोकों को जानना और पूरे दिल से उनका जाप करते हुए देखना, इसने मुझे सच में बहुत गहराई से छू लिया।

फायरिंग के बाद एकनाथ शिंदे ने टाइगर श्रॉफ से की मुलाकात, घायल अभिनेता के हाथ और छाती पर दिखीं पट्टियां

विश्व केसरी ■



मुंबई। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर फायरिंग किए जाने की घटना सामने आई है। टाइगर इस हमले में घायल हो गए हैं, हालांकि राहत की बात यह है कि वे सुरक्षित हैं। इस घटना में टाइगर के ड्राइवर फिरदौस सहित दो लोग भी घायल हुए हैं।

फायरिंग की घटना के बाद महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने टाइगर श्रॉफ से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। सामने आई तस्वीरों में टाइगर श्रॉफ, एकनाथ शिंदे के साथ बैठे दिखाई दे रहे हैं। उनकी छाती पर पट्टी बंधी हुई है, जबकि बाएं हाथ पर भी चोट के कारण पट्टी लगी हुई नजर आ रही है।

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, 'टाइगर श्रॉफ से जुड़ी गोलीबारी की घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और गंभीर है। वीडियो देखने पर पता चला कि करीब पांच राउंड फायरिंग हुई, जिसमें उनका ड्राइवर घायल हो गया। भगवान की कृपा से टाइगर श्रॉफ बच गए, जो कि बहुत बड़ी राहत की बात है। हालांकि, इस तरह की हरकत की जितनी भी निंदा की जाए, वह कम है। मैंने टाइगर श्रॉफ और उनके परिवार से बात की है। उनके ड्राइवर के दाहिने हाथ में चोट आई है। टाइगर का परिवार, खासकर उनकी मां इस घटना को लेकर बहुत चिंतित हैं और सोच रहे हैं कि आखिर किसी ने उन पर हमला क्यों किया, जबकि उनकी किसी से कोई दुश्मनी या रंजिश नहीं है।'

अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर हुए हमले की जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गैंग द्वारा लिए जाने की खबर सामने आई है। इस पर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा, 'चाहे इसमें कोई भी गैंग शामिल हो, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। यह मुंबई है। वे यहां फिर से गैंगवार को जिंदा करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन पुलिस और सरकार उनकी मनमानी या उनकी किसी भी हरकत को बर्दाश्त नहीं करेगी। मुख्यमंत्री और हम सभी ने इस मामले को बहुत गंभीरता से लिया है।

एमओएस मार्गेरिटा ने न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में भारतीय प्रवासियों से की मुलाकात

विश्व केसरी■



ऑकलैंड। विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा ने सोमवार को न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में भारतीय प्रवासियों से मुलाकात की।

ये सभी प्रवासी भारतीय नॉर्थ ईस्ट से संबंध रखते थे। उन्होंने न्यूजीलैंड के बहुसांस्कृतिक ताने-बाने में भारतीय प्रवासियों के योगदान और दोनों देशों के बीच दोस्ती के रिश्तों को मजबूत करने में उनकी भूमिका को सराहा। इस मौके पर न्यूजीलैंड में भारत की उच्चायुक्त मुआनपुई सैयावी और अन्य अधिकारी मौजूद थे।

मार्गेरिटा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'ऑकलैंड में पूर्वोत्तर भारत के प्रवासी भारतीयों के साथ बहुत ही आत्मीय और सुखद बातचीत हुई। इस जीवंत समुदाय से जुड़कर खुशी हुई, जिनकी सांस्कृतिक समृद्धि और योगदान न्यूजीलैंड के बहुसांस्कृतिक ताने-बाने को और समृद्ध बनाते हैं, तथा भारत और न्यूजीलैंड के बीच दोस्ती के गहरे रिश्तों को मजबूत करते हैं।'

उन्होंने आगे कहा, 'इस बातचीत में समुदाय के लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 25 वर्षों की जनसेवा और दुनिया भर में बसे प्रवासी भारतीयों की चिंताओं और आकांक्षाओं को पूरा करने के प्रति उनकी निरंतर प्रतिबद्धता की भी सराहना की।'

इससे पहले रविवार को, राज्य मंत्री (एमओएस) मार्गेरिटा ने ऑकलैंड में न्यूजीलैंड के मिनिस्टर ऑफ पुलिस मार्क मिशेल से मुलाकात की। इस दौरान आपसी महत्व के मुद्दों और दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा हुई।

मार्गेरिटा और मिशेल के बीच यह बातचीत ऑकलैंड में 'इंडिया न्यूजीलैंड बिजनेस काउंसिल' (आईएनजेडबीसी) द्वारा आयोजित एक बिजनेस कार्यक्रम के दौरान हुई। मुलाकात के बाद, राज्य मंत्री मार्गेरिटा ने 'एक्स' पर लिखा: 'ऑकलैंड की अपनी यात्रा के दौरान, 'इंडिया न्यूजीलैंड बिजनेस काउंसिल' द्वारा आयोजित एक बिजनेस कार्यक्रम में न्यूजीलैंड के मंत्री मार्क मिशेल से मिलकर खुशी हुई। आपसी महत्व के मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करने और भारत-न्यूजीलैंड संबंधों को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा करने का अवसर मिला।'

इस बिजनेस बातचीत के दौरान, मार्गेरिटा ने प्रधानमंत्री मोदी के '5एफ' फॉर्मूले—'फार्म टू फाइबर' (खेत से रेशा), 'फाइबर टू फैक्ट्री' (रेशे से कारखाना), 'फैक्ट्री टू फैशन' (कारखाने से फैशन), और 'फैशन टू फॉरेन' (फैशन से विदेश)—का जिक्र किया।

'जनता बदलाव चाहती है, भविष्य की आवाज सुनिए', फ्रांस हिंसा पर अराघची ने मैक्रों को घेरा

विश्व केसरी■



तेहरान। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि फ्रांस की जनता बड़े स्तर पर बदलाव चाहती है। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने खुद ही यह स्थिति पैदा की है। अराघची ने कहा कि ईरानियों के खिलाफ हो रहे अत्याचारों का स्वागत करने वाले राष्ट्रपति को अब फ्रांस के भविष्य की आवाज सुननी पड़ेंगी।

अराघची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट पर लिखा, ''मैक्रों ने खुद ही यह स्थिति पैदा की थी, जब उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति को भरोसा दिलाया कि उन्हें ईरानियों के खिलाफ हो रहे अत्याचारों पर कोई आपत्ति नहीं है। अब उस युद्ध के लिए दूसरों को दोष देने में बहुत देर हो चुकी है, जिसे उनके जैसे लोगों ने पैदा करने में मदद की थी। फ्रांस की जनता बड़े स्तर पर बदलाव चाहती है, जिसमें शांतिपूर्ण तरीके से इकट्ठा होने और अपनी बात रखने की आजादी भी शामिल है। मिस्टर राष्ट्रपति, फ्रांस के भविष्य की आवाज को सुनिए।''

ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची का यह बयान उस समय आया है जब फ्रांस के कई शहरों में प्रदर्शन, हिंसा और झड़पों से माहौल गरमाया हुआ है। फ्रांस में महंगाई, ईंधन की कीमतें, शिक्षा और सार्वजनिक सेवाओं को लेकर लोगों की नाराजगी लगातार बढ़ती दिखाई दे रही है।

शनिवार को पूरे फ्रांस में करीब साढ़े पांच लाख लोग प्रदर्शनों में शामिल हुए। कई जगहों पर प्रदर्शन हिंसक हो गए। फ्रांस के गृह मंत्रालय के मुताबिक, इन घटनाओं के दौरान 2,397 लोगों को गिरफ्तार किया गया। हिंसा में 997 पुलिसकर्मी और सुरक्षा बल के सदस्य घायल हुए, जिनमें से सात की हालत गंभीर बताई गई है।

स्थानीय मीडिया के अनुसार, इन प्रदर्शनों में किसान, जलवायु कार्यकर्ता, ट्रेड यूनियन सदस्य और छात्र शामिल थे। प्रदर्शनकारियों ने ईंधन की कीमतों, बढ़ती महंगाई, शिक्षा व्यवस्था और सार्वजनिक सेवाओं से जुड़े मुद्दे उठाए।

संक्षिप्त खबर

ऑस्ट्रेलिया: दक्षिण-पश्चिम सिडनी को डराने वाला आरोपी गिरफ्तार

विश्व केसरी■



सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के दक्षिण-पश्चिमी सिडनी में आपराधिक गतिविधियों में लिप्त रहे शख्स को गिरफ्तार किया गया है। वाहन चुराता था और लूटपाट करता था। हाल ही में उसने कुछ ऐसा किया था जिससे इलाके में अफरातफरी मच गई थी और कुछ घंटों के लिए लॉकडाउन तक लगाना पड़ा था। पुलिस ने सोमवार को बताया कि रविवार रात करीब 11:30 बजे (स्थानीय समयानुसार) सिडनी के इनर-वेस्ट इलाके में 32 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। उसको सात अपराधों में लिप्त पाया गया, इनमें बिना अनुमति के हथियार रखने और खतरनाक हथियार के बल पर लूटपाट करना शामिल है। समाचार एजेंसी सिंहुआ की रिपोर्ट के अनुसार, शुक्रवार सुबह सेंट्रल सिडनी से छह किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में स्थित डुलविच हिल में एक वाहन चोरी की सूचना मिलने के बाद आपातकालीन सेवाओं को बुलाया गया था। इसके बाद तीन दिनों तक चली तलाश के बाद यह गिरफ्तारी हुई। मौके पर मौजूद अधिकारियों को बताया गया कि एक व्यक्ति चोरी की गाड़ी के अंदर हथियार लिए हुए था। उसने कथित तौर पर गाड़ी में आग लगा दी और फिर पैदल ही वहां से चला गया।

राजस्थान के भीलवाड़ा में विस्फोटकों से भरी पिकअप में धमाका, चालक की मौत

विश्व केसरी■



जयपुर। राजस्थान के भीलवाड़ा जिले के अगूंचा गांव में विस्फोटकों से लदी एक पिकअप गाड़ी में हुए भीषण धमाके में चालक की मौके पर ही मौत हो गई। यह विस्फोट सोमवार सुबह 11:30 बजे गुलाबपुरा थाना क्षेत्र में हुआ। धमाका इतना तेज था कि पिकअप पूरी तरह नष्ट हो गई और पास की एक चारदीवारी मलबे में तब्दील हो गई। विस्फोट की तीव्रता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वाहन के परखच्चे उड़ गए और उसका मलबा दूर-दूर तक बिखर गया। चालक का शव ढही हुई दीवार के मलबे के नीचे मिला। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान 35 वर्षीय राम अवतार के रूप में हुई है, जो बूंदी का रहने वाला था। धमाके की आवाज काफी दूर तक सुनाई दी, जिससे इलाके में दहशत फैल गई। आसपास के लोग अपने घरों से बाहर निकल आए और घटनास्थल पर पहुंच गए। विस्फोट के कारण आसपास के घरों के दरवाजों और खिड़कियों के शीशे टूट गए। कुछ मकानों की दीवारों में भी दरारें आने की बात सामने आई है। जिस परिसर में पिकअप खड़ी थी, उसे भी भारी नुकसान पहुंचा। चारदीवारी पूरी तरह ढह गई। बताया जा रहा है कि धमाके के कारण वाहन का इंजन लगभग 10 फीट दूर जाकर गिरा। घटना के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास किया। मलबे के नीचे चालक का शव मिलने से घटना और भी गंभीर हो गई। गुलाबपुरा थाना प्रभारी संजय गुर्जर ने बताया कि विस्फोट स्थानीय निवासी हीरालाल खटिक के बाड़े में हुआ। विस्फोटकों से भरी पिकअप वहां खड़ी थी, तभी अचानक उसमें धमाका हो गया।

रूस ने फिर किया बड़ा मिसाइल हमला, सहयोगियों से समय पर नहीं मिली हमले की चेतावनी : जेलेंस्की

विश्व केसरी■



कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि अब हमें अपने बचाव के लिए सहयोगियों से मदद भी नहीं मिल रही है। हमले की चेतावनी पहले से नहीं मिलने के कारण यूक्रेन को एक बार फिर भारी तबाही का सामना करना पड़ा। रविवार रात रूस ने कीव को निशाना बनाते हुए 16 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। हमले में हमारे कई लोगों की जान चली गई।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, ''रूस ने रातभर कई चरणों में बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन से हमला किया, लेकिन एक बार फिर यूक्रेन को उसके सहयोगी देशों से पहले से कोई चेतावनी नहीं मिली। रूस ने कुल 16 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं और यह हमला विशेष रूप से कीव और कीव क्षेत्र को निशाना बनाकर किया गया था।''

जेलेंस्की के अनुसार, हमलों का मुख्य निशाना ऊर्जा सुविधाएं और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा था। हालांकि, एक मेडिकल क्लिनिक, एक स्कूल, एक मेट्रो स्टेशन और कई रिहायशी इमारतें भी हमले में क्षतिग्रस्त हुईं। उन्होंने कहा कि रूस ने 200 से अधिक ड्रोन भी इस्तेमाल किए, जिनमें जेट इंजन वाले 'शाहेद' ड्रोन भी शामिल थे। ये हमले खार्कीव और निप्रॉपेट्रोव्स्क क्षेत्रों से लेकर वोलिन, रिव्ने और ओडेसा क्षेत्रों तक किए गए। जेलेंस्की ने बताया कि हमलों में लोगों की जान भी गई है। उन्होंने कहा, 'मैं पीड़ितों के परिवारों और उनके प्रियजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। घायल लोगों को सहायता दी जा रही है।'

राष्ट्रपति के मुताबिक, रात और सुबह के दौरान रूस ने विनित्सिया, वोलिन, किरोवोहराद, कीव, मिकोलेइव, झिटोमिर, खमेल्नित्सकी, खार्कीव, टरनोपिल, ओडेसा और रिव्ने क्षेत्रों की ऊर्जा सुविधाओं पर हमले किए।

उन्होंने बताया कि सिर्फ एक रात में 10 से ज्यादा ऊर्जा ढांचे क्षतिग्रस्त हो गए और कम से कम 5.5 लाख परिवारों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। मरम्मत दल मौके पर काम कर रहे हैं। यूक्रेन ने कभी यह युद्ध नहीं चाहा था और युद्ध समाप्त करने के लिए उसके साझेदारों द्वारा किए गए हर प्रयास का समर्थन किया है।

जापान उगते सूर्य का देश है और गुजरात उभरते अवसरों की भूमि : हर्ष संघवी

विश्व केसरी■



गांधीनगर। वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट अंतर्गत जापान यात्रा पर गए राज्य के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने सोमवार को ओसाका में जापान के अग्रणी उद्योगपतियों तथा निवेशकों के साथ एक उच्च स्तरीय 'इन्वेस्ट इन गुजरात' राउंडटेबल बैठक आयोजित की। गुजरात तथा जापान के बीच आर्थिक संबंधों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने और परस्पर समृद्धि के लिए रणनीतिक साझेदारी को अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से इस बैठक का आयोजन किया गया।

राउंडटेबल कॉन्फ्रेंस में उपस्थित वैश्विक उद्योग जगत के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री ने महात्मा गांधी तथा सरदार पटेल की भूमि गुजरात की ओर से उनका हार्दिक स्वागत किया। उन्होंने कहा कि जापान उगते सूर्य का देश है और गुजरात उभरते अवसरों की भूमि है। भारत एवं जापान के बीच केवल व्यापारिक संबंध ही नहीं हैं, बल्कि दोनों देश परस्पर विश्वास, सम्मान और मूल्यों के साथ-साथ साझा संस्कृति भी रखते हैं। दोनों देशों की मित्रता सदियों पुरानी है और आज हमारे सामने विकास के असीमित नए अवसर उपलब्ध हैं।

गुजरात की आर्थिक क्षमता एवं औद्योगिक गतिशीलता के आंकड़े प्रस्तुत करते हुए उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने कहा कि देश की केवल 5 प्रतिशत जनसंख्या वाला गुजरात भारत की जीडीपी में 8 प्रतिशत से अधिक का योगदान देता है। देश के कुल औद्योगिक उत्पादन में गुजरात की हिस्सेदारी 18 प्रतिशत है, जबकि भारत के कुल निर्यात का लगभग एक-तिहाई (1/3) निर्यात अकेले गुजरात से होता है। इसके अतिरिक्त, भारत के कुल कार्गो हैंडलिंग का 40 प्रतिशत हिस्सा गुजरात के बंदरगाहों के माध्यम से संचालित होता है और राज्य की 65 प्रतिशत ऊर्जा नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से प्राप्त होती है।

आंध्र प्रदेश में एमपीटीसी-जेडपीटीसी चुनाव की अधिसूचना जारी; 3 नवंबर को 2.81 करोड़ वोटर करेंगे मतदान

विश्व केसरी■



अमरावती। आंध्र प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग ने सोमवार को एमपीटीसी और जेडपीटीसी के चुनावों के लिए अधिसूचना जारी की। चुनाव 3 नवंबर को होने वाले हैं। मंडल परिषद क्षेत्रीय निर्वाचन क्षेत्रों (एमपीटीसी) और जिला परिषद क्षेत्रीय निर्वाचन क्षेत्रों (जेडपीटीसी) के चुनावों में लगभग 2.81 करोड़ वोटर मतदान करने के पात्र हैं।

राज्य निर्वाचन आयुक्त (एसईसी) अनिल चंद्र पुनेथा ने मीडियाकर्मियों को बताया कि 28 जिला प्रजा परिषदों में चुनाव होंगे। कुल 663 जेडपीटीसी में से 659 जेडपीटीसी में मतदान होगा। इसी प्रकार, राज्य में 9,858 जेडपीटीसी में से 9,829 एमपीटीसी में मतदान होगा।

नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया 21 अक्टूबर से शुरू होगी जबकि नामांकन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 23 अक्टूबर है। अधिसूचना के अनुसार, नामांकन पत्रों की जांच 24 अक्टूबर को की जाएगी। नामांकन अस्वीकृत होने के विरुद्ध अपीलें 25 अक्टूबर को संबंधित राजस्व मंडल अधिकारी (आरडीओ) के समक्ष एमपीटीसी के मामले में और जेडटीपीसी के मामले में जिला कलेक्टर के समक्ष दायर की जा सकती हैं। अपीलीय प्राधिकारी अगले दिन अपीलों का निपटारा करेंगे।

एसईसी के मुताबिक, उम्मीदवारी वापस लेने की अंतिम तिथि 27 अक्टूबर है। उसी दिन उम्मीदवारों की अंतिम सूची प्रकाशित की जाएगी। जहां भी आवश्यक होगा, मतदान 3 नवंबर को होगा। यदि आवश्यकता हुई तो पुनर्मतदान 4 नवंबर को होगा। मतों की गिनती 5 नवंबर को की जाएगी।

राज्य चुनाव आयोग ने कहा है कि एमपीटीसी के लिए चुनाव व्यय सीमा 4 लाख रुपये और जेडपीटीसी के लिए 8 लाख रुपये होगी। राज्य चुनाव आयोग ने जेडपीटीसी के लिए 28 और एमपीटीसी के लिए 687 रिटर्निंग अधिकारियों की नियुक्ति की है।

सांबा में ड्रैगन फ्रूट की खेती से किसानों को हो रहा अच्छा मुनाफा, बलदेव राज बने प्रेरणा

विश्व केसरी■



सांबा। जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में किसान अब पारंपरिक खेती के साथ-साथ नकदी फसलों और बागवानी को भी अपना रहे हैं। इसी कड़ी में विजयपुर क्षेत्र के किसान बलदेव राज ड्रैगन फ्रूट और स्ट्रॉबेरी की खेती कर अच्छी आमदनी अर्जित कर रहे हैं। उनकी इस पहल से क्षेत्र के अन्य किसान भी प्रेरित हो रहे हैं और ड्रैगन फ्रूट की खेती के प्रति उनकी रुचि बढ़ रही है।

किसान बलदेव राज ने जम्मू-कश्मीर में ड्रैगन फ्रूट की खेती को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की थी। उनके इस प्रयास के लिए उपराज्यपाल द्वारा उन्हें सम्मानित भी किया जा चुका है। वह पिछले कई वर्षों से ड्रैगन फ्रूट, स्ट्रॉबेरी और पारंपरिक फसलों की खेती कर रहे हैं। उनकी सफलता को देखते हुए अब आसपास के किसान भी इस नई फसल को अपनाने के लिए आगे आ रहे हैं।

क्षेत्र के कई किसान बलदेव राज के खेतों में पहुंचकर ड्रैगन फ्रूट की खेती करने की विधि सीखते हैं और इससे जुड़ी तकनीकी जानकारी प्राप्त करते हैं। बलदेव राज भी अन्य किसानों को इस फसल की खेती के बारे में जानकारी देकर उन्हें आय बढ़ाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। उनका मानना है कि किसानों को पारंपरिक खेती के साथ-साथ अन्य फसलों की खेती में भी रुचि लेनी चाहिए, ताकि आमदनी के नए स्रोत विकसित किए जा सकें।

किसान बलदेव राज ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए बताया कि खेती के दौरान उन्हें बागवानी विभाग का पूरा सहयोग मिलता है। किसी भी प्रकार की परेशानी आने पर विभाग की टीम खेतों में पहुंचकर किसानों को मार्गदर्शन देती है। इसके अलावा, वह सरकार की ओर से किसानों के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का भी लाभ उठा रहे हैं। उन्होंने किसान हित में योजनाएं शुरू करने के लिए सरकार का आभार व्यक्त किया।

मध्य प्रदेश सरकार का स्वच्छता के अलावा रोजगार और सुविधाओं पर जोर : सीएम मोहन यादव

विश्व केसरी■



उज्जैन। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा है कि राज्य स्वच्छता के मामले में देश में पहले तीन स्थानों पर रहता है, इसके अलावा सरकार का जोर रोजगार और सुविधाओं पर भी है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने उज्जैन में संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा कि स्वच्छता के मामले में तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान का सबसे अच्छा उदाहरण मध्य प्रदेश है, हमारे यहां जब भी रैंकिंग जारी होती है तो हमारे राज्य के नगरों को बड़ी उपलब्धि हासिल होती है, नंबर वन, टू, थ्री तक हमारे राज्य के बाद ही किसी का नंबर आता है।

स्वच्छता तो होना ही चाहिए लेकिन स्वच्छता के अलावा रोजगार, मूलभूत सुविधा, इंफ्रास्ट्रक्चर सहित सभी क्षेत्रों में हमारी सरकार काम कर रही है। मुख्यमंत्री यादव ने उज्जैन में विकास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सिंहस्थ केवल देश ही नहीं बल्कि दुनिया का सबसे बड़ा मेला है। सिंहस्थ की मूल आवश्यकताओं को यहां आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं की सुविधा तथा धार्मिक गतिविधियों को देखते हुए उज्जैन जिला और संभाग स्तर पर राज्य सरकार तैयारियां कर रही है।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने उज्जैन में जारी विकास कार्यक्रम की चर्चा करते हुए कहा प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में महाकाल महालोक निर्माण और लोकार्पण के बाद यहां श्रद्धालुओं के आगमन में तेजी से वृद्धि हुई है। सिंहस्थ से संबंधित विभिन्न विकास कार्यों को लेकर अब हर माह बैठक कर प्रगति की रिपोर्ट ली जाएगी तथा कार्यों की समीक्षा की जाएगी।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने प्रदेशवासियों को विजयादशमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व सनातन धर्म की आस्था, सत्य और धर्म की विजय का प्रतीक है।

तमिलनाडु : सीएम विजय का मदुरंतकम और धारापुरम के लिए परियोजनाओं का ऐलान, 1439 करोड़ की पेयजल योजना शामिल

विश्व केसरी■



चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने सोमवार को मदुरंतकम और धारापुरम के लिए कई विकास परियोजनाओं की घोषणा की। इनमें 1,439 करोड़ रुपये की संयुक्त पेयजल योजना, सरकारी महिला कॉलेज, सिंचाई व्यवस्था में सुधार और आवास संबंधी पहल शामिल हैं।

ये घोषणाएं हाल ही में हुए विधानसभा उपचुनावों में 'तमिलगा वेत्री कझगम' (टीवीके) के उम्मीदवारों मदुरांतकम से मरगथम कुमारवेल और धारापुरम से सत्यभामा की जीत के बाद की गई हैं।

सरकारी विज्ञप्ति के अनुसार, मुख्यमंत्री विजय ने संबंधित विभागों को इन योजनाओं को जल्द से जल्द लागू करने का निर्देश दिया है।

तिरुपुर जिले के लिए एक बड़ी घोषणा कावेरी नदी पर आधारित नई संयुक्त पेयजल योजना है। लगभग 1,439 करोड़ रुपए की लागत वाली इस योजना से 1,232 ऐसी ग्रामीण बस्तियों को लाभ मिलेगा, जो अभी तक मौजूदा जलापूर्ति नेटवर्क से बाहर थीं।

इस योजना के दायरे में धारापुरम, कांगेयम, कुंडादम, पोंगलुर और वेल्लाकोइल पंचायत यूनियन की बस्तियां आएंगी। इसके अलावा, मुला नूर की सात और पल्लादम की 17 पंचायतें भी इसमें शामिल होंगी।

जिले की कुल 2,455 ग्रामीण बस्तियों में से 1,223 बस्तियों को पहले से ही कावेरी संयुक्त पेयजल प्रणाली के जरिए पानी मिल रहा है।

धारापुरम निर्वाचन क्षेत्र में बेघर लाभार्थियों को घर बनाने के लिए 2,700 पट्टे (जमीन के अधिकार पत्र) मुफ्त दिए जाएंगे। इसके अलावा, चिन्नपुथुर गांव के गुरुवप्पा नाइकेनपालयम में पिछले दो दशकों से रह रहे लगभग 87 परिवारों को भी पट्टे देने के लिए सरकार उचित कदम उठाएगी।

पूरे तिरुपुर जिले में सिंचाई नहरों की गाद (सिल्ट) निकालने और उनकी सफाई के लिए लगभग 10 करोड़ रुपए की लागत से 159 कार्य किए जाएंगे।

धारापुरम निर्वाचन क्षेत्र में, लगभग 271 किलोमीटर लंबी नहरों से गाद, झाड़ियां और अन्य रुकावटें हटाई जाएंगी।

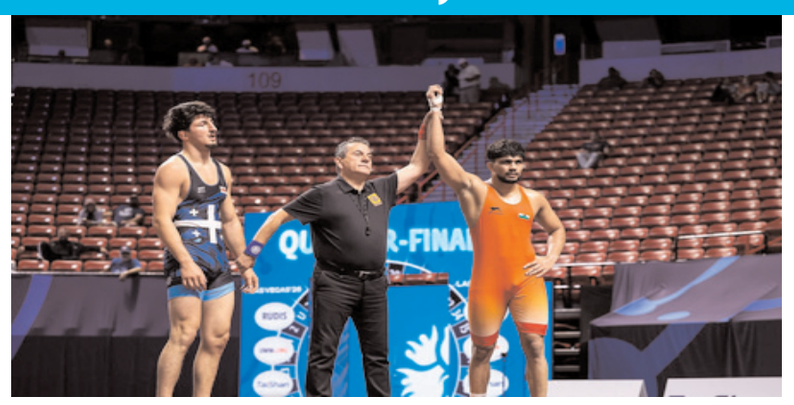
अंडर-23 वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिपः रोहित, जसकरण और चंद्रमोहन ने जीता ब्रॉन्ज

विश्व केसरी ■

लास वेगास। अंडर-23 वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप के आखिरी दिन, भारत के फ्रीस्टाइल पहलवानों ने अपने सभी पदक मुकाबलों में जीत हासिल की। रोहित, जसकरण और चंद्रमोहन ने ब्रॉन्ज मेडल जीते। इसी के साथ लास वेगास में भारत के कुल पदकों की संख्या 6 हो गई।

सेमीफाइनल में मिली हार के बाद, इन तीनों पहलवानों ने शानदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की और भारत के लिए इस प्रतियोगिता का समापन सकारात्मक रूप से किया। भारत ने इस चैंपियनशिप में ग्रीको-रोमन, महिला कुश्ती और फ्रीस्टाइल वर्ग में कुल 2 सिल्वर और 4 ब्रॉन्ज मेडल जीते।

अंतिम दिन, 65 किग्रा वर्ग में जसकरण ने मेडल जीतने की शुरुआत की। उन्होंने एक कड़े मुकाबले में बेलारूस के मागोमेदखान मागामेदखानोव को 8-5 से हराया। चार साल में अपने पहले बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे इस भारतीय पहलवान ने संयम और बेहतरीन रणनीति का प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की।



इसके बाद, 79 किग्रा वर्ग के ब्रॉन्ज मेडल मुकाबले में चंद्रमोहन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तुर्की के इब्राहिम मेतेहान याप्राक को 5-2 से हराया। याप्राक ने अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप के पिछले संस्करण में सिल्वर जीता था।

57 किग्रा वर्ग में रोहित ने आर्मेनिया के अरमान हारुत्युन्यान को 8-3 से हराकर भारत की जीत का सिलसिला पूरा किया। 'रिपेचेज' के जरिए पदक मुकाबले में पहुंचे इस भारतीय पहलवान ने मिले दूसरे मौके का पूरा फायदा उठाया और शानदार प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल अपने नाम किया।

एक चुनौतीपूर्ण सफर के बाद, इन तीन जीतों ने भारत की फ्रीस्टाइल टीम के लिए प्रतियोगिता का समापन शानदार ढंग से किया। पहलवानों ने अपने आखिरी मुकाबलों में बेहतरीन खेल दिखाया और तीनों मौकों को पदक में तब्दील किया। भारत के कुल 6 मेडल में 2 सिल्वर और 4 ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं। विश्वजीत रामचंद्र मोरे ने ग्रीको-रोमन 55 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीता, जबकि अमृता ने महिलाओं के 72 किग्रा वर्ग में रजत पदक हासिल किया।

कपिल परमार ने जूडो में ब्रॉन्ज मेडल जीता

विश्व केसरी ■

नागोया। भारत के कपिल परमार ने सोमवार को 2026 एशियन पैरा गेम्स में पुरुषों के जे1-70 किग्रा पैरा-जूडो इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीता। उन्होंने आइची प्रीफेक्चुरल मार्शल आर्ट्स हॉल में इंडोनेशिया के राफली अहनाफ शिदकी को सिर्फ एक मिनट और नौ सेकंड में इप्पोन से हराया। इस जीत के साथ भारत ने कॉम्पिटिशन के पहले दिन तीसरा मेडल जीता। खेल मंत्री मांडविया ने परमार को बधाई दी है।

खेल मंत्री मांडविया ने एक्स पर परमार को बधाई देते हुए लिखा, 'भारत के लिए गर्व का पल, कपिल परमार ने एशियन पैरा गेम्स 2026 में पैरा जूडो में ब्रॉन्ज मेडल जीता।'

परमार का सफर मंगोलिया के बातरसुरेन बैट-एर्डीन के खिलाफ कड़े क्वार्टर फाइनल से शुरू हुआ। गोल्डन स्कोर के दौरान चार मिनट और 53 सेकंड



के एक्शन के बाद भारतीय खिलाड़ी ने इप्पोन से जीत हासिल की और मजबूत प्रदर्शन के साथ सेमीफाइनल में पहुंच गए।

हालांकि, गोल्ड मेडल के लिए उनका मुकाबला तब खत्म हो गया, जब इंडोनेशिया के जुनेदी ने उन्हें आखिरी चार में इप्पोन से हरा दिया। परमार ने ब्रॉन्ज मेडल के मुकाबले के लिए फिर से तैयारी की और शानदार प्रदर्शन करते हुए शिदकी के खिलाफ मुकाबला सिर्फ 69 सेकंड में खत्म कर दिया। सेमीफाइनल में हार के बाद परमार की यह सफलता उनकी कड़ी मेहनत और दृढ़ निश्चय का परिणाम है।

यह नई कामयाबी मध्य प्रदेश के सीहोर के जूडोका के शानदार करियर में और जुड़ गई है, जो 2017 से पैरा-जूडो में हिस्सा ले रहे हैं। जे1 कैटेगरी (दिखने में दिक्कत वाले एथलीटों के लिए) में परमार ने कोच मुनव्वर अंजार अली सिद्दीकी के मार्गदर्शन में भारत के सबसे अच्छे कॉम्पिटिटरों में से एक के तौर पर अपनी जगह बनाई है। परमार पेरिस 2024 पैरालंपिक गेम्स में ब्रॉन्ज, हांगझोऊ में पिछले एशियन पैरा गेम्स में सिल्वर और 2019 कॉमनवेल्थ जूडो चैंपियनशिप में गोल्ड जीत चुके हैं। उन्होंने कई आईबीएसए ग्रैंड प्रिक्स टाइटल और सात नेशनल गोल्ड मेडल भी जीते हैं। परमार को 2024-25 में अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था। वह टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) एथलीट भी हैं। 26 साल के परमार से भारत को भविष्य में बड़ी सफलता की उम्मीद है।

चीन की मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन को हराकर भारतीय जूडोका कोकिला ने फाइनल में जगह बनाई



विश्व केसरी ■

नागोया। भारत की कोकिला ने सोमवार को आइची-नागोया में 2026 एशियन पैरा गेम्स में महिलाओं की जे2-52 किग्रा गोल्ड मेडल बाउट में अपनी जगह पक्की कर ली। उन्होंने सेमीफाइनल में चीन की मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन यी लियू को हराया। कोकिला ने 1-0 से जीत हासिल की। फाइनल में पहुंचने के साथ ही कोकिला ने देश के लिए कम से कम सिल्वर मेडल पक्का कर दिया है। सेमीफाइनल में भारत और चीन दोनों ही देशों की जूडोका ने टेक्निकल स्कोरिंग के जरिए बढ़त बनाने की कोशिश की। कोकिला ने जूडो में दूसरा सबसे बड़ा टेक्निकल स्कोर, वाजा-अरी, और असरदार टेक्निक के लिए युको स्कोर किया। लियू ने भी मुकाबले के दौरान वाजा-अरी किया, जबकि कोकिला को एक छोटे से नियम के उल्लंघन के लिए शिडो पेनल्टी मिली।

कोकिला ने हांगझोऊ 2023 एशियन पैरा गेम्स में महिलाओं की -48 किग्रा कैटेगरी में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। इस बार एक अलग वेट कैटेगरी में मुकाबला करते हुए उनके पास अपने मेडल के रंग को बदलने का अवसर है। कोकिला फाइनल में किर्गिस्तान की ऐबिक उलानबेक काजी से मुकाबला होगा। आइची-नागोया में कोकिला का कैंपेन इंटरनेशनल स्टेज पर उनके अनुभव को बढ़ाता है।

मेंस जैवलिन थ्रो एफ46 स्पर्धा में भारत का 'डबल धमाल', रिंकू ने जीता गोल्ड, अजीत के नाम सिल्वर



विश्व केसरी ■

नागोया। एशियन पैरा गेम्स 2026 में सोमवार को जैवलिन थ्रो एफ46 स्पर्धा में रिंकू और अजीत सिंह ने शीर्ष दो स्थान हासिल करते हुए देश का मान बढ़ाया। रिंकू ने 65.11 मीटर की बेहतरीन थ्रो के साथ गोल्ड मेडल जीता। वहीं, अजीत सिंह ने 65.02 मीटर की शानदार थ्रो के साथ सिल्वर मेडल हासिल किया। इंडोनेशिया के सकत्योनो आर. ने 55.30 मीटर की थ्रो के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता।

इससे पहले, एशियन चैंपियनशिप की सिल्वर मेडलिस्ट कोकिला (टॉप्स एथलीट 7 डब्ल्यूआर-3) को किर्गिस्तान की ऐबिके उलानबेक किजी (डब्ल्यूआर-2) से हार का सामना करना पड़ा। ऐबिके 2026 वर्ल्ड चैंपियनशिप की सिल्वर मेडलिस्ट और एशियन चैंपियनशिप 2025 की गोल्ड मेडलिस्ट हैं। कोकिला को 21 सेकंड में 'इप्पोन' से हार मिली और उन्हें सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा। कोकिला ने इससे पहले 2022 एशियन पैरा गेम्स में महिलाओं के जे2-48 किग्रा वर्ग में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। एलए 2028 साइकिल के लिए वेट कैटेगरी (वजन वर्ग) में बदलाव किए गए हैं, और अब कोकिला 52 किग्रा वर्ग में प्रतिस्पर्धा करती हैं। इससे पहले, सोमवार को जापान के नागोया स्थित मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में, सौम्या और राधा वेंकटेश ने पैरा-एथलेटिक्स में शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत के पदकों की संख्या में और इजाफा किया।

शीतल देवी, तोमन कुमार ने कंपाउंड मिक्स्ड वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ा

विश्व केसरी ■

ओकाजाकी। भारतीय स्टार तीरंदाज शीतल देवी और तोमन कुमार ने सोमवार को ओकाजाकी के ओकाजाकी चुओ सोगो पार्क मल्टीपर्पस स्क्वायर में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीरंदाजी इवेंट में पैरा कंपाउंड मिक्स्ड टीम वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ दिया।

भारतीय तीरंदाजों ने रैंकिंग राउंड में कुल 1402 पॉइंट्स बनाकर शीतल और राकेश कुमार के 1400 पॉइंट्स के पिछले वर्ल्ड रिकॉर्ड को तोड़ दिया। शीतल और राकेश दोनों ने पिछला रिकॉर्ड इस साल की शुरुआत में अहमदाबाद में वर्ल्ड पैरा आर्चरी सीरीज में बनाया था।

यह कुछ अंतर से एशियन पैरा गेम्स का रिकॉर्ड भी था। गेम्स में पिछला रिकॉर्ड चीन ने 2023 हांगझोऊ गेम्स में बनाया था, जहां उन्होंने 1382 पॉइंट्स बनाए थे।

तोमन ने पुरुषों के कंपाउंड रैंकिंग राउंड में संभावित 720 पॉइंट्स में से 698 पॉइंट्स बनाए, जबकि शीतल ने महिलाओं के रैंकिंग राउंड में 704 पॉइंट्स





बनाए।

रैंकिंग राउंड के दौरान, शीतल का 704 स्कोर एक नया एशियन रिकॉर्ड और संयुक्त वर्ल्ड रिकॉर्ड भी था, जो उनके शानदार करियर में और इजाफा करता है। यह जोड़ी फाइनल में गोल्ड जीतने के लिए फेवरेट में से एक होगी।

शीतल व्यक्तिगत क्वालीफिकेशन में 704 के स्कोर के साथ टॉप पर रहीं। सिंगापुर की नूर सैयदा अलीम 683 पॉइंट्स के साथ दूसरे नंबर पर रहीं, जो चीन की जुएकिंग जू (680) से आगे थीं।

पुरुषों के व्यक्तिगत कंपाउंड रैंकिंग इवेंट में, तोमन 698 के पर्सनल बेस्ट स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहे। चीन की यिचेंग झांग ने 708 पॉइंट बनाकर एशियन रिकॉर्ड तोड़ा।

इस बीच, शीतल ने हांगझोऊ में 2023 एशियन पैरा गेम्स में महिलाओं के कंपाउंड व्यक्तिगत इवेंट में गोल्ड जीता और फिर 2024 में पेरिस पैरालंपिक में ब्रॉन्ज मेडल जीता। कम उम्र के बावजूद शीतल ने इस खेल के एलीट खिलाड़ियों में अपनी जगह बनाई है।

भारत के लिए खेलने का सपना अब भी जिंदा हैः अभिमन्यु ईश्वरन



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। बंगाल के लिए घरेलू क्रिकेट खेलने वाले अभिमन्यु ईश्वरन 31 साल के हो चुके हैं। ईश्वरन घरेलू क्रिकेट का दिग्गज नाम हैं और लगातार रन बनाते हैं, इसके बावजूद भारतीय टीम के लिए डेब्यू करने का उनका सपना अब भी पूरा नहीं हो सका है। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने कहा है कि टीम इंडिया के लिए डेब्यू का उनका सपना अब भी जिंदा है।

अभिमन्यु ईश्वरन अपना 118वां फर्स्ट-क्लास गेम खेल रहे हैं। इनमें से 32 जुलाई 2018 से इंडिया, के लिए आए हैं, और टेस्ट टीम में भी कॉल-अप हुए हैं, लेकिन इंटरनेशनल डेब्यू अभी बाकी है। 31 साल के अभिमन्यु का कहना है कि इंडिया के लिए खेलने का उनका सपना अभी भी है, क्योंकि वह घरेलू सर्किट पर रन बना रहे हैं।

रणजी ट्रॉफी के दूसरे राउंड में सर्विसेज के खिलाफ बंगाल के लिए 56 रन बनाने के बाद उन्होंने कहा, 'जब मैंने क्रिकेट खेलना शुरू किया, तो सपना हमेशा देश के लिए खेलना था, और वह सपना अभी भी है। जब आप टीम में होते हैं और फिर आपको ड्रॉप कर दिया जाता है, तो आपके दिमाग में हमेशा कुछ बातें चलती रहती हैं, 'मैं फिर से क्यों नहीं?' ऐसे मामले हुए हैं, लेकिन कोई बात नहीं, आपको इसकी आदत हो जाती है। ऐसा होता है, यह जिंदगी का हिस्सा है। इसके बारे में कहने के लिए ज्यादा कुछ नहीं है। समय के साथ, आप सीखते हैं।

निषाद कुमार ने लहराया तिरंगा, टी47 लॉन्ग जंप में देश के लिए जीता गोल्ड मेडल

विश्व केसरी ■

नागोया। भारत के निषाद कुमार ने आइची-नागोया में जारी एशियन पैरा गेम्स 2026 में सोमवार को पुरुषों की टी47 लॉन्ग जंप स्पर्धा में गोल्ड मेडल जीता। दो बार के पैरालंपिक रजत पदक विजेता निषाद ने सोमवार को 7.11 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाकर अपने शानदार पैरा-एथलेटिक्स करियर में एक अप्रत्याशित स्वर्ण पदक जोड़ दिया।

उज्बेकिस्तान के ओमादबेक खासानोव ने सबसे करीबी चुनौती पेश करते हुए सीजन बेस्ट (6.99 मीटर) के साथ सिल्वर मेडल जीता। श्रीलंका के मोहम्मदू सफरान ने 6.55 मीटर की सबसे अच्छी जंप के साथ पोडियम फिनिश किया।

हाई जंप में अपनी उपलब्धियों के लिए मशहूर निषाद ने एक ऐसे डिसिप्लिन में शानदार प्रदर्शन किया जो उनकी विशिष्टता के बाद दूसरे नंबर पर आता है।

निषाद ने 6.95 मीटर की जंप के साथ शुरुआत करते हुए अपने दूसरे प्रयास में 7.09 मीटर के साथ बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद उन्होंने तीसरे राउंड में 7.11



मीटर की कोशिश के साथ अपनी बढ़त को बढ़ाया, जिसके बाद उनकी चौथी कोशिश में एक फाउल हुआ। भारतीय खिलाड़ी ने पांचवें राउंड में वापसी की और अपनी सबसे अच्छी दूरी के बराबर पहुंचने से पहले 7.07 मीटर के साथ अपना कैंपेन खत्म किया।

यह जीत इसलिए खास है, क्योंकि निषाद ने हाल ही में लॉन्ग जंप प्रतियोगिता में हिस्सा लिया है। भारतीय खिलाड़ी ने पिछले साल इस इवेंट में हिस्सा लेना शुरू किया था और इस डिसिप्लिन में कम प्रतिस्पर्धी अनुभव के साथ जापान पहुंचे थे। आइची-नागोया में उनके प्रदर्शन ने उनकी वर्सेटाइल प्रतिभा और अपनी एथलेटिक खूबियों को दूसरे इवेंट में उतारने की काबिलियत को दिखाया।

हालांकि, निषाद की जानी-मानी पहचान पुरुषों की टी47 हाई जंप में उनकी उपलब्धियों पर टिकी है। उन्होंने पेरिस 2024 पैरालिंपिक में सिल्वर मेडल जीता था और इस डिसिप्लिन में वर्ल्ड चैंपियनशिप में गोल्ड भी जीता है। एशियन पैरा गेम्स में, वह हाई जंप में डिफेंडिंग चैंपियन हैं, जिससे वह इस इवेंट में भारत के लिए मेडल जीतने के खास दावेदारों में से एक बन गए हैं। 27 साल के निषाद मंगलवार को हाई जंप टी47 फाइनल में वापसी करेंगे, जहां उनका मकसद एक बार फिर गोल्ड मेडल जीतना होगा।

100 मीटर फ्रीस्टाइल एस13 में कार्तिक बुडिगिना ने जीता सिल्वर मेडल

विश्व केसरी ■

नागोया। एशियन पैरा गेम्स 2026 में सोमवार को भारतीय तैराक कार्तिक बुडिगिना ने नागोया सिटी जनरल जिम्नेजियम में पुरुषों की 100 मीटर फ्रीस्टाइल एस13 स्पर्धा में सिल्वर मेडल जीता।

कार्तिक ने 100 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा को 56.68 सेकंड में पूरा करके दूसरा स्थान हासिल करते हुए इन खेलों में भारत के लिए तैराकी का पहला मेडल जीता। उज्बेकिस्तान के एगोर बोलोतोव ने 52.90 सेकंड के समय के साथ गोल्ड मेडल पर अपना कब्जा जमाया, जबकि कजाकिस्तान के विक्टर वोल्कोव (57.23 सेकंड) तीसरे स्थान पर रहे।

18 वर्षीय कार्तिक ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भी हिस्सा लिया था, जहां वे इसी कैटेगरी में मेडल जीतने से बहुत करीब आकर चूक गए थे और फाइनल में चौथे स्थान पर रहे। इसके अलावा, ग्लासगो गेम्स 2026 में वे पुरुषों की 50 मीटर फ्रीस्टाइल एस13 स्पर्धा में छठे स्थान पर रहे



थे।

कार्तिक ने एशियन यूथ पैरा गेम्स (2025) में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल छह मेडल (3 गोल्ड और 3 सिल्वर) अपने नाम किए थे। उन्होंने 200 मीटर इंडिविजुअल मेडले (एसएम11-13), 100 मीटर बटरफ्लाई (एस11-13) और 100 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक (एसबी13) स्पर्धाओं में गोल्ड मेडल हासिल किए।

इसके अलावा, उन्होंने 100 मीटर फ्रीस्टाइल (एस13), 100 मीटर बैकस्ट्रोक (एस11-13) और 50 मीटर फ्रीस्टाइल (एस13) स्पर्धाओं में सिल्वर मेडल जीते।

एशियन पैरा गेम्स में भारत के लिए यह तीसरा सिल्वर मेडल है। कार्तिक से पहले, जुडोका कोकिला ने महिलाओं के जे2 -52 किलोग्राम जूडो इवेंट में सिल्वर मेडल जीता था। आइची प्रीफेक्चुरल मार्शल आर्ट्स हॉल में हुए गोल्ड-मेडल मुकाबले में किर्गिस्तान की आइबिके उलानबेक किजी ने उन्हें सिर्फ 21 सेकंड में 'इप्पोन' से हरा दिया।

इससे पहले दिन में, भारत की अवनि लेखरा ने महिलाओं के 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसए1 इवेंट में सिल्वर मेडल जीता, जबकि इसी इवेंट में उनकी साथी मोना अग्रवाल ने गोल्ड मेडल हासिल किया।

मेटा को सरकार का निर्देश, फेसबुक और इंस्टाग्राम के रिकमेंडेशन सिस्टम की करे समीक्षा



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) ने प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी मेटा को फेसबुक और इंस्टाग्राम पर कंटेंट रिकमेंडेशन और रैंकिंग सिस्टम की समीक्षा करने के निर्देश दिए हैं। कई रिपोर्ट्स के अनुसार, भारत में सोशल मीडिया एल्गोरिद्म किस तरह जानकारी को बढ़ावा देते हैं, इसे लेकर सरकार ने अपनी निगरानी और सख्त कर दी है।

मंत्रालय द्वारा जारी एक एडवाइजरी में मेटा से कहा गया है कि उसकी रिकमेंडेशन प्रणाली ऐसी न हो, जिससे उपयोगकर्ताओं के सामने केवल एक या सीमित प्रकार की विचारधाराएं या कथानक बार-बार प्रस्तुत हों। इसके बजाय लोगों को विविध, प्रासंगिक और विश्वसनीय जानकारी तक अधिक पहुंच सुनिश्चित की जानी चाहिए।

मंत्रालय ने मेटा को ऐसे कंटेंट की पहचान, समीक्षा और त्वरित निगरानी के लिए तंत्र मजबूत करने का भी निर्देश दिया है, जो रिकमेंडेशन सिस्टम के जरिए तेजी से बड़े पैमाने पर लोगों तक पहुंच रहा हो और जिससे सार्वजनिक भ्रम, हिंसा या कानून-व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका हो।

इसके अलावा, अमेरिकी कंपनी को इन उपायों को तत्काल लागू करने और उठाए गए कदमों की जानकारी सरकार को देने के लिए भी कहा गया है। एडवाइजरी में विशेष रूप से सार्वजनिक घटनाओं से जुड़ी तस्वीरों, वीडियो और ग्राफिक्स का उल्लेख किया गया है, जिनकी प्रामाणिकता, समय, स्थान या परिस्थितियों को लेकर अस्पष्टता हो सकती है। मंत्रालय ने कहा है कि ऐसे मामलों में अतिरिक्त संदर्भ उपलब्ध कराया जाना चाहिए, जहां पुराने या असंबंधित दृश्य वर्तमान घटनाओं के रूप में प्रस्तुत किए जाएं, वीडियो को चुनिंदा रूप से संपादित किया गया हो या आपात स्थिति, पुलिस कार्रवाई अथवा अन्य सरकारी उपायों को लेकर अपुष्ट दावे किए जा रहे हों।

यह कदम मेटा की कंटेंट मॉडरेशन और रिकमेंडेशन प्रणालियों को लेकर सरकार की बढ़ती निगरानी का ताजा उदाहरण माना जा रहा है।

इससे पहले अगस्त में सरकारी अधिकारियों ने मेटा के अधिकारियों से कंटेंट रिकमेंडेशन एल्गोरिद्म, डीपफेक, सिंथेटिक मीडिया और गैरकानूनी सामग्री के खिलाफ सुरक्षा उपायों को लेकर सवाल किए थे।

मेटा ने हाल ही में बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामग्री को लेकर उठी चिंताओं के बाद कंटेंट और विज्ञापन संबंधी सुरक्षा उपायों को भी और मजबूत किया है।

कंपनी ने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि उसने एआई-आधारित नई विज्ञापन समीक्षा प्रणाली लागू की है और जनवरी से जून 2026 के बीच भारत में बाल यौन शोषण से संबंधित 53 लाख कंटेंट हटाए हैं। इनमें से 98 प्रतिशत से अधिक मामलों की पहचान कंपनी ने सक्रिय रूप से खुद की थी।

वैश्विक लीगल मेट्रोलॉजी सम्मेलन की मेजबानी, 100 से अधिक वैश्विक प्रतिनिधि होंगे शामिल



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत पहली बार 26 से 28 अक्टूबर तक नई दिल्ली में इंटरनेशनल कमेटी ऑफ लीगल मेट्रोलॉजी (सीआईएमएल) की 61वीं बैठक की मेजबानी करेगा। सोमवार को जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई।

उपभोक्ता मामले विभाग और इंटरनेशनल ऑर्गेनाइजेशन ऑफ लीगल मेट्रोलॉजी (ओआईएमएल) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस बैठक में दुनिया भर से 100 से अधिक अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों और लीगल मेट्रोलॉजी विशेषज्ञों के शामिल होने की उम्मीद है। इनमें ओआईएमएल सदस्य देशों, संवाददाता सदस्य देशों और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे।

उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने कहा है कि पहली बार इस बैठक की मेजबानी करना अंतरराष्ट्रीय सहयोग, मापन मानकों के सामंजस्य, निष्पक्ष व्यापार को बढ़ावा देने और उपभोक्ता संरक्षण के क्षेत्र में भारत की बढ़ती भूमिका का महत्वपूर्ण संकेत है।

इस सम्मेलन के तहत 26 अक्टूबर को 'इवोल्यूशंस इन लीगल मेट्रोलॉजी' विषय पर एक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी भी आयोजित की जाएगी, जिसमें विभिन्न देशों के विशेषज्ञ आधुनिक लीगल मेट्रोलॉजी प्रणालियों के आधुनिकीकरण से जुड़े अनुभवों और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करेंगे।

इसके अलावा, 27 अक्टूबर को ओआईएमएल स्ट्रेटेजी वर्कशॉप आयोजित होगी, जहां सदस्य देशों और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों को संगठन की भविष्य की रणनीतिक दिशा और प्राथमिकताओं पर विचार-विमर्श का अवसर मिलेगा।

मंत्रालय के अनुसार, इन चर्चाओं में उभरती चुनौतियां, तकनीकी प्रगति, डिजिटल परिवर्तन, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और दुनिया भर में विकसित हो रही लीगल मेट्रोलॉजी प्रणालियों की नई आवश्यकताओं जैसे विषय शामिल होंगे।

तीन दिवसीय कार्यक्रम के दौरान सीआईएमएल सदस्य अंतरराष्ट्रीय सिफारिशों के विकास और संशोधन, ओआईएमएल की तकनीकी गतिविधियों, ओआईएमएल प्रमाणन प्रणाली (ओआईएमएल-सीएस), डिजिटल परिवर्तन, क्षमता निर्माण और अंतरराष्ट्रीय सहयोग से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार करेंगे।

बैठक में भाग लेने वाले देशों के बीच तकनीकी ज्ञान और अनुभवों का आदान-प्रदान भी होगा, जिससे मापन प्रणालियों को मजबूत बनाने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त मानकों को बढ़ावा देने के प्रयासों को बल मिलेगा।

इससे पहले सीआईएमएल की 60वीं बैठक 13 से 15 अक्टूबर 2025 के बीच फ्रांस की राजधानी पेरिस में आयोजित हुई थी।

रीढ़ को लचीला और फेफड़ों को मजबूत बनाता है परिघासन, जानें इसके फायदे

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। रोजाना योगासन करने से शरीर और मन के बीच संतुलन बना रहता है, परिघासन उन्हीं में से एक है। यह आसन शरीर के साइड बॉडी को गहराई से स्ट्रेच करता है, जिससे रीढ़ लचीली बनती है, कमर की जकड़न दूर होती है और सांस लेने की क्षमता बेहतर होती है।

संस्कृत में 'परिघा' का अर्थ द्वार को बंद करने वाली लोहे की छड़ या बीम होता है और 'आसन' का अर्थ मुद्रा है, इसलिए इसे 'गेट पोज' भी कहा जाता है। इस आसन में शरीर की स्थिति भी उसी तरह मजबूत और स्थिर बनती है। यह घुटनों के बल किया जाने वाला एक महत्वपूर्ण योगासन है, जिसमें शरीर का आकार एक गेट (दरवाजे) के



समान प्रतीत होता है।

आयुष मंत्रालय के अनुसार, परिघासन शरीर के संतुलन, लचीलेपन और फेफड़ों की कार्यक्षमता को बढ़ाने वाला एक बेहद महत्वपूर्ण पार्श्व-झुकाव वाला योगासन है। इससे कमर की साइड की मांसपेशियों, हैमस्ट्रिंग, काफ मसल्स और पेल्विक क्षेत्र में बेहतरीन खिंचाव आता है। यह रीढ़ की हड्डी, पसलियों, और कूल्हों को एक गहरा पार्श्व खिंचाव देता है, जिससे पीठ और कमर की जकड़न दूर होती है। साथ ही, यह छाती और पसलियों के बीच की मांसपेशियों के खुलने से फेफड़ों की कार्यक्षमता बढ़ती है और गहरी सांस लेने में मदद मिलती है।

जब हम इस आसन में शरीर को साइड में स्ट्रेच करते हैं, तो पेट के अंदरूनी अंगों पर एक तरह का कोमल दबाव और खिंचाव आता है, जिसे ही योग में मालिश कहा जाता है। इस आसन में पेट के निचले हिस्से पर आने वाला दबाव कोलन को स्टिम्युलेट करता है, जिससे मल का संचलन आसान होता है। साथ ही यह आसन वात दोष को संतुलित करता है, जो आयुर्वेद के अनुसार कब्ज का मुख्य कारण है।

मां सिद्धिदात्री से शतावरी का खास संबंध, इम्युनिटी से लेकर हार्मोन बैलेंस तक में कारगर

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। नवरात्र के नौवें दिन मां सिद्धिदात्री की पूजा की जाती है जिन्हें सभी सिद्धियों को देने वाली देवी माना गया है। वो भक्तों को ज्ञान, आरोग्य और नई ऊर्जा देती हैं। आयुर्वेद में मां सिद्धिदात्री का संबंध एक बहुत ही खास औषधि से जोड़ा गया है - शतावरी। मान्यता है कि जिस तरह मां सिद्धिदात्री सौ तरह की सिद्धियां देती हैं, उसी तरह शतावरी भी शरीर को सौ तरह की ताकत देती है। इसीलिए इसका नाम शतावरी पड़ा।



आयुर्वेद में शतावरी को एक महत्वपूर्ण रसायन औषधि माना जाता है। रसायन का अर्थ ऐसी औषधियों से है, जिनका पारंपरिक रूप से शरीर के पोषण, ताकत और समग्र स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए उपयोग किया जाता है। शतावरी की जड़ का इस्तेमाल आयुर्वेदिक चिकित्सा में खास तौर पर किया जाता है। आयुर्वेदिक ग्रंथों में शतावरी को मधुर और तिक्त रस वाली, शीतल प्रकृति की तथा शरीर को पोषण देने वाली औषधि बताया गया है।

ताकत और इम्युनिटी के लिए : शतावरी एक बेहतरीन रसायन है। मतलब ये शरीर को अंदर से जवान और ताकतवर बनाती है। अगर आपको हर समय थकान लगती है, कमजोरी महसूस होती है या वजन बहुत कम है, तो शतावरी बहुत फायदा करती है। ये शरीर के रोगों से लड़ने की ताकत को बढ़ाती है।

महिलाओं के लिए वरदान : महिलाओं के लिए तो शतावरी किसी वरदान से कम नहीं है। आजकल पीसीओडी, पीसीओएस और पीरियड्स का अनियमित होना बहुत आम समस्या हो गई है। शतावरी हार्मोन्स को बैलेंस करने में मदद करती है। इसके अलावा जिन माताओं को बच्चे को दूध पिलाने में दिक्कत होती है, उनके लिए ये दूध बढ़ाने का काम भी करती है।

दिन में थकान से बुरा हाल, रात में टूट जाती है नींद? कहीं मेनोपॉज तो नहीं इसकी वजह

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। महिलाओं के जीवन में उम्र के साथ कई तरह के शारीरिक और मानसिक बदलाव आते हैं। इनमें से एक है मेनोपॉज, यानी वह अवस्था जब महिला के पीरियड्स हमेशा के लिए बंद हो जाते हैं। आमतौर पर यह बदलाव 45 से 55 साल की उम्र के बीच होता है। हालांकि, मेनोपॉज़ की शुरुआत से पहले ही शरीर में कई तरह के संकेत दिखाई देने लगते हैं। कभी अचानक बहुत गर्मी लगना, तो कभी ठंड महसूस होना, रात में बार-बार नींद खुलना और दिनभर थकान बने रहना भी इन्हीं लक्षणों में शामिल हो सकते हैं।

क्या आपके साथ भी ऐसा होता है कि रात को अचानक गर्मी लगने लगती है और आप कंबल हटा देती हैं? कुछ देर बाद ठंड महसूस होती है और फिर कंबल ओढ़ना पड़ता है। अगर ऐसा बार-बार हो रहा है, तो इसकी एक वजह मेनोपॉज से जुड़े हॉट फ्लैश और रात में पसीना आना हो सकता है।















दिल्ली में कम दोषसिद्धि दर पर एलजी संधू सख्त

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल टी.एस. संधू ने सोमवार को सरकारी अभियोजकों को यह याद दिलाते कहा कि न्याय में देरी, न्याय से वंचित किए जाने के समान नहीं होने दी जा सकती। अदालतों में मुकदमों के दौरान होने वाली टाली जा सकने वाली देरी और प्रक्रियागत चूकों को दूर करना आवश्यक है, ताकि अभियोजन निदेशालय बेहतर दोषसिद्धि दर हासिल कर सके।

अभियोजन निदेशालय के अधिकारियों के साथ एक बैठक में टी.एस. संधू ने राष्ट्रीय राजधानी में दोषसिद्धि (कनविक्शन) की कम दर, लंबित मामलों की बढ़ती संख्या और अदालती मामलों के निपटारे में हो रही देरी पर चिंता जताई।

संधू ने चार्जशीट की 'प्री-ट्रायल' (मुकदमे से पहले) जांच को मजबूत करने, सुनवाई टालने की घटनाओं को कम करने और गवाहों को समय पर अदालत में पेश करना सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

संधू ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'न्याय में देरी का मतलब न्याय से इनकार नहीं है। हर ऐसी देरी और चूक को दूर किया जाना चाहिए जिसे टाला जा सकता है। सभी संबंधित एजेंसियों को निर्देश दिया गया है कि वे अभियोजन पक्ष को मजबूत करने और न्याय को अधिक प्रभावी ढंग से सुनिश्चित करने के लिए तत्परता, आपसी समन्वय और जवाबदेही के साथ काम करें।'

एक अन्य संदेश में उन्होंने लिखा, 'आज जीएनसीटीडी (दिल्ली सरकार) के अभियोजन निदेशालय के कामकाज की समीक्षा की। दोषसिद्धि की कम दर, लंबित मामलों की बढ़ती संख्या और मामलों के निपटारे में हो रही देरी पर चिंता जताई।'

उपराज्यपाल ने दोषसिद्धि की दर में सुधार के लिए तत्काल और परिणाम-उन्मुख कदम उठाने का निर्देश दिया। उन्होंने मामलों की बेहतर निगरानी करने, केस ट्रैकिंग सिस्टम में व्यापक सुधार लाने, फाइलों के आवंटन को सुव्यवस्थित करने और मुकदमे में होने वाली देरी के कारणों की पहचान करने पर जोर दिया।

संधू ने वरिष्ठ अधिकारियों से यह भी कहा कि वे बीएनएसएस (भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता) की समय-सीमाओं का पालन सुनिश्चित करें, ताकि समय पर न्याय मिल सके। उपराज्यपाल के प्रमुख सुझावों में से एक यह था कि जहां भी कानूनी रूप से संभव हो, वहां 'ट्रायल इन एब्सेंशिया' (आरोपी की अनुपस्थिति में मुकदमा चलाना) की प्रक्रिया शुरू की जाए। साथ ही जांच की गुणवत्ता और सबूत जुटाने के मामले में जांच अधिकारियों को जवाबदेह ठहराया जाए।

दोषसिद्धि की दर बढ़ाने के उपाय के तौर पर संधू ने सुझाव दिया कि जिन मामलों में आरोपी बरी हो जाते हैं, वहां जवाबदेही तय की जानी चाहिए।

'एक्स' पर उपराज्यपाल ने लिखा, 'बरी होने वाले मामलों का विश्लेषण करें, कमियों या चूकों की पहचान करें और हर स्तर पर जवाबदेही सुनिश्चित करें। संधू का एक और महत्वपूर्ण सुझाव विभिन्न एजेंसियों के बीच आपसी समन्वय को बेहतर बनाने से जुड़ा था। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, 'अभियोजकों, दिल्ली पुलिस और एफएसएल के बीच दैनिक समन्वय को मजबूत करें, जिसमें जांच अधिकारियों को प्रभावी ढंग से ब्रीफ करना भी शामिल है।'

सरकार ने कई बार किया परामर्श, परिसीमन विवाद पर रिजिजू का कांग्रेस को जवाब

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। संसद में परिसीमन संविधान संशोधन बिल को लेकर केंद्र सरकार और विपक्ष के बीच तकरार बढ़ गई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग के बाद संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने जवाबी पत्र लिखा है।

रिजिजू की ओर से लिखे गए पत्र में कहा गया है, 'मैं आपको (मल्लिकार्जुन खड़गे) बहुत-बहुत बधाई देता हूं कि आपने संसदीय कार्य मंत्रालय को पत्र लिखा। आपने 16 अक्टूबर को प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर परिसीमन संशोधन पर विचार से पहले सर्वदलीय बैठक की मांग की है। मैं इस विषय पर विपक्ष के साथ सरकार की कोशिशों के बारे में तथ्य दर्ज कर रहा हूं।'

पत्र में संसद को स्थगित न किए जाने के विपक्ष के आरोप पर सफाई दी गई है। सरकार ने कहा, 'आपके इस अवलोकन के संबंध में कि 64 दिन बीत चुके हैं और संसद को स्थगित नहीं किया गया है। मैं साफ करना चाहूंगा कि कोई संवैधानिक जरूरत नहीं है कि सदन को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने के बाद कितने समय में स्थगित किया जाए। सिर्फ इतने समय तक स्थगित न होना कोई संवैधानिक अनियमितता नहीं है।'

रिजिजू ने उदाहरण देते हुए कहा कि पहले भी ऐसे मामले हुए हैं, जब सदन लंबे समय तक स्थगित नहीं हुई। 2008 में लोकसभा विश्वास प्रस्ताव के लिए 21-22 जुलाई को बैठी थी, फिर स्थगित नहीं हुई और 17 अक्टूबर को फिर शुरू होकर 24 अक्टूबर को स्थगित हुई ताकि 10 दिसंबर को बैठक हो सके। इसके अलावा 1987 में 76 दिन, 1989 में 54 दिन, 2006 में 49 दिन, 2013 में 49 दिन और 1963 में 41 दिन तक सदन स्थगित नहीं हुआ था।

पत्र में कहा गया है कि सरकार ने डिलिमिटेशन अमेंडमेंट बिल पर लगातार विपक्ष का सहयोग मांगा है। उन्होंने कहा, 'मैंने आपको 16 मार्च, 26 मार्च और 12 अप्रैल 2026 को लिखा था। लिखित बातचीत के अलावा मैंने आपसे पर्सनली भी चर्चा की और सहयोग मांगा। मानसून सेशन के दौरान मैं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से भी मिला और सहयोग मांगा।'

केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि बार-बार अनुरोध के बाद भी कांग्रेस ने चर्चा के लिए कोई तारीख नहीं दी, जिसके बाद डीएमके, एसपी, वाईएसआरसीपी, एनसीपी, शिवसेना (यूबीटी), एआईएमआईएम और बीजद सहित कई दलों से परामर्श किया गया।

पत्र में कहा गया, 'ऐसे में समझ नहीं आता कि बार-बार परामर्श की मांग क्यों की जा रही है, जबकि सरकार पहले ही लगातार प्रयास कर चुकी है।

पुलिस स्मृति दिवस : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 21 अक्टूबर को शहीद पुलिसकर्मियों को अर्पित करेंगे श्रद्धांजलि

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह पुलिस स्मृति दिवस के उपलक्ष्य में बुधवार को नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पर शहीद पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। गृह मंत्री एक मोटरसाईकल रैली को झंडा दिखाकर रवाना करेंगे, जिसमें राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों (जम्मू व कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ व दिल्ली), केंद्रीय सशस्त्र बलों और कुछ केंद्रीय पुलिस संगठनों के लगभग 90 सवार होंगे।

यह रैली 'फाइट अगेंस्ट ड्रग्स' के संदेश पर आयोजित एक देशव्यापी रैली का भाग है, जिसमें देशभर के सभी राज्यों, केंद्रशासित प्रदेशों व केंद्रीय बलों के मोटरसाइकिल सवार एकता नगर, गुजरात पहुंच कर एकता परेड-2026 में सम्मिलित होंगे।

21 अक्टूबर, 1959 को लद्दाख के हॉट स्प्रिंग क्षेत्र में सशस्त्र चीनी टुकड़ी द्वारा घात लगाकर किए हमले में पुलिस के 10 वीर जवानों ने अपने प्राणों की आहुति दी थी। तब से प्रतिवर्ष 21 अक्टूबर पुलिस स्मृति दिवस के रूप में मनाया जाता है। पुलिस कर्मियों द्वारा दिए गए बलिदान तथा राष्ट्रीय सुरक्षा एवं एकता बनाए रखने में पुलिस की उत्कृष्ट भूमिका का सम्मान करते हुए प्रधानमंत्री ने पुलिस स्मृति दिवस, 2018 के अवसर पर चाणक्यपुरी, नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय पुलिस स्मारक देश को समर्पित किया।

यह स्मारक पुलिस बलों में राष्ट्रीय पहचान, गर्व, उद्देश्यों में एकरूपता, एक समान इतिहास और भविष्य की भावना भरने के साथ-साथ उनकी इस प्रतिबद्धता को भी और सशक्त करता है कि उन्हें अपने प्राणों की कीमत पर भी देश की रक्षा करनी है। पुलिस स्मारक में एक केंद्रीय शिल्पकृति के अलावा 'शौर्य की दीवार' तथा एक संग्रहालय भी मौजूद है।

आईडीबीआई बैंक के प्रस्तावित अधिग्रहण के विरोध में कर्मचारियों ने दो दिवसीय हड़ताल का किया ऐलान

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। आईडीबीआई बैंक के अधिकारियों और कर्मचारियों की यूनियन ने कनाडा स्थित फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स ग्रुप को बैंक की प्रस्तावित बिक्री के विरोध में हड़ताल करने के लिए बैंक प्रबंधन को नोटिस दिया है। यह हड़ताल बैंक की सभी शाखाओं और कार्यालयों में की जाएगी।

यूनियन की ओर से जारी बयान के अनुसार, देशव्यापी दो दिवसीय भूख हड़ताल 2 और 3 नवंबर को आयोजित की जाएगी। इसका उद्देश्य उस सौदे को रोकना है, जिसके तहत सरकार और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की हिस्सेदारी कम की जाएगी और प्रबंधन का नियंत्रण फेयरफैक्स ग्रुप को सौंप दिया जाएगा।

ऑल इंडिया आईडीबीआई ऑफिसर्स एसोसिएशन और ऑल इंडिया इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट बैंक एम्प्लॉइज एसोसिएशन से मिलकर बनी इस यूनियन ने मांग की है कि सरकार प्रस्तावित बिक्री पर रोक लगाए और आईडीबीआई बैंक में कम से कम 6 प्रतिशत अतिरिक्त हिस्सेदारी खरीदे। यह हिस्सेदारी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) से या खुले बाजार के जरिए खरीदी जा सकती है, ताकि बैंक में सरकार की हिस्सेदारी न्यूनतम 51 प्रतिशत बनी रहे। यूनियन ने कहा कि इससे दिसंबर 2003 में संसद में दिए गए उस आश्वासन का सम्मान होगा, जिसमें सरकार ने बैंक में बहुमत हिस्सेदारी बनाए रखने की बात कही थी।

यूनियन ने लिखित और कानूनी रूप से बाध्यकारी आश्वासन भी मांगे हैं जिसमें कर्मचारियों की मौजूदा सेवा शर्तों, कल्याणकारी उपायों, पेंशन लाभों और आरक्षण नीतियों की सुरक्षा शामिल हैं। अगर बैंक की बिक्री आगे बढ़ती है, तो यूनियन ने मौजूदा कर्मचारियों और अधिकारियों को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में स्थानांतरित होने का विकल्प देने की मांग की है।

सीमा पार ड्रग सिंडिकेट का भांडाफोड़ , 3.72 करोड़ रुपये नकद जब्त किए गए

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की ओर से ड्रग सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया गया है और 3.72 करोड़ रुपये नकद फ्रीज किए गए हैं। सोमवार को अधिकारियों की ओर से जानकारी दी गई कि दिल्ली पुलिस ने नशीले पदार्थों की तस्करी करने वाले एक संगठित सीमा-पार सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है और इस दौरान लगभग 3.72 करोड़ रुपये नकद जब्त किए हैं।

अधिकारियों के अनुसार, इस मामले में जारी किया गया फ्रीजिंग ऑर्डर (संपत्ति या धनराशि को अस्थायी रूप से जब्त या अवरुद्ध करने का आदेश) वर्ष 1976 में उत्तर भारत के लिए सक्षम प्राधिकारी की स्थापना के बाद से अब तक की सबसे बड़ी राशि से संबंधित है। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई गई है कि बरामद नकदी का संबंध नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार से हो सकता है। फिलहाल, धनराशि के स्रोत, लेनदेन के नेटवर्क और इससे जुड़े व्यक्तियों की पहचान के लिए विस्तृत वित्तीय जांच तथा ट्रैकिंग की जा रही है।

दिल्ली पुलिस ने एक आधिकारिक बयान में कहा, 'दिल्ली पुलिस के दक्षिण-पूर्व जिले ने एनडीपीएस एक्ट के तहत ओखला इंडस्ट्रियल एरिया पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर की जांच में एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने सक्षम प्राधिकारी के जरिए 37,198,560 रुपये की अवैध नकदी को फ्रीज करने का आदेश प्राप्त किया है। पुलिस के अनुसार, इस जांच के दौरान नशीले पदार्थों की आपूर्ति करने वाले नेटवर्क के आठ कथित सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है और लगभग 1.383 किलोग्राम 'स्मैक' (नशीला पदार्थ) बरामद की गई है।

सीएम रेखा गुप्ता ने महानवमी पर किया 'कन्या पूजन', कहा- बेटियों का सशक्तीकरण सामाजिक प्रगति की कुंजी

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को महानवमी के शुभ अवसर पर अपने परिवार के साथ 'कन्या पूजन' किया और मां दुर्गा से सभी बेटियों के उज्ज्वल भविष्य तथा लोगों की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बेटियां दैवीय शक्ति का रूप होती हैं। समाज की सच्ची प्रगति के लिए बेटियों का सम्मान करना, उन्हें शिक्षित करना, उनकी सुरक्षा करना और उन्हें सशक्त बनाना बहुत जरूरी है। हर बेटी को आगे बढ़ने और अपने सपनों को पूरा करने के समान अवसर देना ही 'कन्या पूजन' की असली भावना है। मुख्यमंत्री गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार हर बेटी की सुरक्षा, शिक्षा और सशक्तीकरण सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। 'कन्या पूजन' नवरात्रि के दौरान की जाने वाली एक महत्वपूर्ण परंपरा है, जिसमें छोटी बच्चियों को देवी का रूप मानकर पूजा जाता है। भक्त श्रद्धापूर्वक उनके पैर धोते हैं, प्रार्थना करते हैं और उन्हें भोजन कराते हैं।

इस बीच, इस साल भारत के कई हिस्सों में दुर्गा अष्टमी और महानवमी एक ही दिन पड़ रही है, जिससे भक्तों के बीच व्रत और धार्मिक अनुष्ठानों के समय को लेकर उलझन पैदा हो गई है।

हिंदू त्योहारों का निर्धारण सामान्य 24 घंटे वाले कैलेंडर के बजाय 'तिथियों' (चंद्र दिनों) के आधार पर होता है। कोई भी तिथि कभी भी शुरू या खत्म हो सकती है, इसलिए कभी-कभी दो महत्वपूर्ण धार्मिक पर्व एक ही कैलेंडर दिन पर पड़ सकते हैं।

साल 2026 में, अष्टमी सोमवार 19 अक्टूबर को पड़ी है और इसकी तिथि सुबह के समय समाप्त हो रही है। कई पंचांगों के अनुसार, नई दिल्ली में अष्टमी सुबह लगभग 10:50 बजे समाप्त होगी, जिसके बाद नवमी शुरू हो जाएगी और अगले दिन तक चलेगी।

पारंपरिक मान्यताओं के अनुसार, जब कैलेंडर की स्थितियों के कारण अष्टमी और नवमी एक ही दिन पड़ते हैं।

दिल्ली के आईपी एक्सटेंशन में होगा दशहरा उत्सव का आयोजन, पीएम मोदी भी हो सकते हैं शामिल

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को दिल्ली के आईपी एक्सटेंशन में होने वाले भव्य दशहरा समारोह में शामिल हो सकते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी के इन उत्सवों में शामिल होने की संभावना को देखते हुए व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं, ताकि कार्यक्रम का आयोजन सुचारू रूप से हो सके।

दशहरा उत्सव में पारंपरिक रूप से रावण के पुतले जलाए जाते हैं, जो बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। पूरे देश में दशहरा का त्योहार धार्मिक उत्साह और उमंग के साथ मनाया जाता है, जो बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है।

पिछले कुछ वर्षों में, प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित होने वाले प्रमुख दशहरा समारोहों में अक्सर शामिल होते रहे हैं। हालांकि, पिछले साल 2 अक्टूबर को पूर्वी दिल्ली के पटपड़गंज में होने वाले दशहरा कार्यक्रम में प्रधानमंत्री का जाना तय था लेकिन भारी बारिश के कारण इसे रद्द करना पड़ा। 2024 में प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के साथ दिल्ली के लाल किले के पास परेड ग्राउंड में आयोजित रामलीला समारोह में हिस्सा लिया था। यह कार्यक्रम वार्षिक उत्सवों के हिस्से के रूप में 'श्री धार्मिक लीला समिति' द्वारा आयोजित किया गया था। 2023 और 2019 में प्रधानमंत्री मोदी ने दिल्ली के द्वारका सेक्टर 10 में 'श्री रामलीला सोसाइटी' द्वारा आयोजित रावण दहन कार्यक्रम में भाग लिया था।

इन मौकों पर उन्होंने त्योहार से जुड़ी धार्मिक परंपराओं के तहत भगवान राम, सीता, लक्ष्मण और हनुमान का किरदार निभाने वाले कलाकारों की पारंपरिक पूजा और आरती भी की। 2022 में प्रधानमंत्री मोदी ने उत्तर प्रदेश के अयोध्या में दशहरा समारोह में हिस्सा लिया, जहां एक ऐतिहासिक 'दीपोत्सव' का आयोजन किया गया था।

इस बीच, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मंगलवार शाम पंजाब के लुधियाना में रावण दहन कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस कार्यक्रम में रावण के पुतले को जलाने की पारंपरिक रस्म के साथ-साथ, नशीले पदार्थों के सेवन (ड्रग एब्यूज) के प्रतीक के रूप में एक पुतला भी जलाया जाएगा।

माना जा रहा है कि इस कार्यक्रम के जरिए पंजाब में नशीले पदार्थों के सेवन की समस्या की ओर ध्यान आकर्षित किया जाएगा, जो राज्य के लिए एक बड़ी चिंता का विषय है।

दिल्ली पुलिस का कांस्टेबल और उसका साथी अपहरण व जबरन वसूली के आरोप में गिरफ्तार

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की उत्तरी जिला साइबर सेल में तैनात एक कांस्टेबल को अपहरण और जबरन वसूली (उगाही) के एक मामले में उसके एक सहयोगी के साथ गिरफ्तार किया गया है। एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि गिरफ्तारी के बाद कांस्टेबल को निलंबित भी कर दिया गया है।

एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि रविवार को कोतवाली पुलिस ने मोइन अली को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद शहर की एक अदालत ने आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

अधिकारी के अनुसार, कोतवाली पुलिस द्वारा दर्ज किए गए अपहरण के एक मामले में, तकनीकी खुफिया जानकारी (टेक्निकल इंटेलिजेंस) की मदद से अली पुलिस के हत्थे चढ़ गया।

दिल्ली पुलिस कमिश्नर अनुराग कुमार ने बार-बार 'जन-अनुकूल पुलिसिंग' पर जोर दिया है और पुलिसकर्मियों द्वारा किए जाने वाले किसी भी कदाचार के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' (बिल्कुल बर्दाश्त न करने) की नीति अपनाई है।

पदभार संभालने के समय पुलिस बल को दिए अपने संदेश में कमिश्नर ने दिल्ली पुलिस के कर्मियों को यह मंत्र दिया, 'लोग सबसे पहले। भरोसे के साथ पुलिसिंग। मिलकर दिल्ली को सुरक्षित बनाएं।उन्होंने कहा, 'जनता की सेवा करना, उनका भरोसा जीतना और सुरक्षा सुनिश्चित करना, दिल्ली पुलिस एक ऐसी पारदर्शी, निष्पक्ष और पेशेवर पुलिसिंग के लिए प्रतिबद्ध है, जिसमें नागरिकों को जनसेवा के केंद्र में रखा जाता है। ईमानदारी, सुलभता, त्वरित प्रतिक्रिया और जवाबदेही पुलिस सेवा की मुख्य विशेषताएं हैं। उन्होंने कहा, 'सक्रिय सामुदायिक भागीदारी और सकारात्मक जुड़ाव के जरिए दिल्ली पुलिस एक ऐसी सुरक्षित और समावेशी दिल्ली बनाने का प्रयास कर रही है।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेलः vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415